राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 333 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार , 11 जून 2021 मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

बीजेपी में शामिल होने पर अंतरात्मा की आवाज के बाद निर्णय लिया : जितिन प्रसाद

नई दिल्ली। कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल होने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि बहुत सोच-विचार और अंतरात्मा की आवाज के बाद ये निर्णय लिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ भी की। जितिन प्रसाद ने कहा कि देश में बीजेपी का नेतृत्व सबसे सक्षम है। बीजेपी में शामिल होने पर जितिन प्रसाद ने कहा कि मेरा तीन पीढ़ियों से कांग्रेस का साथ रहा, ये निर्णय आसान नहीं था। बहुत सोच-विचार और अंतरात्मा की आवाज के बाद ये निर्णय लिया। आज के परिप्रेक्ष्य में भारत के सामने जो चुनौतियां हैं और देश के हित में बीजेपी और नरेंद्र मोदी का नेतृत्व सबसे सक्षम है।

स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए जर्मनी के साथ काम करने को आशान्वित है भारत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने गुरुवार को कहा कि भारत एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए जर्मनी के साथ काम करने को लेकर आशान्वित है। उन्होंने जर्मनी को यूरोपीय संघ में भारत के सबसे महत्वपूर्ण मित्रों में से एक बताया। श्रृंगला ने कहा कि कोविड के बाद वैश्विक व्यवस्था के लिए समान विचारों वाले देशों के समन्वित प्रयासों की जरूरत होगी कि वे बहुपक्षवाद के सिद्धांतों तथा नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का सभी सम्मान करें।

टीकाकरण के खिलाफ अफवाहों को दूर करने के लिए अभियान चलाएंगे नकवी

मुंबई, (एजेंसी)। केन्द्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने गुरुवार को कहा कि भारत में शुरू किए गए टीकाकरण अभियान के खिलाफ नापाक और निहित स्वार्थ से फैलाई गई अफवाहों और आशंकाओं पर अंकुश लगाने के लिए सामाजिक और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य हज समितियां, वक्फ बोर्ड, उनके सहयोगी संगठन, सेंट्रल वक्फ काउंसिल, मौलाना आजाद शिक्षा फाउंडेशन और अन्य सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थान जान है तो जहान है अभियान का हिस्सा होंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने पत्रकारों से कहा कि अभियान में महिला स्वयं सहायता समूहों को भी शामिल किया जाएगा।

ड्रग्स सप्लायर भेज रहे हैं अमेरिका से ड्रग्स

मुंबई । देश मे कोरोना की दूसरी लहर से सभी लोग दो-दो हाथ कर रहे हैं, इसी बीच मुंबई नारकोटिस कंट्रोल यूरो को जानकारी मिली कि इमरजेंसी फूड सर्विसेस के नाम पर अमेरिका से मुंबई में ड्रग्स की सप्लाई शातिराना अंदाज में हो रही है। फिर या एनसीबी की एक टीम ने अंधेरी के फॉरेन पोस्ट ऑफिस में रेड कर एक पार्सल जत किया, जिस पर माउंटेन हॉउस 5 डे इमरजेंसी फूड सप्लाई लिखा था। जब बॉस खोला तो उसमें 5 पैकेट निकले, जिसमें मल्टी स्ट्रेन बड़ मिला, जिनका वजन 2.2 किग्रा था। एनसीबी के जोनल डायरेटर समीर वानखेड़े ने बताया कि यह ड्रग्स इलीट लास में पॉप्युलर हो रहा है।

दिल्ली दौरा अमित शाह और सीएम योगी के बीच डेढ़ घंटे तक चली बैठक

यूपी चुनाव और कैबिनेट विस्तार पर हुई चर्चा!

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिनी दौरे पर दिल्ली पहुंचे हैं। प्रदेश भाजपा संगठन में बदलाव के साथ ही प्रदेश के योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल में फेरबदल की सुगबुगाहट को देखते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ का यह दिल्ली दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली पहुंचते ही सीएम योगी आदित्यनाथ गृहमंत्री अमित शाह से मिलने उनके आवास पर पहुंच गए।

बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गुरुवार को दिन में अचानक ही दिल्ली जाने का कार्यक्रम फाइनल हुआ है। सीएम योगी आदित्यनाथ के अचानक दिल्ली दौरे को लेकर लखनऊ के राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। वह दिन में 2:30 बजे लखनऊ के रवाना होकर 3:30 बजे स्टेट प्लेन से गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पर लैंड किए। यहां से सड़क मार्ग से दिल्ली स्थिति यूपी सदन पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर रहे हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ के इस दौरे के बाद अब उत्तर प्रदेश में एक बार फिर राजनीतिक चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ की आज शाम को दिल्ली में गाजियाबाद तथा नोएडा के भाजपा नेताओं से भेंट होगी। इसके बाद वह भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के नेताओं से मिलेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को दिन में 11 बजे पीएम नरेंद्र मोदी से उनकी मुलाकात होगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ का आज रात में नई दिल्ली में प्रवास भी है। इसके बाद शुक्रवार सुबह 11 बजे उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात होनी है। पीएम मोदी से भेंट करने के बाद उनकी कल केंद्र सरकार के अन्य मंत्रियों तथा भाजपा के सांसदों से भी भेंट होनी है। वह कल 12:30 बजे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी भेंट कर सकते हैं। उनका यह अचानक दिल्ली दौरा बड़ी आशंकाओं को भी जन्म देता है। ऐसे में कयास लगाना स्वाभाविक है। हालांकि अब पूरी स्थितियां तो उनकी मुलाक़ात और बैठकों के बाद ही साफ़ हो पाएंगी। आने वाले एक-दो दिन उत्तर प्रदेश में भाजपा राजनीति के लिए काफी अहम माने जा रहे हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ पीएम को देंगे रिपोर्ट- लखनऊ में बुधवार देर रात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह तथा संगठन मंत्री सुनील बंसल के साथ बैठक के बाद बनी रिपोर्ट को आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाजपा आलाकमान को सौंपेंगे।

इसके अलावा पिछले एक महीने से पंचायत चुनाव को लेकर आगे की रणनीति पर भी वह चर्चा करेंगे। अब भाजपा आलाकमान तय करेगा कि उत्तर प्रदेश सरकार और संगठन में किस तरीके के बदलाव होंगे। 2022 का विधानसभा चुनाव किन मुद्दों पर लड़ा जाएगा और इसके अलावा पंचायत चुनाव के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख के चुनाव में किस तरीके से भाजपा बेहतरीन फिनिश करें। सीएम योगी आदित्यनाथ की भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से इन मुद्दों पर भी वार्ता होगी।

अनुप्रिया भी शाह से मिली- इस बीच भाजपा की सहयोगी अनुप्रिया पटेल ने भी गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। अनुप्रिया की मुलाकात आदित्यनाथ की मुलाकात के ठीक बाद हुई है। दरअसल राज्य मंत्रिमंडल के संभावित विस्तार में अनुप्रिया अपने दल का कोटा बढ़ाना चाहती हैं। अभी उनका एक राज्य मंत्री है और वह दो मंत्री और चाहती हैं। राज्य में विधानसभा चुनाव के पहले सामाजिक समीकरणों में अपना दल की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। दरअसल उार प्रदेश को लेकर भाजपा नेतृत्व पिछले एक पखवाड़े से काफी सक्रिय है।

उद्धव ठाकरे की मुलाकात के बाद बोले शिवसेना नेता संजय राउत, पीएम मोदी देश के टॉप लीडर

मुंबई । महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच हाल ही में दिल्ली में हुई मुलाकात के बाद शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री देश और बीजेपी के टॉप लीडर हैं। गुरुवार को राउत से पूछा गया था कि मीडिया में खबरें आई हैं कि आरएसएस राज्यों के चुनावों में राज्य के नेताओं को चेहरे के रूप में पेश करने पर विचार कर रहा है। ऐसे में क्या उन्हें लगता है कि मोदी की लोकप्रियता कम हुई है। इस सवाल पर राउत ने कहा, मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। मैंने मीडिया में आई खबरें नहीं देखी हैं। इस बारे में कोई आधिकारिक बयान भी नहीं आया है।

संजय राउत ने कहा कि पिछले 7 साल में भाजपा की सफलता का श्रेय मोदी को जाता है। वह अभी देश और अपनी पार्टी के शीर्ष नेता हैं। शिवसेना के रायसभा सदस्य राउत फिलहाल उत्तर महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। उन्होंने जलगांव में पत्रकारों से यह बात कही। उन्होंने कहा कि शिवसेना का हमेशा से मानना रहा है कि प्रधानमंत्री पूरे देश के होते हैं, किसी एक पार्टी के नहीं। राउत ने कहा, लिहाजा, प्रधानमंत्री को चुनाव अभियान में शामिल नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे आधिकारिक मशीनरी पर दबाव पड़ता है। माना जा रहा है कि रायों के विधानसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी के प्रचार करने को लेकर उन्होंने यह बात कही है।

हाल ही में महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा था कि अगर मोदी चाहें तो उनकी पार्टी बाघ (शिवसेना का चुनाव चिन्ह) से दोस्ती कर सकती है। इस पर राउत ने कहा, बाघ के साथ कोई दोस्ती नहीं कर सकता। बाघ ही तय करता है कि उसे किसके साथ दोस्ती करनी है।

उत्तर महाराष्ट्र के दौरे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह संगठन को मजबूत करने के शिवसेना के प्रयासों का हिस्सा है। राउत ने कहा, महा विकास आघाड़ी में शामिल सभी दलों को अपना आधार बढ़ाने और पार्टियों को मजबूत करने का अधिकार है। यह वक्त की जरूरत भी है। हम एक-दूसरे के साथ समन्वय को मजबूत करने के लिये बैठकें भी कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार के आरोप में अरुणाचल प्रदेश के पूर्व सीएम नबाम तुकी और उनके रिश्तेदारों के खिलाफ केस दर्ज

ईटानगर । केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नबाम तुकी के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार का एक नया मामला दर्ज किया है। यह मामला सीबीआई ने कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में एक केंद्रीय विद्यालय की चारदीवारी के निर्माण के कॉन्ट्रैक्ट से संबंधित भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार को लेकर दर्ज किया है। सीबीआई के अधिकारियों ने कहा, केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 2005-06 में राज्य में निर्माण कार्य में अनियमितताओं के लिए तुकी और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस दौरान तुकी पीडब्ल्यूडी और शहरी विकास मंत्री थे। इससे पहले जुलाई 2019 में, सीबीआई ने नबाम तुकी और उनके भाई नबाम टैगम के खिलाफ केस दर्ज किया था। उन पर आरोप था कि तुकीन ने 2003 में नियमों का पालन किए बिना गलत तरीके से लाभ के लिए अपने भाई को 3.20 करोड़ रुपये की सरकारी परियोजना प्रदान की थी।

2017 में, सीबीआई ने तुकी के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए एक प्रारंभिक जांच शुरू की थी। आरोप है कि उन्होंने 2005 में मंत्री पद पर रहने के दौरान अपने परिजनों और रिश्तेदारों को व्यक्तिगत लाभ के लिए 11 सरकारी कॉन्ट्रैक्ट दिए थे।

कोविड वैक्सीन का केरल और बंगाल में हुआ पूरा इस्तेमाल, इस राज्य में सबसे ज्यादा बर्बाद हुए टीके

नई दिल्ली । देश में टीकाकरण अभियान के बीच सरकार ने टीकों की बर्बादी पर आंकड़े जारी किए हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक कोविड वैक्सीन की सबसे ज्यादा बर्बादी (33.95 फीसद) झारखंड में हुई है। समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक केरल और पश्चिम बंगाल में मई माह में कोविड-19 रोधी वैक्सीन की बिल्कुल भी बर्बादी नहीं हुई है। इन दोनों ही राज्यों में कोविड रोधी वैक्सीन की क्रमशः 1.10 लाख और 1.61 लाख खुराकें बचाई गई हैं। वहीं सरकारी आंकड़ों के मुताबिक केरल में कोविड रोधी वैक्सीन की बर्बादी का आंकड़ा नकारात्मक 6.37 फीसद रहा जबकि पश्चिम बंगाल में नकारात्मक 5.48 दर्ज किया गया है। बता दें कि कोविड रोधी वैक्सीन की बर्बादी का आंकड़ा नकारात्मक होने का मतलब है कि हर शीशी में मौजूद अतिरिक्त खुराक का भी पूरा इस्तेमाल कर लिया गया है। छत्तीसगढ़ में 15.79 फीसद जबकि मध्य प्रदेश में 7.35 फीसद कोविड रोधी वैक्सीन बर्बाद हुई।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में क्रमशः 7.08 फीसद, 3.95 फीसद, 3.91 फीसद, 3.78 फीसद, 3.63 फीसद और 3.59 फीसद टीके बर्बाद हुए हैं। मई महीने में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 790.6 लाख वैक्सीन की आपूर्ति की गई। इनमें से 610.6 लाख टीके टीकाकरण में इस्तेमाल हुए जबकि 658.6 लाख डोज का इस्तेमाल हुआ। यही नहीं कोविड वैक्सीन की 212.7 लाख खुराकें बच गईं।

दिसंबर तक होंगे कोरोना के 200 करोड़ टीके : नड्डा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि आज हर महीने देश में एक करोड़ टीकों का उत्पादन हो रहा है। जुलाई-अगस्त में यह बढ़कर छह से सात करोड़ हो जाएगा। सितंबर तक हमें उत्पादन 10 करोड़ टीके प्रतिमाह हो जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पहले देश में टीकों के केवल दो उत्पादक थे, जो अब 13 हो गए हैं और दिसंबर तक 19 हो जाएंगे। दिसंबर तक देश में 200 करोड़ टीके उपलब्ध होंगे। यह हमारा रोडमैप है। टीकाकरण अभियान को लेकर नड्डा ने कहा कि भारत में अप्रैल महीने में ही टीकों की प्रक्रिया आरंभ हुई और जनवरी तक महज नौ महीने में देश में दो-दो टीके उपलब्ध कराए गए। उन्होंने कहा कि ऐसा तब हुआ जब विपक्षी दलों ने इस अभियान को लेकर लगातार सवाल खड़े किए और उसे पटरी से उतारने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि विकसित देशों के मुकाबले भारत में सबसे तीव्र गति से टीकाकरण अभियान चल रहा है। नड्डा ने दावा किया कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान जब देश में ऑक्सीजन की कमी के मामले सामने आने लगे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सप्ताह के भीतर यह समस्या दूर की और लोगों तक ऑक्सीजन पहुंचाई। कोविड-19 को शताब्दी की सबसे बड़ी और अकल्पनीय महामारी करार देते हुए नड्डा ने इससे हुई लोगों की मौत पर अफसोस जताया और स्वीकार किया कि ऑक्सीजन की कमी हुई थी लेकिन इस कमी को पूरा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी गई।

उन्होंने कहा, एक सप्ताह के अंदर ऑक्सीजन के लिए पूरी योजनाएं बनाकर और उन्हें अमली जामा पहनाया गया और लोगों तक ऑक्सीजन पहुंचाई गई। पिछले दिनों ऑक्सीजन की कमी हुई... प्रधानमंत्री ने एक सप्ताह के अंदर जल, थल और नभ यानी पानी में जहाज के माध्यम से, सड़कों पर ग्रीन कॉरिडोर बनाकर और ट्रेनों से तथा नभ में वायुयान से भी... ऑक्सीजन पहुंचाई और इस कमी को एक सप्ताह में दूर किया। मालूम हो कि अप्रैल-मई के महीने में देश के विभिन्न हिस्सों में ऑक्सीजन की कमी के कई मामले आए और इसकी वजह से राजधानी दिल्ली सहित देश के कुछ अन्य हिस्सों में कई लोगों की मौत भी हुई।

पंजाब में अमरिंदर ही रहेंगे सीएम, सिद्धू को मिल सकती है डिप्टी की जिमेदार

नई दिल्ली एजेंसी । पंजाब में मुयमंत्री अमरिंदर सिंह ही कैप्टन रहेंगे। नवजोत सिंह सिद्धू और कैप्टन अमरिंदर सिंह के बीच उपजे विवाद को खत्म करने के लिए जो तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई थी, उसने सोनिया गांधी को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। यहां बता दें कि इस कमेटी में मल्लिकार्जुन खड़गे, हरीश रावत और जयप्रकाश अग्रवाल शामिल थे। गुरुवार को इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट पार्टी आलाकमान को सौंप दी है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह कहा जा रहा है कि ज्यादातर विधायकों ने मुयमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के नेतृत्व पर विश्वास जताया है जिसकेबाद यह तय हो गया है कि अमरिंदर सिंह पंजाब कांग्रेस का चेहरा फिलहाल बने रहेंगे। यह भी कहा जा रहा है कि इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि जांच-पड़ताल के दौरान कैप्टन के खिलाफ फिलहाल किसी गुटबाजी की बात सामने नहीं आई है और नवजोत सिंह सिद्धू को लेकर विधायकों का कोई ग्रुप भी एकजुट नहीं हुआ है। इस कमेटी ने पंजाब कांग्रेस में खाली पदों को भरने की सिफारिश भी की है। पंजाब में अगले साल ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में पार्टी कोई जोखिम मोल नहीं लेना चाहती है और पार्टी की कोशिश है कि किसी नेता को नाराज भी नहीं किया जाए।

जितिन प्रसाद के कांग्रेस छोड़ने पर वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली ने कहा, पार्टी को बड़ी सर्जरी की जरूरत

नई दिल्ली । जितिन प्रसाद के कांग्रेस को छोड़ कर भाजपा में शामिल होने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरप्पा मोइली ने कहा कि कांग्रेस को बड़ी सर्जरी कराने की जरूरत है। क्षमता और जनाधार वाले लोगों को विभिन्न राज्यों का प्रभार दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्यादा नेता नहीं, सिर्फ जितिन प्रसाद ने ही पार्टी को छोड़ा है। वह हमेशा एक संदिग्ध थे। वह धर्मनिरपेक्ष नहीं है। वह जातिवादी थे और यूपी में जातिवादी राजनीति को कायम रखना चाहते थे। उन्हें कई पद दिए गए थे। पार्टी की विचारधारा के लिए प्रतिबद्ध लोगों को जिम्मेदारी दी जाए।

जितिन का भाजपा में जाने से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अगर वह कांग्रेस और उस विचारधारा को दोष देते हैं जिसके लिए उन्होंने और उनके पिता ने काम किया, तो यह दुखद है। खड़गे ने कहा कि जितिन को कांग्रेस में सभी लोग सम्मान देते थे। उन्होंने अचानक अपना स्टैंड बदल दिया, ये बहुत दुख की बात है। हो सकता है 8-10 साल हमारे लिए ठीक न हों लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि हम विचारधारा छोड़ें। ये नहीं होना चाहिए था। जितिन प्रसाद पारंपरिक कांग्रेसी थे, हमने उन्हें सम्मान दिया, उनकी उपेक्षा नहीं की गई।

ज्योतिरादित्य सिंधिया के बाद जितिन कांग्रेस के बिखरते युवा नेतृत्व का आखिरी पन्ना नहीं हैं बल्कि इस सिलसिले के आगे भी जारी रहने की संभावनाएं हैं। राजस्थान में विद्रोह के मुहाने से लौटे सचिन पायलट, महाराष्ट्र में मिलिंद देवड़ा से लेकर हरियाणा में दीपेंद्र हुड्डा जैसे कांग्रेस के युवा चेहरे पार्टी की मौजूदा दशा-दिशा से परेशान होकर अपने राजनीतिक भविष्य की वैकल्पिक संभावनाओं पर गौर कर रहे हैं।

ज्योतिरादित्य की तरह जितिन प्रसाद के पिता भी बड़े कांग्रेस नेता और केंद्रीय मंत्री रहे थे। जितिन प्रसाद और ज्योतिरादित्य भी मनमोहन सिंह की सरकार में केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। जितिन प्रसाद 2004 और 2009 में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस से सांसद रहे थे। ज्ञात हो कि 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले ही ऐसी अटकलें जोरों पर थीं कि जितिन प्रसाद भाजपा में जा सकते हैं। माना जाता है कि कांग्रेस हाई कमान के त्वरित हस्तक्षेप के कारण जितिन प्रसाद ने अपना फैसला तब वापस ले लिया था।

मोदी की मौजूदगी में कोरोना जांच के लिए चीन पर प्रेशर बढ़ाएगा जी-7

नई दिल्ली, (एजेंसी)। 11-13 जून के बीच ब्रिटेन के कार्निवाल में जी-7 समिट आयोजित होने वाली है। इसके शुरू होने से पहले मीटिंग के लिए बनाई गई एक सरकारी ड्राट के लीक होने की खबर है। लीक ड्राट की मानें तो इस मीटिंग में चीन की मुसीबतें बढ़ने वाली है। लीक ड्राट के मुताबिक जी-7 समिट के दौरान इसमें शामिल होने वाले नेता विश्व स्वास्थ्य संगठन के सामने नए सिरे से कोरोना वायरस की उत्पति को लेकर पारदर्शी तरीके से जांच करने की मांग उठाएंगे। जी-7 में शामिल- कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूके और यूएस के नेता ब्रिटेन में एक जगह जमा होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी ब्रिटेन ने स्पेशल गेस्ट के तौर पर इस समिट में आने का न्यौता दिया था, लेकिन महामारी की वजह से उनकी यात्रा फिलहाल रद्द कर दी गई है। हालांकि 12 और 13 जून को प्रधानमंत्री वर्चुअली समिट में हिस्सा

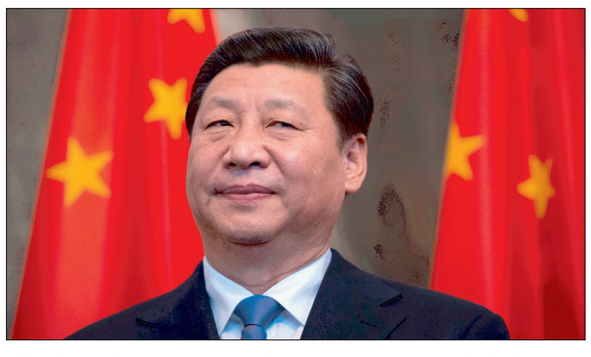

लेंगे, जो दस्तावेज लीक हुए हैं उसके आधार पर कहा गया है कि जी-7 के नेता इस समिट के दौरान कोरोना वायरस पर बिल्कुल नए और पारदर्शी रिसर्च करने की मांग करेंगे।

भारत और यूएस उठा सकते हैं जांच की मांग- जो देश इस जांच की मांग उठा सकते हैं, उसमें भारत और यूएस का नाम भी शामिल बताया जा रहा है। पिछले साल कोविड-19 आखिर कैसे फैला? इस बात का जवाब जानने को लेकर यह दोनों देश भी जांच की मांग उठा सकते हैं। गुरुवार को सीधे चीन का नाम लिए बिना विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बाग्ची ने कहा कि मैं समझता हूं कि हम इस बात को लेकर बिल्कुल साफ है कि कोविड-19 की उत्पति को लेकर डलूएचओ की जो रिपोर्ट है उसमें आगे भी रिसर्च किए जाने की जरूरत है। इस ड्राट में इस बात का भी जिक्र है कि जी-7 में शामिल सदस्य राष्ट्र वैसीन के एक बिलियन अतिरित डोज देने के लिए संकल्प लेंगे, ताकि दुनिया के 80 प्रतिशत युवाओं को वैसीन लगाया जा सके। सदस्य राष्ट्र दिसंबर 2022 तक इस महामारी पर पूरी तरह जीत पा लेने की रणनीति पर भी चर्चा करेंगे। आपको बता दें कि कोरोना वायरस के फैलने के मुद्दे पर चीन शुरू से सवालों के घेरे में रहा है। वायरस को लेकर यह भी कहा जाता रहा है कि चीन के वुहान शहर में स्थित एक लैबोरेट्री से यह घातक वायरस सबसे पहले लीक हुआ था। हालांकि, कई वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि यह वायरस इंसानों में जानवरों से फैला है। वैज्ञानिकों की इस थ्योरी के मुताबिक चीन के ही वुहान शहर में स्थिति शी-फूड मार्केट से यह महामारी फैली है। हालांकि, अब तक चीन इस वायरस को लेकर अपने ऊपर लगने वाले सभी आरोपों से इंकार करता आया है।

कोरोना का टीका लगाने के बाद कुछ लोगों में क्यों दिखते हैं दुष्प्रभाव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोई भी टीका लगवाने के बाद शरीर में उसके अस्थायी दुष्प्रभाव नजर आते हैं जैसे सिर दर्द, थकान और बुखार। ये सभी लक्षण इस बात का संकेत हैं कि आपका प्रतिरक्षा तंत्र और अधिक सक्रिय हो रहा है। यह किसी भी टीके के प्रति सामान्य प्रतिक्रिया है और ये दुष्प्रभाव भी आम हैं। कोरोना टीके की पहली खुराक लेने के बाद थकान का अनुभव करने वाले अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन के टीका प्रमुख, डॉ पीटर मार्क्स ने कहा, इन टीकों को लेने के अगले दिन, मैं कोई भी ऐसी शारीरिक गतिविधि नहीं कर सकता था जिसमें बहुत जोर लगाना पड़ता हो। ऐसा क्यों होता है इसे समझने के लिए हमें अपने प्रतिरक्षा तंत्र को समझना होगा। प्रतिरक्षा तंत्र के दो मुख्य भाग होते हैं जिनमें से पहला किसी भी बाहरी कण का पता चलने के फौरन बाद हरकत में आ जाता है। सफेद रक्त कोशिकाएं (डब्ल्यूबीसी) उस जगह पर जमा होने लगती हैं जहां बाहरी कण का पता चला है जिससे सूजन होती है जो ठंड लगने, दर्द होने, थकान और अन्य दुष्प्रभावों का कारण बनता है। आपकी प्रतिरक्षा तंत्र की यह त्वरित प्रतिक्रिया उम्र के साथ घटती जाती है। यही कारण है कि युवा लोगों में बुजुर्गों की तुलना में दुष्प्रभाव अधिक देखने को मिलते हैं। इसके अलावा, कुछ टीके दूसरों की तुलना में ज्यादा प्रतिक्रिया उत्पन्न करते हैं। इसका अभिप्राय है कि हर किसी में अलग-अलग प्रतिक्रिया देखने को मिलती है। अगर आपको टीके की कोई भी खुराक लेने के एक या दो दिन बाद कुछ महसूस न हो रहा हो तो इसका यह मतलब नहीं है कि टीका काम नहीं कर रहा है। टीका लगाने के बाद आपके प्रतिरक्षा तंत्र का दूसरा भाग जो वायरस से आपको वास्तविक सुरक्षा उपलब्ध कराएगा, वह चुपचाप एंटीबॉडीज बनाने में लग जाता है।

संक्षिप्त समाचार

नागराज नायडू को संयुक्त राष्ट्र में मिला अहम पद, शैफ डी कैबिनेट हुए नियुक्त

न्यूयार्क । संयुक्त राष्ट्र के 76वें सत्र के लिए अध्यक्ष पद पर नियुक्त हुए मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद ने भारत के संयुक्त राष्ट्र में स्थायी उपप्रतिनिधि के नागराज नायडू को शेफ डी कैबिनेट नियुक्त किया है। संयुक्त राष्ट्र में यह महत्वपूर्ण पद होता है। यूएन में नौकरशाही शेफ डी कैबिनेट के नियंत्रण में ही होती है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में इस पद के लिए नायडू का मुकाबला अफगानिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री डा. जालमाई रसूल से था। इस क्रम में नायडू को 143 वोट हासिल हुए वहीं रसूल को मात्र 48 वोट मिले। नियुक्ति के बाद नागराज नायडू ने वर्तमान महासभा अध्यक्ष वोल्कन बोजकिर से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे संयुक्त राष्ट्र महासभा अध्यक्ष केनेतृत्व में काम करने का मौका मिलेगा।

नए महासभा अध्यक्ष शाहिद 7 जून को नए अध्यक्ष पद के लिए चुने गए थे। वह सितंबर में अपना कार्यभार ग्रहण करेंगे।शैफ डी कैबिनेट किसी भीअंतरराष्ट्रीय संगठन में वरिष्ठ नौकरशाह होता है। जो संगठन के शीर्ष पद पर बैठने वाले शख्स के निजी सचिव के तौर पर काम करता है।

कौन है बोस्निया का कसाई और क्यों हो रही है इसकी चर्चा, आपके लिए भी ये जानना जरूरी

न्यूयार्क । 'बोस्निया का कसाई के नाम से चर्चित सर्बियाई पूर्व जनरल और नेता रात्को म्लादिच एक बार फिर से अंतरराष्ट्रीय मीडिया की सुर्खिया बना हुआ है। इसकी वजह संयुक्त राष्ट्र अपराध ट्राइब्यूनल का वो फैसला है जिसमें उसकी सजा को कम किए जाने की अपील को खारिज कर दिया गया है। बेल्जियम के वकील और इंटरनेशनल रेजिड्यूअल मकैनिजम फॉर क्रिमिनल ट्राइब्यूनल्स के मुख्य वकील सर्गे ब्रामेअर्त्स ने फैसले पर खुशी जताई है। उनका कहना है कि अब इस कसाई के पास आगे अपील की कोई गुंजाइश नहीं बची है। ये कोर्ट का आखिरी फैसला है। रात्को का जिक्र आते ही आज भी बोस्निया में लोगों के चेहरे डर के मारे पीले पड़ जाते हैं। ये वो शख्स है जिसको वहां पर आठ हजार लोगों के नरसंहार का दोषी माना गया था और उसको उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। इस नरसंहार के लिए सर्बियाई राष्ट्रपति स्लोबोदान मीलोसेविच और सर्ब नेता रादोवान करादि्जक पर भी मुकदमा चलाया गया था। द इंटरनेशनल क्रिमिनल टाइब्यूनल फॉर द फॉर्मर युगोस्लाविया (आईसीटीवाई) ने म्लादिच को 40 वर्ष की सजा सुनाई थी जबकि मिलोसेविक की ट्रायल के दौरान ही मौत हो गई थी। म्लादिच ने निहत्थे लोगों पर गोलियां चलवाई थी। 1992 में इस घटना की शुरुआत एक जनमत संग्रह से हुई थी। इसमें जहां बोस्निया और क्रोएशिया के नागरिकों ने आजादी के पक्ष में अपना मत दिया था वहीं सर्ब लोगों ने इसके खिलाफ वोट दिया था। आजादी चाहने वालों का मुंह बंद करने के लिए म्लादिच ने सेना का सहारा लिया। हजारों लोगों के घरों को जला दिया गया और अन्य लोगों को डराने के मकसद से हिरासत में लिए गए लोगों पर अत्याचार के वीडियो बनाए गए और लोगों को इन्हें दिखाया गया था।

इस नरसंहा की घटना के बाद म्लादिच काफी समय तक फरार रहा था। वर्ष 2011 में उसको गिरफ्तार करने में सफलता हाथ लगी थी। वो अंतरराष्ट्रीय युद्ध अरपराध ट्राइब्यूनल का मोस्ट वॉन्टेड भी था। 15 वर्षों तक वो पुलिस की आंखों में धूल झोंकने में इस वजह से कामयाब हो सका था क्योंकि वो सर्बियाई राष्ट्रवादियों की निगाह में एक हीरो की तरह था। उसने देश की राजनीति को काफी हद तक प्रभावित किया था। 2000 तक भी वो खुलेआम अपने समर्थकों के बीच बेलग्रेड में घूमता था। इसकी वजह कहीं न कहीं यूगोस्लाविया के पूर्व राष्ट्रपति स्लोबोदान मीलोसेविच को माना जाता है। उसने ही म्लादिच को सुरक्षा घेरा प्रदान किया था। उसकी गिरफ्तारी के पीछे भी बेहद दिलचस्प कहानी है। दरअसल उसकी गिरफ्तारी सर्बिया के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठनों का हिस्सा बनने की सबसे बड़ी शर्त म्लादिच की गिरफ्तारी ही थी। इसके अलावा यूरोपीय संघ का सदस्य बनने के लिए भी उसको इस शर्त को पूरा करने की जरूरत थी।

अमेरिकन और अन्य पर्यटकों के लिए करीब एक साल बाद खुल रहा यूरोप

पेरिस । कम से कम 1 साल के बाद धीरे-धीरे यूरोप खुल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकन और अन्य पर्यटकों के लिए करीब एक साल के बाद यूरोप में अनलॉक प्रक्रिया शुरू हो गई है, लेकिन पर्यटकों को थोड़ा सब्र करना होगा क्योंकि धीरे-धीरे नियमों को ध्यान में रखते हुए सब कुछ सामान्य किया जा रहा है। बता दें कि दुनिया भर में कोरोना महामारी का हॉटस्पॉट रहा यूरोप अब अनलॉक हो रहा है, लेकिन सावधानी के साथ। इन देशों में जैसे-जैसे टीकाकरण रफ्तार पकड़ रहा है, वैसे-वैसे महामारी फैलने की रफ्तार भी अब धीमी होती जा रही है। यहां पर कई देश घूमने-फिरने पर लागू प्रतिबंधों को हटा चुके हैं और हटा रहे हैं। इनमें से ब्रिटेन तो ज्यादातर आबादी को टीकाकरण के बाद पूरी तरह अनलॉक की स्थिति में आ गया है। सरकार की योजना 17 मई से ब्रिटेन को पूरी तरह अनलॉक शुरू कर दिया है। यूरोप की बात करें, तो यहां पर 30 में से 20 देश अनलॉक हो रहे हैं। कुछ देशों में शर्तों के साथ विभिन्न गतिविधियां शुरू भी हो गई है। कोरोना की सबसे ज्यादा मार झेलने वाले इटली, स्पेन और फ्रांस में होटल, रेस्त्रां, पर्यटन स्थल और अंतरराष्ट्रीय यात्राओं को नियमों के मुताबिक खोला जा रहा है। एक हफ्ते में ज्यादातर देशों में प्रमुख गतिविधियां शुरू होने की उम्मीद जताई है।

चीनी यूनिवर्सिटी ने छात्रों को लुभाने के लिए किया ऐसा काम, देशभर में हो रही आलोचना

बीजिंग । चीन के शीर्ष विश्वविद्यालयों में से एक को ऑनलाइन विज्ञापन में आवेदकों को लुभाने के लिए महिलाओं का उपयोग करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। आलोचकों का कहना है कि नानजिंग विश्वविद्यालय (एनजेयू) महिलाओं का गलत इस्तेमाल कर रहा है। विश्वविद्यालय ने चीन के राष्ट्रीय कॉलेज प्रवेश परीक्षा, गाओकाओ परीक्षा के पहले दिन सोमवार को वीबो पर विज्ञापन पोस्ट किया। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, विज्ञापन में कैंपस के अलग-अलग हिस्सों के सामने मौजूदा छात्रों की छह तस्वीरें दिखाई गई हैं, जो साइन बोर्ड पकड़े हुए हैं।

इनमें से दो तस्वीरों की सबसे ज्यादा आलोचना हो रही है। पहली तस्वीर में एक महिला तख्ती पकड़े हुए दिखाई दे रही है, जिस पर लिखा था, क्या तुम मेरे साथ पुस्तकालय में सुबह से रात तक रहना चाहते हो? वहीं, दूसरी तस्वीर में लिखा था, क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारी साथी बनू? जबकि अन्य तस्वीरें, को लेकर कोई खास आपत्ती नहीं है। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति तख्ती पकड़े हुए खड़ा है, जिसमें कहा गया है, क्या आप एक ईमानदार, मेहनती और महत्वाकांक्षी एनजेयू छात्र बनना चाहते हैं? विज्ञापन वीवो पर शेयर करने के बाद से ही इसकी आलोचना हो रही है। एक यूजर ने लिखा, एक शीर्ष विश्वविद्यालय के रूप में, आपको लोगों को लुभाने के लिए लड़कों और महिलाओं का उपयोग करने के बजाय अपने संसाधनों और अपने शिक्षाविदों की गुणवत्ता के आधार पर भर्ती करनी चाहिए।आलोचना मिलने के बाद एनजेयू ने विज्ञापनों को हटा दिया।

शिनजियांग में उइगरों का धीमा नरसंहारकर रहा चीन, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए मानता है खतरा

बीजिंग । नए प्रकाशित शोध ने इस बात के पुख्ता सबूत दिए हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानने के कारण चीन, उइगर आबादी का धीमा नरसंहार कर रहा है। चाइना स्टडीज के एक वरिष्ठ साथी एड्रियन जेंज और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक कानून में विशेषज्ञता वाले वकील एरिन रोसेनबर्ग ने विदेश नीति के लिए लिखा है उइगरों में जन्मदर रोककर चीन इस समुदाय का नरसंहार कर रहा है। दुनिया के कम से कम पांच देशों की सरकारों का यही मानना है। चीनी शिक्षाविदों और अधिकारियों के प्रकाशित बयानों और रिपोर्टों के आधार पर सेंट्रल एशियन सर्वे में आने वाली रिपोर्ट में जेंज ने व्यापक और ध्यान आकर्षित करने वाले साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। इस रिपोर्ट का मूल संदेश यह है कि उइगर आबादी को चीन की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाला माना जाता है। चीन ने आतंकवाद निरोधी मुहिम के लिए उइगरों की जन्मदर को इस तरह नियंत्रित किया है कि 2040 तक सालाना 26 से 45 लाख बचों का ही जन्म होगा।

जी-7 बैठक से पहले 'कॉर्नवाल' में मुलाकात करेंगे जॉनसन और बाइडेन, अटलांटिक चार्टर पर बन सकती है सहमति

वॉशिंगटन, एजेंसी । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन गुरुवार को कॉर्नवाल में पहली बार मुलाकात करेंगे. यह मुलाकात जी-7 नेताओं के शिखर सम्मेलन से पहले हो रही है, जिसकी मेजबानी ब्रिटेन कर रहा है. 'डाउनिंग स्ट्रीट' ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच 'अटलांटिक चार्टर' को लेकर सहमति बन सकती है, जो युद्ध के बाद की दुनिया के लिए अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल और राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट द्वारा 1941 में दिए गए ऐतिहासिक संयुक्त बयान पर आधारित है.

मूल 'अटलांटिक चार्टर' में ऐतिहासिक समझौते शामिल थे, जिनसे संयुक्त राष्ट्र और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के गठन का मार्गप्रशस्त हुआ था. वहीं 2021 'अटलांटिक चार्टर' को उन मूल्यों को प्रतिध्वनित करने और नई साझेदारियों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें अमेरिका और ब्रिटेन के बीच विनिमय के लिए एक नया 'ट्रैवल टास्कफोर्स' शामिल है. जॉनसन ने कहा, 'चर्चिल और रूजवेल्ट को विनाशकारी युद्ध के बाद दुनिया को कैसे पटरी पर लाया जाए, इस सवाल का सामना करना पड़ा था.'

दोनों देशों के बीच होंगे समझौते- उन्होंने कहा, 'वहीं आज हमें बहुत ही अलग लेकिन कम डरावनी चुनौती से निपटना होगा. वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से कैसे बेहतर कल का निर्माण करें.' उन्होंने कहा, 'और जैसा हम करते आए हैं, ब्रिटेन और अमेरिका सबसे करीबी और सबसे बड़े सहयोगी हैं, जो विश्व के स्थिर और समृद्ध भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है . राष्ट्रपति बाइडेन और मैं गुरुवार को जो समझौते करेंगे, वे हमारे साझा मूल्यों और दृष्टिकोण पर आधारित होंगे और एक स्थायी वैश्विक सुधार की नींव रखेंगे.'

शुक्रवार को होगी जी-7 बैठक- उन्होंने कहा, '80 साल पहले अमेरिका के राष्ट्रपति और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बेहतर भविष्य का वादा करते हुए एकसाथ आए थे. आज हम भी वही करेंगे.' कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के प्रकोप के बाद पहली बार जी-7 के नेता कॉर्नवाल में शुक्रवार को बैठक करेंगे. अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन एक दिन पहले यानी बुधवार को ही ब्रिटेन पहुंचे हैं. वह अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर देश से बाहर आए हैं. उनका ये दौरा ब्रिटेन और यूरोप तक ही सीमित रहेगा.

बाइडेन के लिए दौरा इसलिए भी अहम है क्योंकि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे. ये मुलाकात ऐसे वक्त में होगी, जब चीन और रूस अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं.

रूस को दी गई चुनौती

पहले बाइडेन जी 7 बैठक में हिस्सा लेंगे, इसके बाद वह नाटो और यूरोपीय संघ के नेताओं से मिलेंगे. फिर आखिर में उनकी बातचीत रूस के राष्ट्रपति पुतिन से होगी. अपने आठ दिवसीय दौरे की शुरुआत से पहले बाइडेन ने कहा, 'हम रूस के साथ संघर्ष नहीं चाहते. हम एक स्थिर संबंध चाहते हैं. लेकिन मैं ये स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि अगर रूसी सरकार कुछ गलत करती है तो अमेरिका मजबूत तरीके से उसका जवाब देगा.'

तालिबान को ताकत देने के लिए पाक की मस्जिदों में होता है चंदा

पेशावर । आतंकवादी संगठनों का अभ्यारण्य बने पाकिस्तान में उनका आर्थिक नेटवर्क उजागर हुआ है। यहां पर तालिबान व अन्य आतंकी संगठनों को मस्जिदों के माध्यम से मोटा चंदा दिया जाता है। मस्जिदों में जनता के साथ ही ऐसे संगठन भी सहयोग करते हैं, जिनके विदेशों से तार जुड़े हुए हैं। आतंकियों के लिए मस्जिदों से चंदा मुहैया कराने की प्रथा लंबे समय से चल रही है। पाक के विपक्षी दल ने इस रहस्य से पर्दा हटाते हुए आतंकियों की मदद तुरंत बंद करने की सरकार से मांग की है। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान की विपक्षी पार्टी अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) ने कहा है कि सरकार की इन हरकतों के कारण ही पाक को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है और आतंकी फंडिंग के मामले में वह फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट से बाहर नहीं हो पा रहा है। एएनपी के पार्टी प्रवक्ता आइमल वली खान ने एक कार्यक्रम में कहा कि पाक में खून खराबे के लिए मस्जिदों से चंदा बंद होना चाहिए।

तहरीक ए तालिबान अफगानिस्तान को मान्यता देने की वकालत करने वाले कभी पख्तूनों के दोस्त नहीं हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना की वापसी के साथ ही आतंकवादी पाक के कुछ हिस्सों में फिर सक्रिय हो रहे हैं। इसके बाद भी सरकार उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। पाकिस्तान को अब पिछली गलतियों से सबक लेते हुए आतंकवाद को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए अपनी प्राथमिकताएं तय करनी चाहिए। ज्ञात हो कि अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने कहा था कि पाक के विभिन्न शहरों में तालिबान के शूरा चल रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में बाढ़ से बेकाबू हुए हालात, दो लाख से ज्यादा घरों की बिजली गई, तूफान के बाद से उफान पर हैं नदियां

वॉशिंगटन, एजेंसी । ऑस्ट्रेलिया में इस समय बाढ़ से हालात बेहद खराब हैं. यहां देश के दक्षिणपूर्वी हिस्से में तूफान और बाढ़ के कारण पेड़ उखड़ गए, लोग कारों और घरों में फंस गए. इसके साथ ही दो लाख से अधिक घरों की बत्ती गुल हो गई. मौसम विज्ञानी केविन पार्किन ने कहा कि विक्टोरिया राज्य और उसकी राजधानी मेलबर्न में बुधवार रात को 119 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली और 20 सेंटीमीटर तक बारिश हुई. किसी को गंभीर चोट आने की कोई खबर नहीं है.

राज्य आपात सेवा के प्रमुख अधिकारी टिम वीबुश ने कहा कि गुरुवार को भी तेज हवाओं के साथ बारिश हुई और नदियां उफान पर हैं. मेलबर्न के पूर्व में 220 घरों को खाली कराने का आदेश दिया गया है . अधिकारियों ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में 2008 के बाद से कभी इतनी प्रचंड हवाएं नहीं चली और ना ही इतनी बारिश हुई है. बाढ़, भूस्खलन और पेड़ गिरने के कारण प्रमुख सड़कों को बंद कर दिया गया है.

हजारों लोगों ने मदद के लिए किए फोन- बताया जा रहा है कि बिजली के तारों के गिरने से भी खतरा पैदा हो गया है. विक्टोरिया में 2,00,000 से अधिक घरों की बत्ती गुल हो गई है. आपात सेवाओं को मदद के लिए 5,000 से अधिक फोन आए हैं और इनमें से 3,500 फोन घरों पर पेड़ गिरने और लोगों के फंसने से संबंधित थे. पुलिस और राज्य एम्बुलेंस सेवा ने बताया कि 40 साल की उम्र के आसपास की एक महिला को अस्पताल ले जाया गया. उसके घर पर एक पेड़ गिरने से उसके सिर में चोट आई है.

न्यू साउथ वेल्स में भी बिजली गई

विक्टोरिया की उत्तरी सीमा पर ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य न्यू साउथ वेल्स में भी भारी हिमपात के कारण सैकड़ों घरों की बिजली आपूर्ति ठप्प हो गई. जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है. अभी भी राहत एवं बचाव कार्य जारी है. फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है. लोगों से कहा गया है कि वह अपने घर में ही रहें और बेवजह बाहर ना निकलें. हालात कब तक काबू होंने इसे लेकर अभी कुछ पता नहीं चल पा रहा है.

अफ्रीकी देश मोजाम्बिक में बंदूकधारियों का आतंक, दर्जनों बच्चों को किया अगवा, ज्यादातर लड़कियां शामिल

सोमालिया । अफ्रीका के ज्यादातर देशों में जारी हिंसा का सबसे ज्यादा खामियाजा महिलाएं और बच्चे भुगत रहे हैं. अब पूर्वी अफ्रीकी देश मोजाम्बिक से खबर आई है कि यहां दर्जनों बच्चों का अपहरण किया गया है. ये घटना बीते साल की है. इस बात की जानकारी इंटरनेशनल एनजीओ 'सेव द चिल्ड्रन' ने दी है. एनजीओ ने अपनी रिपोर्ट में बुधवार को कहा कि काबो डेलगाडो प्रांत में 'विद्रोही समूहों के लिए बच्चों का अपहरण करना एक नई और खतरनाक रणनीति बन गई है.'

इस प्रांत में बीते साढ़े तीन साल से भीषण लड़ाई चल रही है, जिसमें अभी तक करीब 3 हजार लोगों की मौत हो गई है. जबकि 7 लाख से अधिक लोगों को विस्थापित होना पड़ा है . जिनमें से ज्यादातर बच्चे शामिल हैं. अब 'सेव द चिल्ड्रन' ने कहा है कि कम से कम 51 बच्चे जिनमें से अधिकतर लड़कियां हैं, उन्हें बीते साल विद्रोही समूहों ने अगवा कर लिया था. लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि ये संख्या और अधिक हो सकती है. ये आंकड़े आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डाटा प्रोजेक्ट द्वारा एकत्रित किया गया है.

बच्चों के यौन शोषण का डर- ऐसा डर है कि अगवा किए गए इन बच्चों के साथ यौन शोषण हो सकता है, इनकी जल्दी शादी कराई जा सकती है और इनका लड़ाई के लिए इस्तेमाल हो सकता है. एनजीओ के मोजाम्बिक देश के निदेशक चांस ब्रिग्स का कहना है, 'अपहरण होना, अपहरण होते देखना, हमलों का सामना करना, सशस्त्र समूहों से भागने के लिए मजबूर होना- ये सब छोटे बच्चों और टीनेजर्स के लिए अत्यंत दर्दनाक घटनाएं हैं.' ये हमले अल-शबाब नाम का सशस्त्र समूह कर रहा है. जो इस प्रांत में अक्टूबर 2017 के बाद से हिंसक गतिविधियां तेज कर चुका है.

विद्रोही समूह के लड़ाके आईएसआईएल (आईएसआईएस) से जुड़े हुए हैं. जो शहरों में जाकर तोड़फोड़ करते हैं. समूह ने प्रमुख सड़कों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है, बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया है और नागरिकों का सिर तक कलम कर देता है .

एडमिशन के लिए चीनी यूनिवर्सिटी की 'फूहड़' चाल, एड में 'आकर्षक' लड़कियां दिखाकर लिखे भद्दे मैसेज, लोगों का फूटा गुस्सा

बीजिंग एजेंसी। चीन की प्रतिष्ठित नानजिंग यूनिवर्सिटी (एनजेयू) को लोगों की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है. उसपर आरोप है कि वह आवेदकों को लुभाने के लिए महिलाओं का इस्तेमाल कर रही है. इसके लिए यूनिवर्सिटी ऑनलाइन 'सेक्सिसस्ट' विज्ञापन पोस्ट कर रही है . दरअसल चीन के सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म वीबो पर यूनिवर्सिटी की तरफ से सोमवार को एक विज्ञापन पोस्ट किया गया था. ये देश की सबसे मुश्किल परीक्षा गाओकाओ से संबंधित है. जो कॉलेज में दाखिला लेने के लिए देना होता है. इसमें आकर्षक दिखने वाली महिलाओं की तस्वीरों का इस्तेमाल हुआ है.

हांगकांग के अखबार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, विज्ञापन में वर्तमान के छह छात्रों की तस्वीरें दिखाई गईं, जो कैंपस के अलग-अलग हिस्सों में खड़े हैं. इनमें से दो तस्वीरों का विरोध हो रहा है . एक तस्वीर में लड़की के हाथ में साइनबोर्ड है, जिसपर लिखा है, 'क्या आप लाइब्रेरी में मेरे साथ रहना चाहते हैं, सुबह से लेकर रात तक?' जबकि दूसरी वाली तस्वीर में लिखा है, 'क्या आप मुझे अपने यौवन का

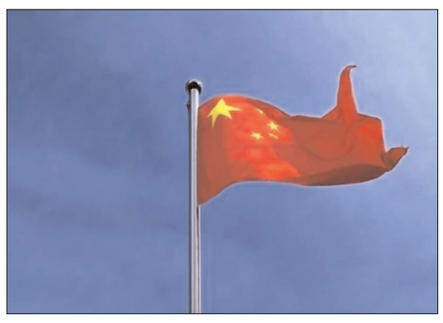

हिस्सा बनाना चाहते हैं?' ऐसे भद्दे संदेश दिए जाने से लोगों में काफी गुस्सा है.

क्या बोल रहे लोग- वहीं बाकी की तस्वीरें पुरुषों की हैं और उनके साइनबोर्ड पर इस तरह का कंटेट नहीं है. एक तस्वीर के साथ लिखा है, 'क्या आप एक ईमानदार, मेहनती और महत्वाकांक्षी एनजेयू छात्र बनना चाहते हैं?' ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है, बल्कि इससे पहले भी यूनिवर्सिटी के विज्ञापन विवादों में रहे हैं. सोशल मीडिया पर लोग इसे लेकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. एक यूजर ने कहा है, 'इस तस्वीर के साथ परेशानी ये है कि इसमें महिलाओं को ऐसे दिखाया गया है जैसे कि वह किसी की कोई चीज हों. ये महिलाएं एनजेयू गईं लेकिन वह अब किसी के यौवन का हिस्सा बन गई हैं?'

डिलीट किए गए विज्ञापन- एक अन्य सोशल मीडिया यूजर ने कहा है, 'एक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी होने के नाते आपको अपने संसाधनों और शिक्षाविदों की गुणवत्ता के आधार पर दाखिले करने चाहिए, इसके लिए लोगों को लुभाने हेतु हॉट लड़के और सुंदर दिखने वाली लड़कियों का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए.' हालांकि बाद में फिर एनजेयू ने इन विज्ञापनों को डिलीट कर दिया . इससे कुछ दिन पहले इसी यूनिवर्सिटी के छात्रों ने अपने प्रिंसिपस को भी अगवा कर लिया था.

इन्होंने यूनिवर्सिटी और स्वतंत्र संस्थानों के विलय की घोषणा के बाद डिग्री के कमतर होने के डर से ऐसा किया. जिसके बाद पुलिस एक्शन में कई छात्र घायल हो गए. हालांकि बाद में इस विलय को निलंबित किए जाने की घोषणा की गई थी.

आखिर किस वजह से प्रभावित हुआ है फिलीपींस का वैक्सीनेशन प्रोग्राम, कई सेंटर हुए बंद

मनीला । फिलीपींस का वैक्सीनेशन प्रोग्राम वैक्सीन की कमी की वजह से काफी हद तक प्रभावित हुआ है। सरकार के सामने वैक्सीन की कमी के अलावा इसकी सप्लाई में हो रही देरी भी एक बड़ी बाधा बन रही है। इसकी वजह से कई शहरों में वैक्सीनेशन सेंटर को बंद तक करना पड़ गया है। राष्ट्रपति के प्रवक्ता हैरी रॉक ने देश की जनता से सरकार की मजूरी को समझने की अपील की है।

उन्होंने कहा है कि आने वाले माह में फिलीपींस को वैक्सीन की अधिक सप्लाई होगी जिसके बाद सभी को वैक्सीन दी जा सकेगी। सरकार के वैक्सीनेशन प्रोग्राम के प्रमुख कार्लिटो गाल्वेज ने रेडियो पर बुधवार को कहा कि मई में फिलीपींस को करीब 70 लाख वैक्सीन की खुराक मिलनी थी लेकिन उसको केवल 45 लाख वैक्सीन की डोज ही हासिल हो सकी हैं।

फिलीपींस में वैक्सीन की ये कमी ऐसे समय में देखने को मिली है जब सरकार ने काम के लिए घर से बाहर निकलने वाले साढ़े तीन करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाने के लिए काम शुरू किया था। बता दें कि सरकार ने देश की आर्थिक हालत को सुधारने के मकसद से कोरोना पाबंदियों को काफी हद हटा लिया है। क्वजोन सिटी के मेयर जॉय बेल्मोंटे ने कहा कि उनको अपने शहर में बने वैक्सीनेशन सेंटर को जबरन बंद करना पड़ा है। इसकी वजह वैक्सीन की कमी और इसकी सप्लाई न होना है। उनका कहना था कि वैक्सीनेशन प्रोग्राम को युद्धस्तर पर चलाने के लिए 15 जगह पर वैक्सीन लगाने की सुविधा शुरू की गई थी, लेकिन वैक्सीन की कमी की वजह से कई साइट बंद हो गई हैं और अब केवल 8 पर ही वैक्सीन लगाई जा रही है। गौरतलब है कि ये शहर फिलीपींस का सबसे ज्यादा आबादी वाला शहर है। इसी तरह से मरिकिना शहर के 18 हजार लोगों को भी कोरोना वैक्सीन का बेसबी से इंतजार है। यहां के मेयर मर्सिलीनो टीयोडोरो ने बताया है कि वैक्सीन की सप्लाई में कमी टीकाकरण को सुचारू रूप से चलाने में सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है। उनके मुताबिक 20 लाख से अधिक फाइजर-बायोएनटेक की वैक्सीन गुरुवार को फिलीपींस आ जाएंगी।ये वैक्सीन विश्व स्वास्थ्य संगठन की कोवैक्स योजना के तहत मिल रही हैं। लेकिन ये वैक्सीन केवल सीनियर सिटीजन और ऐसे मरीजों को दी जाएंगी जिनकी हालत सही नहीं है। आपको बता दें कि फिलीपींस को सवा करोड़ से अधिक वैक्सीन की खुराक मिलेंगी। इनमें से सबसे अधिक चीन से और ग्लोबल वैक्सीन शेयरिंग स्कीम के तहत दी जाएंगी। सरकार की योजना इस वर्ष तक 7 करोड़ लोगों को वैक्सीन देने की है।

नेपाल सुप्रीम कोर्ट आदेश- अब नहीं बदली जाएगी पीठ की संरचना, 23 जून से रोजाना सुनवाई

काठमांडू । नेपाल की सर्वोच न्यायालय की एक संवैधानिक पीठ ने प्रतिनिधि सभा को भंग करने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए इसकी संरचना पर किसी भी तरह की बहस पर विचार करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा उठाए गए मुद्दे गंभीर सार्वजनिक चिंता का विषय हैं और इसे जल्द निपटाने की जरूरत है। राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी द्वारा प्रतिनिधि सभा को भंग करने के खिलाफ 30 रिट याचिकाएं दायर की गई है। राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सिफारिश पर 22 मई को पांच महीने में दूसरी बार सदन भंग किया था और 12 नवंबर और 19 नवंबर को मध्यावधि चुनाव की घोषणा की थी। सदन में विश्वास मत हारने के बाद प्रधानमंत्री ओली अल्पमत में है। मुख्य न्यायाधीश चोलेंद्र शमशेर राणा ने 28 मई को मामलों की सुनवाई के लिए बेंच का गठन किया था, लेकिन बेंच में जस्टिस तेज बहादुर केसी और बाम कुमार श्रेष्ठ की उपस्थिति के बारे में सवाल पूछे जाने के बाद सुनवाई स्थगित कर दी गई थी। प्रधान न्यायाधीश राणा ने रविवार को उनकी वरिष्ठता के आधार पर न्यायाधीशों को शामिल करते हुए पीठ का पुनर्गठन किया। नई बेंच में जस्टिस दीपक कुमार कार्की, मीरा खडका, ईश्वर खातीवाड़ा और आनंद मोहन भट्टराई सदस्य हैं। इसके बाद अटॉर्नी जनरल रमेश बादल सहित प्रधानमंत्री ओली का बचाव करने वालों ने जस्टिस कार्की और भट्टराई की उपस्थिति पर सवाल उठाया, जिससे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई में देरी हुई। काठमांडू पोस्ट ने गुरुवार को बताया कि पीठ ने बुधवार को कड़ा रुख अपनाया और अपनी रचना पर किसी भी तरह की बहस पर विचार करने से इनकार कर दिया।

किम जोंग उन का घटा वजन तो सेहत पर उठे सवाल, क्या किसी गंभीर बीमारी की चपेट में आया 'सनकी तानाशाह'?

वाशिंगटन , एजेंसी । उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन इस सप्ताह एक बार फिर लोगों के बीच नजर आए. लेकिन हर बार की तरह इस बार भी किम की सेहत को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है. दरअसल, एक महीने के बाद दुनिया के सामने आए किम का वजन काफी कम नजर आया. किम जोंग उन पहले के मुकाबले काफी पतले नजर आए. तानाशाह को लेकर माना जा रहा है कि वह लंबे समय से किसी बीमारी से ग्रस्त है. यही वजह है कि किम का वजन तेजी से घट रहा है.

साथ ही बीमारी की वजह से किम हमेशा लोगों के बीच से गायब हो जा रहे हैं.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, किम के करीबी लोगों का दावा है कि हाल के दिनों में तानाशाह ने अपना वजन काफी कम किया है. किम कि नवंबर-दिसंबर 2020 की तस्वीरों को जब अप्रैल और जून 2021 की तस्वीरों से तुलना किया गया तो पता चला कि तानाशाह पहले से पतला हो गया है. किम की तस्वीरों का बारिकी से विश्लेषण करने वालों ने बताया कि उसकी स्विस घड़ी के स्ट्रैप की लंबाई बकल तक पहुंच गई है. इससे ये पता चलता है कि किम की कलाई पहले से पतली हुई है. माना जा रहा है कि अगर किम ने खुद से वजन कम किया है तो ये अच्छी बात है, लेकिन किसी बीमारी से वजन कम होना खतरी के घंटी हो सकती है.

बहन को डिप्टी रोल देने के बाद उठे सेहत को लेकर सवाल

इस तरह उत्तर कोरिया के 'सुप्रीम लीडर' के स्वास्थ्य को लेकर एक बार फिर अटकलें लगाई जाने लगी हैं. लंबे समय तक लोगों के बीच गायब होने पर माना गया कि किम किसी बड़ी बीमारी से ग्रस्त हैं. किम की मौत की झूठी अफवाहें भी फैलने लगी थीं. हालांकि, आधिकारिक रूप से किम के गायब होने को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई. वहीं, जब किम ने अपनी बहन किम यो जोंग को डिप्टी का रोल दिया तो ये माना जाने लगा कि उसे अगले शासक के तौर पर तैयार किया जा रहा है. बता दें कि किम जोंग उन के तीन बच्चे हैं, लेकिन अगर किम की मौत होती है तो इनमें से एक भी देश संभालने की स्थिति में नहीं है.

किम को दिल संबंधी बीमारी होने का दावा! -इससे पहले, विशेषज्ञों ने बताया कि किम जोंग उन को दिल संबंधी कोई बीमारी है. ऐसा इसलिए क्योंकि किम जोंग उन के परिवार का दिल संबंधी बीमारियों का लंबा इतिहास रहा है. नवंबर 2020 में दक्षिण कोरियाई सांसदों ने जानकारी दी थी कि उत्तर कोरिया के तानाशाह का वजन लगभग 140 किलोग्राम है. इसी दौरान किम जोंग उन 20 दिनों के लिए गायब हो गए. उन्होंने अपने दादा के जन्मदिन को भी मिस किया. ये एक ऐसा अवसर था, जिसे वह कभी मिस नहीं करते हैं. बता दें कि जब भी किम जोंग उन लोगों के बीच से गायब होते हैं तो उनके मारे जाने की झूठी खबरें तेजी से सर्कुलेट होने लगती हैं.

कोविड की तीसरी लहर के लिए दिल्ली में तैयारियां तेज, लग रहे ऑक्सीजन स्टोरेज और जनरेशन प्लांट

नई दिल्ली । देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज (गुरुवार को) एक ऑक्सीजन स्टोरेज और ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट का दौरा किया. ये प्लांट दिल्ली के समयपुर बादली के लिबासपुर गांव में तैयार किया जा रहा है. इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार कोरोना की तीसरी लहर के लिए ये तैयारियां कर रही है, कोशिश की जा रहा है कि इस बार ऑक्सीजन की कमी न झेलनी पड़े.

तीसरी लहर के मद्देनजर दिल्ली में तैयारियां तेज- सीएम केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, भविष्य की तैयारियों को लेकर आज सिरसपुर स्थित ऑक्सीजन स्टोरेज सेंटर का दौरा किया. यहां 57 मीट्रिक टन ऑक्सीजन भंडारण क्षमता का क्रायोजेनिक टैंक लगाया जा रहा है, साथ ही यहां 12.5 टन प्रतिदिन की उत्पादन क्षमता वाला ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट भी बना रहे हैं. दिल्ली की तैयारियां जारी है.

सीएम केजरीवाल ने ट्वीट कर ये कहा- मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अगले ट्वीट में लिखा, हम पहले ही 57 मीट्रिक टन क्षमता के 3 प्लांट लगा चुके हैं. इनकी कुल क्षमता 171 मीट्रिक टन है. युद्ध स्तर पर काम किया गया. मैं उन सभी का आभारी हूं जिन्होंने ये मुमकिन किया. उन्होंने आगे कहा कि 57 टन का ऑक्सीजन टैंक बना है. एक ऐसा प्लांट डीडीयू अस्पताल और एक बाबा साहब अंबेडकर अस्पताल में लगाया गया है, यहां ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट भी बनाए जा रहे हैं. एक-दो दिन में 19 प्लांट का उद्घाटन हम कर देंगे.

अभी पूरी दिल्ली में ऑक्सीजन जनरेशन और ऑक्सीजन स्टोरेज की कैपेसिटी जनरेट की जा रही है. अब हम टैंकर्स भी लेकर आ रहे हैं. सीएम केजरीवाल ने कहा कि ऑक्सीजन स्टोरेज प्लांट लगाया गया है, जिसकी क्षमता 57 मीट्रिक टन ऑक्सीजन स्टोर करने की है.

वहीं इसके पास ही एक ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट भी तैयार किया जा रहा है जो रोजाना करीब साढ़े 12 टन ऑक्सीजन जनरेट कर सकेगा यानी इसकी मदद से रोजाना 1400 जम्बो सिलिंडर रिफिल किए जा सकेंगे.

भारतीय युवा कांग्रेस ने नई दिल्ली में IYC कार्यालय में पीएम नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं को साइकिल भेजकर पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

संक्षिप्त खबर

भाजपा की राजनीति का उद्देश्य मानव सेवा है : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के आह्वान पर प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ता सेवा ही संगठन अभियान के तहत जरूरतमंद लोगों की मदद करने में जुटे हैं। भाजपा की राजनीति का उद्देश्य ही मानव सेवा है और हम इस कार्य में तत्परता से जुटे हुए हैं। यह कठिन दौर है और इसमें हमें एक दूसरे का जरूर साथ देना चाहिए। ये बातें गुरुद्वारा सिंह सभा जे जे कालोनी उत्तम नगर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कही। सेवा ही संगठन अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन भाजपा के वरिष्ठ नेता और जम्मू व कश्मीर के सह प्रभारी आशीष सूद की ओर से किया गया था। जनकपुरी विधानसभा क्षेत्र में चार जगहों पर आयोजित इस कार्यक्रम में करीब एक हजार लोगों को राशन किट दिये गये। आदेश गुप्ता ने कहा कि कोरोना संकट के दौरान हमारे कार्यकर्ताओं ने लोगों को आक्सीजन उपलब्ध कराया। होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों को आक्सीमीटर, आक्सीजन कंसंट्रेटर व दवाइयां उपलब्ध कराई। साथ ही भोजन की दिक्कत नहीं हो इसके लिए अस्पतालों के बाहर खाना भी उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने दिल की पुलिस की तरह कार्य किया वहीं निगम कर्मचारियों ने भी अपनी जान की परवाह किए बगैर दिनरात कार्य में जुटे रहे। इसी तरह हमारे भाजपा कार्यकर्ता भी जरूरतमंद लोगों की मदद करने में जुटे रहे। उन्होंने कहा कि जनकपुरी विधानसभा क्षेत्र में आशीष सूद की ओर से लोगों को मदद पहुंचाने का कार्य पिछले एक महीने से किया जा रहा है। हमारा एक ही उद्देश्य है लोगों की सेवा करना। भाजपा के वरिष्ठ नेता आशीष सूद ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का पालन करते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि भले ही अनलाक हो गया है लेकिन अभी भी कई लोग परेशानी से जूझ रहे हैं। ऐसे में इन लोगों की मदद करने के लिए हमें आगे आने की जरूरत है। इसी को देखते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आनेवाले समय में भी इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

12 साल के लड़के ने चार साल की मासूम बच्ची से किया रेप, पुलिस पर परिजनों ने लगाया कार्रवाई न करने का आरोप

नोएडा । नोएडा के सर्फाबाद गांव में बारह वर्षीय एक किशोर पर पड़ोस में रहने वाली चार साल की एक बच्ची के साथ बलात्कार करने का आरोप है. मामले की शिकायत बच्ची के परिजनों ने बीती रात को पुलिस से की है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि बच्ची के अभिभावकों ने मंगलवार की रात शिकायत दर्ज कराई है कि पड़ोस में रहने वाले 12 वर्षीय किशोर ने चार जून को बच्ची से बलात्कार किया. बच्ची के परिजनों का आरोप है कि घटना वाले दिन उन्होंने पुलिस को सूचना दी, लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की.

पुलिस ने कहा- परिजनों ने देर से की शिकायत- सूत्रों के अनुसार, बीती रात को बच्ची के परिजनों ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से मामले की शिकायत की. पुलिस मामले की जांच कर रही है. इस बाबत पूछने पर सहायक पुलिस आयुक्त श्याम जीत सिंह ने बताया कि बच्ची के परिजनों ने मामले की शिकायत देर से की है. उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है जिसके बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी.

अमेरिकी टेक्नोलॉजी बेस्ड स्मॉग टॉवर दिल्ली की हवा को बनाएगा शुद्ध, 15 अगस्त तक पूरा होगा काम!

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का लेवल एक बार फिर बिगड़ता नजर आ रहा है. इसको लेकर दिल्ली सरकार अभी से गंभीर हो गई है. वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार कनॉट प्लेस में लगाए जा रहे स्मॉग टावर के काम को जल्द से जल्द पूरा कराने की कोशिश में है. प्रदूषित हवा को शुद्ध करने के लिए 20 करोड़ रुपए की लागत से लगाए जा रहे देश के पहले स्मॉग टॉवर का काम 15 अगस्त तक पूरा हो जाएगा. विशेषज्ञों की ओर से इसके परिणामों का अध्ययन किया जाएगा. स्मॉग टॉवर ऊपर से प्रदूषित हवा को खींचेगा और हवा को शुद्ध कर 10 मीटर की ऊंचाई पर छोड़ेगा. दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बाबा खड़ग सिंह मार्ग स्थित कनॉट प्लेस में स्थापित किए जा रहे इस स्मॉग टॉवर का आज दौरा कर जायजा भी लिया. पर्यावरण मंत्री ने कहा कि स्मॉग टावर को बनाने में डीपीसीसी के साथ आईआईटी मुम्बई, एनबीसीसी और टाटा प्रोजेक्ट संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं. यह पहला पायलट प्रोजेक्ट सफल रहता है, तो दिल्ली में इस तरह के और भी स्मॉग टावर लगाए जाएंगे. राय ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली के अंदर प्रदूषण के खिलाफ 10 सूत्रीय एक्शन प्लान को लेकर युद्ध स्तर पर काम हो रहा है. इसमें एंटी डस्ट कैंपेन, वाहन प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी, दिल्ली के अंदर इलेक्ट्रिक बसों को लाने का अभियान आदि शामिल है. इसी तरह, पराली की समस्या से निपटने के लिए बायो डीकंपोजर का इस्तेमाल और दिल्ली के अंदर प्रदूषित ईंधन को बदलने का काम चल रहा है. साथ ही, दिल्ली के अंदर बड़े स्तर पर वृक्षारोपण किया जा रहा है. इस तरह, दिल्ली सरकार प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली में लगातार काम कर रही है. पर्यावरण मंत्री ने कहा कि कोरोना काल की वजह से स्मॉग टावर के निर्माण कार्य में थोड़ी गति धीमी हुई थी.

लेकिन अब इसके कार्य को गति दी जा रही है. दिल्ली के अंदर अगर यह पहला पायलट प्रोजेक्ट सफल होता है, तो इस तरह के स्मॉग टावर दिल्ली के अंदर और जगहों पर भी लगाए जाएंगे. करीब 20 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे? इस स्मॉग टावर की ऊंचाई लगभग 25 मीटर है और 40×40 वर्ग मीटर इसकी चारों तरफ की परिधि होगी. यह स्मॉग टावर प्रति सेकेंड एक हजार घन मीटर हवा को शुद्ध करके बाहर निकालेगा. राय ने कहा कि इस तरह का स्मॉग टावर दुनिया में चीन में लगाया गया है.

लेकिन चीन की तकनीक और हमारे इस स्मॉग टावर की तकनीक में थोड़ा फर्क है. हम जो स्मॉग टावर लगा रहे हैं, इसमें अमेरिकी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है. चीन में जो स्मॉग टावर लगा है, वह नीचे से हवा खींचता है और ऊपर से छोड़ता है. जबकि हम जो स्मॉग टावर लगा रहे हैं, उसमें हवा खींचने की प्रक्रिया उलट है. यह ऊपर से प्रदूषित हवा को खींचेगा और हवा को शुद्ध कर नीचे छोड़ेगा. इसमें चारों तरफ 40 पंखे लगे हैं, जो वायु को शुद्ध कर 10 मीटर की ऊंचाई पर छोड़ेंगे. अनुमान है कि इसका एक वर्ग किलोमीटर तक प्रभाव वह रहेगा, जिससे हवा के अंदर जो पीएम-2.5 और पीएम-10 यानी जो प्रदूषित हवा है, उसको साफ किया जा सकता है. दिल्ली सरकार का काफी बड़ा प्रोजेक्ट है. हमें उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट सफल होगा. कोशिश है कि 15 अगस्त तक इसको लगा देंगे और 15 अगस्त के बाद इसको चालू करेंगे.

तिहाड़ जेल से आया आईएसआईएस के आतंकी का वीडियो, किया जय श्री राम नारा न लगाने पर मारपीट का दावा

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली के तिहाड़ जेल में एक आतंकी केस में बंद एक कैदी ने वीडियो जारी करके दावा किया है कि उसे जेल में जय श्री राम का नारा लगाने के लिए मजबूर किया गया और मना करने पर उसकी जमकर पिटाई की गई.

आतंकी के दावे पर जेल की सफाई- इस वीडियो पर तिहाड़ जेल के DG का कहना है यह वीडियो जेल के अंदर कल (बुधवार को) बनाया गया है.

वीडियो बनाने वाला शख्स एक कैदी है और आईएसआईएस का आतंकी है. उसका नाम राशिद जफर है. वीडियो में आतंकी जो आरोप लगा रहा है वो सरासर गलत हैं. आतंकी ने खुद को चोट पहुंचाई है. यह आतंकी जेल नंबर 8 में बंद है. इस मामले की जांच करवाई जा रही है कि आतंकी के पास मोबाइल फोन कैसे पहुंचा?

वीडियो में आतंकी ने लगाए ये आरोप- रशीद ने वीडियो में दावा किया है कि उसे सिपाही और जेल वार्डन ने मारा है. वो आतंकी केस में बंद है इसीलिए उसे मारा गया है. उससे जय श्री राम के नारे लगाने के लिए कहा गया. मना करने पर उसे डंडों से मारा गया. बता दें कि आतंकी राशिद के वकीलों ने कोर्ट में इस आरोप को लेकर अर्जी दायर की है.

जेल अधिकारियों ने कैदी के आरोपों को सिरे से खारिज किया है. उनका कहना है वह एक बैरक से दूसरे बैरक में जाना चाह रहा था जो कि अवैध है. कैदी के पास एक सेल फोन बरामद हुआ है, जेल के अधिकारी पूरे मामले की जांच कर रहे हैं.

आईएसआईएस के मॉड्यूल से जुड़ा था राशिद- जान लें कि आतंकी राशिद जफर को दिसंबर 2018 में NIA ने दिल्ली के जाफराबाद इलाके से गिरफ्तार किया था.

राशिद आईएसआईएस के मॉड्यूल हरकत उल हर्ब ए इस्लाम से जुड़ा था, जो दिल्ली और आसपास रहने वाले नेताओं और सरकारी इमारतों पर हमले की योजना बना रहा था.

दिल्ली के सभी पेट्रोल पंपों पर आज को विरोध प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों के खिलाफ विरोध जताने के लिए प्रदेश कांग्रेस शुक्रवार को राजधानी के सभी पेट्रोल पम्पों पर प्रदर्शन करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी ने बुधवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ वर्चुअल बैठक की। इस बैठक में दिल्ली प्रभारी शक्ति सिन्ह गोहिल, कांग्रेस महासचिव अजय माकन, सचिव इमरान मसूद, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चौपड़ा, पूर्व सांसद रमेश कुमार, कृष्णा तीरथ, उदित राज सहित पूर्व विधायकों ने भी अपने सुझाव दिए। बैठक में आज के संकट काल में कोविड महामारी, लोगों को मुफ्त वैक्सीनेशन, बढ़ती

मंहगाई, पेट्रोल व डीजल के दामों में लगातार हो रही वृद्धि, एक्साईज ड्यूटी व वैट के अधिकतम फीसद गैस सिलेंडर, न्याय योजना, सफाई कर्मचारियों के हक की लड़ाई आदि विषयों पर केजरीवाल की असफलता उजागर करने के लिए सभी ने अपने सुझाव दिए। अनिल चौधरी ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान बढ़ती मंहगाई, वैट और एक्साईज ड्यूटी में अत्यधिक बढ़ौत्तरी के खिलाफ विरोध जताया जाएगा। इस दौरान सभी पेट्रोल पंपों पर प्रदर्शन होगा। गौरतलब है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बृहस्पतिवार को कोई इजाफा नहीं हुआ है। दोनों के दामों में स्थिरता दर्ज की गई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने बृहस्पतिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया है। एक दिन पहले बुधवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 25 पैसे प्रति लीटर और डीजल 25 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया था।

गर्मी से परेशान दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए अच्छी खबर

नई दिल्ली । जेठ के महीने में आग उगलता सूरज और उमस दोनों ही दिल्ली वासियों के लिए परेशानी का सबब बन रहे हैं। अब तो दिन के साथ-साथ रातें और सुबह भी गर्म होने लगी हैं। बृहस्पतिवार सुबह से ही दिल्ली-एनसीआर के मौसम में उमस और गर्मी है। सुबह दफ्तरों के लिए घरों से निकले लोग पसीने से तर नजर आए। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में इन दिनों कम दबाव वाला क्षेत्र बन रहा है। इसका असर शनिवार से अगले तीन दिनों में दिल्ली-एनसीआर में बारिश के रूप में देखने को मिल सकता है। दिल्ली में 12 से 14 जून तक बारिश के आसार बने हुए हैं। कुलदीप श्रीवास्तव के मुताबिक, यह पहली बार है जब 2014 के बाद से अब तक एक भी बार जून में लू नहीं चली है। संभावना है कि आगे भी लू नहीं चलेगी।

बुधवार को न्यूनतम तापमान 31 के आंकड़े को भी पार कर गया, जो इस सीजन का सर्वाधिक है। अगले 24 घंटों में भी शुष्क मौसम की वजह से दिल्ली- एनसीआर वासियों को तपती गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।दिल्ली ही नहीं, समूचे

एनसीआर में गर्मी का सितम बढ़ रहा है। दिन के हालात ऐसे हैं कि अनलाक होने के बावजूद सड़कों पर बहुत भीड़ नहीं होती। बुधवार को भी पारा चढ़े रहने से दिनभर लोगों का बुरा हाल रहा। शाम को सूरज ढलने के बाद भी लोगों को राहत नहीं मिली। शुष्क मौसम व गर्म हवाओं के कारण लोगों की मुसीबतें बढ़ी रही।

मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को राजधानी में अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 42.2 व न्यूनतम तापमान सामान्य से चार अधिक 31.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पीतमपुरा इलाका 44.3 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म इलाका दर्ज किया गया। इसके अलावा पालम में 42.1, लोदी रोड में 42 और मुंगेशपुर में 43.7 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 29 से 57 फीसद दर्ज हुआ।

बहुत खराब श्रेणी में पहुंची दिल्ली-एनसीआर की हवा- दिल्ली में गर्मी के साथ-साथ हवा की बिगड़ती दिशा ने भी लोगों की मुसीबतें बढ़ा रखी हैं। पिछले 24 घंटों में दिल्ली-एनसीआर की हवा बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई है। अगले 24 घंटों में भी हवा की स्थिति में सुधार नहीं होने की संभावना है। एनसीआर में केवल गुरुग्राम की हवा औसत श्रेणी में दर्ज हुई। अनलाक होते एनसीआर में वाहनों की बढ़ती संख्या भी दिन ब दिन हवा को प्रदूषित किर रही है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी एयर क्वालिटी बुलेटिन के मुताबिक बुधवार को दिल्ली का एयर इंडेक्स 305 दर्ज किया गया। फरीदाबाद का 280, गाजियाबाद का 300, गुरुग्राम का 182, ग्रेटर नोएडा 338 व नोएडा का 347 दर्ज किया गया। प्रादेशिक मौसम विभाग के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव के मुताबिक राजस्थान से आने वाली धूल भरी हवाएं दिल्ली के वातावरण को प्रदूषित कर रही हैं। इसका दौर आगामी शुक्रवार तक जारी रहेगा। आगामी 12 जून के आसपास होने वाली बारिश की संभावना को देखते हुए प्रदूषण के स्तर में कमी आ सकती है।

बाबा का ढाबा के मालिक की दास्तां, बताया- कहां गए दान में मिले 45 लाख रुपये

नई दिल्ली । सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद फेमस हुए बाबा का ढाबा के मालिक कांता प्रसाद एक बार फिर चर्चा में हैं, क्योंकि भारी नुकसान के बाद वह अपना नया रेस्टोरेंट बंद कर एक बार फिर दिल्ली के मालवीय नगर स्थित ढाबे पर आ गए हैं. पिछले साल वीडियो वायरल होने के बाद उन्हें लाखों रुपये की मदद मिली थी, लेकिन अब लोग सवाल उठा रहे हैं कि वो पैसे कहां गए.

कांता प्रसाद को कितने पैसे मिले थे- बाबा का ढाबा के मालिक कांता प्रसाद ने बताया, मुझे पहले पता नहीं था कि मेरे खाते में कुल कितने पैसे आए हैं. अखबार के जरिए से पता चला कि करीब 45 लाख रुपये आए हैं. पहले यह 39 लाख था, फिर 45 लाख हुआ.

कांता प्रसाद ने कहां खर्च किए पैसे- रिपोर्ट के अनुसार, आर्थिक मदद मिलने के बाद कांता प्रसाद ने पिछले साल दिसंबर में एक नया रेस्टोरेंट खोला, जिसके लिए उन्होंने करीब 5 लाख रुपये निवेश किए थे. इसके अलावा उन्होंने अपने घर में एक नई मंजिल बनावाया, अपना पुराना कर्ज चुकाया, खुद के लिए और अपने बचों के लिए स्मार्टफोन खरीदे. इसके अलावा रेस्टोरेंट में हो रहे नुकसान पर भी पैसे खर्च किए.

रेस्टोरेंट में हर महीने हो रहा था हजारों का नुकसान- बाबा का ढाबा के मालिक कांता प्रसाद का नया रेस्टोरेंट भारी नुकसान के बाद फरवरी में बंद हो गया है. रेस्टोरेंट का मासिक खर्च लगभग 1 लाख रुपये था, जबकि औसत मासिक बिक्री कभी 40,000 रुपये से अधिक नहीं हुई. कांता प्रसाद के खर्चे में 35000 रुपये रेस्टोरेंट का किराया, 36000 रुपये तीन कर्मचारियों की सैलरी और 15 हजार रुपये राशन, बिजली और पानी के लिए शामिल है. रेस्टोरेंट पर धीरे-धीरे ग्राहकों का आना कम होता गया और रेस्टोरेंट का खर्चा बढ़ने लगा. इसके बाद बाबा को अपना रेस्टोरेंट बंद करना पड़ा.

कांता प्रसाद के पास अब कितने पैसे बचे हैं, इसको लेकर उन्होंने बताया, मेरे पास सिर्फ 19 लाख रुपये बचे हैं. उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि नया रेस्टोरेंट खोलने की गलत सलाह दी गई थी और भारी नुकसान का सामना करना पड़ा. अब बचे हुए पैसों को सुरक्षित भविष्य के लिए रखा है.

रातों-रात चर्च में आ गए थे कांता प्रसाद

बता दें कि पिछले साल यूट्यूबर गौरव वासन ने एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें बाबा का ढाबा के मालिक कांता प्रसाद और बादामी देवी का एक वीडियो शेयर किया था. इसके बाद उनकी किस्मत बदल गई थी और ढाबे पर खाने वालों की लाइन लग गई थी. इसके अलावा बड़ी संख्या में लोग उनकी मदद के लिए सामने आए थे. हालांकि इसके बाद उन्होंने यूट्यूबर पर धोखाधड़ी का आरोप भी लगाया था.

क्या गौरव वासन से अब भी उन्हें कोई शिकायत है? इस सवाल पर कांता प्रसाद ने कहा, गौरव ने हमारी मदद की और उनके बारे में ऐसा कैसे कह सकते हैं कि उसने हमारे साथ धोखाधड़ी की. हमको बरगलाया गया था और कागज पर दस्तखत करवा लिए गए थे. हम तो बस ये जानना चाह रहे थे कि अकाउंट में कितना पैसा आया है.

किसान आंदोलनः हजारों किसानों का दिल्ली की तरफ कूच, पुलिस अलर्ट पर

नई दिल्ली । राजधानी के बॉर्डर पर किसान धरने पर बैठे हैं और इनके समर्थन में हजारों की संख्या में किसान पानीपत से दिल्ली की तरफ बढ़ गए हैं. किसान नेता गुरनाम सिंह ने किसानों से 10 जून को दिल्ली चलो का आह्वान किया था, जिसके बाद दिल्ली पुलिस को इंटेलिजेंस इनपुट मिला कि किसान दिल्ली में भी घुसने की कोशिश कर सकते हैं.

स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट पर पुलिस- लिहाजा पुलिस ने अपनी फोर्स को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट रहने को बोला है. दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, किसानों ने एक कॉल किया था कि वो 10 जून को दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर पहुंचेंगे और महीनों से चले आ रहे किसान आंदोलन का हिस्सा बनेंगे.

किसानों के द्वारा जब भी दिल्ली की तरफ कुछ करने का आह्वान किया जाता है एहतियातन पुलिस को अलर्ट कर दिया जाता है क्योंकि, पुलिस अभी तक 26 जनवरी की हिंसा नहीं भूली है.

जिस तरह 26 जनवरी को ट्रैक्टर परेड की अनुमति मिलने के बाद किसानों ने अपना वादा तोड़ा, दिल्ली के भीतर घुस आए और जमकर हिंसा की. इस घटना के बाद दिल्ली पुलिस ने कई एफआईआर दर्ज कर काफी लोगों को गिरफ्तार किया था.

किसान संगठनों ने कही ये बात- पुलिस के बड़े अधिकारी ने बताया कि किसान अपने आंदोलन को जिंदा रखने और पहले से धरने पर बैठे किसानों को कुछ समय के लिए वापस अपने घर भेजने के मकसद से भी इस तरह कूच करते हैं. ताकि समय समय पर किसान प्रदर्शन स्थल पर बैठे रहे, अगर कुछ किसान अपने घर जाते हैं, तो उनकी गैर मौजूदगी में नए किसान बॉर्डर पर धरने पर बैठ जाते हैं. इस तरह दिल्ली बॉर्डर पर किसानों की संख्या में कभी कमी नहीं हो पाती.

2021 की शुरुआत ही नहीं, बल्कि वसंत ऋतु भी खासी प्रदूषित रही

नई दिल्ली । 2021 की शुरुआत ही नहीं, बल्कि वसंत ऋतु भी खासी प्रदूषित रही है। वर्ष के शुरुआती तीन माह 2019 के बाद से सर्वाधिक प्रदूषित रहे। यह सामने आया है सेंटर फार साइंस एंड एन्वायरनमेंट (सीएसई) के एक अध्ययन में। यह अध्ययन बताता है कि इस बार के लॉकडाउन ने दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता में सुधार तो किया है, लेकिन पिछले साल की तरह प्रभावी ढंग से नहीं। वजह, 2021 के प्रतिबंध छोटे और कम कड़े होना। इस साल दिल्ली में प्रतिबंध छह अप्रैल को Night Curfew और सप्ताहांत के लॉकडाउन के रूप में शुरू हुए, जिसमें 19 अप्रैल को पूर्ण लॉकडाउन लगाया गया था। आंशिक-लॉकडाउन लागू करने से पीएम 2.5 प्रदूषण स्तर 20 फीसद तक कम हो गया। पूर्ण लॉकडाउन ने इस औसत को 12

फीसद और नीचे ला दिया। दूसरी तरफ 2020 में आंशिक लॉकडाउन 12 मार्च को, 25 मार्च को पूर्ण लॉकडाउन के साथ शुरू हुआ, जिसे 18 मई से चरणबद्ध तरीके से हटा लिया गया। आंशिक लॉकडाउन पीएम 2.5 के स्तर को 20 फीसद तक नीचे लाया, लेकिन पूर्ण लॉकडाउन ने इसे 35 फीसद कम कर दिया।

18 मई से प्रतिबंध हटाने पर पीएम 2.5 के स्तर में 28 फीसद की वृद्धि हुई।सीएसई ने यह भी कहा कि 2020 और 2021 में लाकडाउन ग्रीष्मकाल 2019 की गर्मियों की तुलना में 25 से 40 फीसद स्वच्छ रहा है। 2021 के वसंत (जनवरी-मार्च) ने 2019 के बाद से सीजन के लिए उच्चतम प्रदूषण स्तर दर्ज किया है। आमतौर पर पीएम 2.5 के स्तर में एक बड़ी वजह मौसमी चक्र होता है। सर्दी सबसे अधिक प्रदूषित होती है और मानसून का मौसम सबसे साफ होता है। वसंत (जनवरी से मार्च) दो चरम सीमाओं के बीच एक संक्रमणकालीन अवधि के रूप में कार्य करता है।पीएम 2.5 के स्तर में एक महत्वपूर्ण गिरावट तब होती है जब मौसम गर्म होता है और वसंत के दौरान हवा तेज हो जाती है। 2018 की सर्दियों और 2019 के वसंत के बीच 26 फीसद की गिरावट आई थी।

बता दें कि 2020 में प्रदूषण नियंत्रण उपायों के कारण और मार्च 2020 में आंशिक लाकडाउन लागू होने के कारण यह गिरावट बढ़कर 36 फीसद हो गई। इस साल प्रदूषण जारी नहीं रहा, मौसमी गिरावट 18 फीसद तक सीमित रही। वास्तव में इस साल वसंत 2020 की तुलना में 31 फीसद और 2019 की तुलना में आठ फीसद अधिक प्रदूषण था। अध्ययन ने यह भी दिखाया कि इस फरवरी-मार्च में वायु गुणवत्ता के मामले में 27 दिन बहुत खराब श्रेणी वाले थे जबकि 2020 में 17 और 2019 में 12 दिन थे। वायु गुणवत्ता मानक को पूरा करने वाले दिनों ने भी इस वसंत ऋतु को केवल दो तक गिरा दिया। वर्ष 2020 में 16 और 2019 में छह दिन थे जब मानक पूरा हुआ।

मौसम विभाग के सभी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन आफलाइनझझदिल्ली में मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के आठ वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों (एक्यूएमएस) में से किसी ने भी पिछले दो महीनों में केंद्रीय सर्वर को डेटा नहीं दिया है। सीएसई के मुताबिक भले ही दिल्ली का निगरानी नेटवर्क 2020 के अंत तक 40 स्टेशनों तक बढ़ गया हो, लेकिन सक्रिय स्टेशनों की संख्या 32 रह गई है। वजह, मौसम विभाग के सभी स्टेशन ऑफलाइन हो गए हैं। बुराड़ी क्रॉसिंग पर आइएमडी का स्टेशन पिछले साल दिसंबर से आफलाइन है जबकि आयानगर, सीआरआरआइ मथुरा रोड, आइजीआइ एयरपोर्ट, लोधी रोड, नॉर्थ कैंपस डीयू और पूसा स्टेशन 10 मार्च को ऑफलाइन हो गए थे। सीएसई के मुताबिक आइएमडी के दो अन्य स्टेशन - ग्वाल पहाड़ी, गुरुग्राम और नोएडा सेक्टर 62 भी आफलाइन हो गए हैं। मालूम हो कि दिल्ली में 40 एक्यूएमएस में से 24 दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के हैं, छह सीपीसीबी के हैं और दो भारतीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे के हैं।

संपादकीय

सख्त तालाबंदी को मजबूर दक्षिण

रविवार को चेन्नई से दो चौंकाने वाली, लेकिन विपरीत तस्वीरें सामने आई, जिनसे कोरोना वायरस से निपटने को लेकर तमिलनाडु की दुविधा उजागर हो गई। एक लोकप्रिय अखबार की वेबसाइट ने एक तरफ सब्जी व किराना बाजार की तस्वीर दिखाई, जहां बड़ी संख्या में लोग खरीदारी करने जमा हुए थे, क्योंकि राज्य में सोमवार से एक सप्ताह के सख्त लॉकडाउन का एलान किया गया था। वहीं दूसरी तरफ, राजीव गांधी के नाम वाले शहर के एक प्रमुख सरकारी अस्पताल में टीकाकरण केंद्र पर एक भी व्यक्ति टीका लेने नहीं पहुंचा। तमिलनाडु में 'पॉजिटिविटी रेट' काफी ज्यादा 20 फीसदी है, जिसका अर्थ है कि जांच कराने वाले हर पांच व्यक्ति में से एक संक्रमित पाया जा रहा है। अनुमान है, अगले दो सप्ताह में यहां संक्रमण चरम पर पहुंच सकता है। इस प्रसार-चक्र को तोड़ने के लिए ही सूबे की सरकार ने चिकित्सा विशेषज्ञों की सलाह पर सख्त लॉकडाउन लगाने का फैसला किया है। हालांकि, यह वायरस का प्रसार तो धीमा कर देगा और अस्पतालों में बिस्तरों (खासकर ऑक्सीजन सुविधा वाले) की उपलब्धता भी बढ़ा देगा, लेकिन यह पुनः संक्रमण या नए संक्रमण को रोकने की गारंटी नहीं देगा। इसके लिए तो राज्य में तेज टीकाकरण अभियान चलाने की दरकार है, जो दुर्भाग्य से इस समय धीमा हो गया है। अब तक यहां की 10-11 फीसदी आबादी को ही टीका लग सका है। 18-44 आयु वर्ग वालों के लिए भी टीकाकरण शुरू करने के केंद्र के फैसले से राज्य पर भारी दबाव है। लिहाजा, राज्य सरकार ने 3.5 करोड़ खुराक के लिए 'ग्लोबल बिड' (वैश्विक निविदा) जारी की है। यहां 18-44 आयु वर्ग की 3.65 करोड़ आबादी है, जिसके 70 फीसदी हिस्से के टीकाकरण के लिए करीब 2.5 करोड़ खुराक की जरूरत है। दोनों खुराकों को जोड़ दें, तो राज्य को पांच करोड़ खुराक चाहिए। चूंकि केंद्र से 1.5 करोड़ खुराक मिलने की उम्मीद है, इसलिए शेष 3.5 करोड़ खुराक सीधे आयात करने का फैसला लिया गया है। चूंकि निविदा में किसी भी देश को प्रतिबंधित नहीं किया गया है, इसलिए चीन भी इसमें भाग ले सकता है। द्रमुक सरकार ने हाल ही में शासन संभाला है और उस पर दबाव ज्यादा है, क्योंकि बड़ी संख्या में नौजवानों ने टीकाकरण के लिए पंजीकरण कराया है और उसके पास सभी को देने के लिए टीके नहीं हैं। फिर भी, लोग बाजार में सामाजिक दूरी का उल्लंघन कर रहे हैं। इसीलिए राज्य सरकार ने मजबूर होकर कुछ होम डिलिवरी सुविधाओं को छोड़कर सभी दुकानों को बंद करने की घोषणा कर दी। पड़ोसी राज्य केरल में तो लॉकडाउन महीने के अंत तक बढ़ा दिया गया है। वहां 8 मई से सख्त तालाबंदी है। हालांकि, जिन चार जिलों में तेज संक्रमण के कारण 'ट्रिपल लॉकडाउन' लागू था, उनमें से तीन जिलों में राहत दी गई है। राज्य में पॉजिटिविटी रेट पहले 22 फीसदी के आसपास थी, उसमें मामूली कमी आई है, लेकिन चिंता की बात यह है कि महामारी के बाद से जो मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत (1.3 फीसदी) के मुकाबले बेहद कम 0.4 फीसदी थी, उसमें इजाफा होने का अंदेशा है। इससे प्रदेश सरकार और स्वास्थ्यकर्मी बहुत चिंतित हैं। तमिलनाडु की तरह केरल ने भी वैश्विक निविदा जारी की है। उसे तीन करोड़ टीके की जरूरत है। यहां 1.1 करोड़ से अधिक लोगों को टीका लग चुका है, जो देश के तमाम राज्यों में सर्वाधिक है। राज्य की आबादी 3.5 करोड़ है और यह अधिकाधिक लोगों का टीकाकरण करना चाहता है। यहां हर आयु वर्ग के लोग सरकारी अस्पतालों में मुफ्त में टीका ले सकते हैं। इसी तरह, कर्नाटक में संक्रमण की दर काफी ऊंची है। अन्य दो दक्षिणी राज्य- तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में, जो कभी ऊंची पॉजिटिविटी रेट की समस्या से जूझ रहे थे, संक्रमण के प्रसार में थोड़ी-बहुत कमी आई है। मगर ये तीनों सूबे टीकाकरण की धीमी रफ्तार से चिंतित हैं। इसीलिए जहां तमिलनाडु ने 3.5 करोड़ खुराक के लिए वैश्विक निविदाएं जारी की हैं, तो केरल ने तीन करोड़ खुराक के लिए और आंध्र व तेलंगाना ने एक-एक करोड़ खुराक के लिए वैश्विक बाजार का दरवाजा खटखटाया है। इन चारों गैर-भाजपा शासित राज्य सरकारों ने यह जानते हुए भी वैश्विक निविदाएं जारी की हैं कि वैश्विक बाजार में टीके की भारी कमी है और जितनी आपूर्ति हो रही है, मांग उससे कहीं ज्यादा है। उनको इसलिए ऐसा करना पड़ा, क्योंकि केंद्र सरकार अपनी 'मेक इन इंडिया' नीति से पीछे हट गई है और राज्यों को अपनी जरूरतों का एक हिस्सा खुद खरीदने को कहा है। नतीजतन, राज्य उन टीका-निर्माताओं के यहां दौड़ लगा रहे हैं, जिन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन या अमेरिका, यूरोप, ब्रिटेन, जापान जैसे देशों के नियामकों ने आपातकालीन उपयोग के लिए मान्यता दी है। राज्य सरकारें इसलिए भी वैश्विक निविदाएं जारी कर रही हैं, ताकि अपने-अपने प्रदेश की जनता को वे यह दिखा सकें कि इस मुश्किल वक्त में 'काफी कठिन प्रयास' कर रही हैं; वह भी तब, जब केंद्र ने 'अपने हाथ पीछे खींच' लिए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन ने घोषणा की थी कि मई से जुलाई के बीच टीके की 30 करोड़ खुराक उपलब्ध कराई जाएगी। इसकी आपूर्ति दो भारतीय कंपनियां- भारत बायोटेक और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया करेंगी। उन्होंने वादा किया था कि अन्य 216 करोड़ खुराकें अगस्त से दिसंबर के बीच मिलेंगी। माना जा रहा है कि देश को कोरोना वायरस की तीसरी लहर से बचाने के लिए अगले दो-तीन महीने में 51 करोड़ लोगों का टीकाकरण होना चाहिए। जिन्हें टीके की दोनों खुराकें मिल गई हैं, उन्हें शायद ही आईसीयू में भर्ती कराने की नौबत आती है। चूंकि 18 साल से कम उम्र वालों को अभी टीका नहीं लगेगा और अब तक देश में लगभग 13 करोड़ लोगों को टीका लग चुका है, इसलिए अन्य 51 करोड़ लोगों (यानी कुल 65 करोड़ लोग अंदाजन, जो कुल आबादी का 50 प्रतिशत हिस्सा होंगे) का टीकाकरण हमें तीसरी लहर से बचा सकता है। मगर बड़ा मसला है, टीकों को कम कीमत पर प्राप्त करना। चूंकि राज्य सरकारें, और मुंबई जैसी नगरपालिकाएं भी अपने स्तर पर निविदाएं जारी कर रही हैं, इसलिए टीके की कीमत और टीका पाने की प्रक्रिया, दोनों जटिल हो सकती हैं। उम्मीद बस यही है कि केंद्र जल्द ही इस मुश्किल से पार पाने का कोई रास्ता खोज निकालेगा।

प्रवीण कुमार सिंह

पारंपरिक बनाम एलोपैथ चिकित्सा पद्धति पर विवाद, सभी उपचार विधियों की अपनी महत्ता

कथित वैज्ञानिकता में कैसे-कैसे खेल होते हैं, इस पर जून 2016 में समाचार एजेंसी 'एपी' ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसके मुताबिक कैंडी निर्माताओं ने एक ऐसे अध्ययन को प्रायोजित किया था जो साबित करे कि जो बच्चे कैंडी नहीं खाते उनके मुकाबले कैंडी खाने वाले बच्चों में मोटापा कम होता है। आयुर्वेद बनाम एलोपैथी का विवाद कोरोना के इलाज के संदर्भ में बढ़ा है। लेकिन हमें एलोपैथी की सीमाओं को भी देखना चाहिए। कोरोना की पहली लहर के दौरान मलेरिया के इलाज में इस्तेमाल होने वाली हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्वीन के इस्तेमाल की 23 मई 2020 को स्वास्थ्य मंत्रालय ने अनुमति दी।

यह सही है कि कोरोना महामारी के इलाज में सबसे कारगर हथियार हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता ही सामने आई है, और इसे बढ़ाने में एलोपैथ के साथ साथ पारंपरिक उपचार पद्धतियों का उल्लेखनीय योगदान सामने आया है। ऐसे में कोरोना वायरस जनित संक्रमण के उपचार में कौन सी पद्धति कितनी कारगर रही, इस पर एलोपैथ के पैरोकारों और बाबा रामदेव के बीच किच-किच जारी है।

हालांकि स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन के दबाव में बाबा रामदेव ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से माफी मांग ली। लेकिन अगले ही दिन उन्होंने 25 सवालों की सूची जारी करके एक तरह से आइएमए को बचाव की मुद्रा में ला दिया है। टीवी चैनलों की बहस में आइएमए के कर्ता-धर्ता बाबा से भिड़ रहे हैं, लेकिन कोई भी बाबा के सवालों का जवाब नहीं दे पाया है।

अगर बाबा जोर देने लगते हैं तो बहस में शामिल डॉक्टर विज्ञानी नहीं होने की बुनियाद बताते हुए उन्हें खारिज करने की कोशिश करते हैं। परंतु इस पूरे विवाद ने देसी एवं पारंपरिक इलाज पद्धति बनाम एलोपैथी के बीच विवाद छेड़ दिया है। उल्लेखनीय है कि पत्रकारिता के छात्रों को सूचना के साम्राज्यवाद के बारे में पढ़ाया जाता है। लेकिन दुर्भाग्यजनक तथ्य यह है कि मौजूदा मीडिया में सक्रिय ज्यादातर लोग सूचना के इसी साम्राज्यवाद के जाने-अनजाने वाहक हैं। इसलिए उन्हें पता नहीं है कि पारंपरिक बनाम एलोपैथी का विवाद कोरोना की पहली लहर के दौरान उसी पश्चिम में भी हुआ था जिसे हम आधुनिक और श्रेष्ठ सभ्यता मानते हैं। विवाद अफ्रीकी देशों में भी कम नहीं हुआ था। लेकिन पश्चिमी दुनिया से जिन माध्यमों के जरिये हमारे पास सूचनाएं आती हैं, चूंकि वे पश्चिम की श्रेष्ठता ग्रंथि से पीड़ित हैं, जो पश्चिमी आर्थिक मॉडल और हितों की परोक्ष रूप से हिफाजत ही करते हैं, इसलिए उनकी ओर से कथित विकासशील

समाजों में ऐसी सूचनाएं नहीं आईं। यही वजह है कि बाबा रामदेव बनाम एलोपैथी के विवाद में भारतीय सूचना तंत्र भी बाबा के खिलाफ और आइएमए के पक्ष में खड़ा नजर आ रहा है। बाबा और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के बीच जो बहसबाजी हो रही है, उसकी व्याप्ति आयुर्वेद बनाम आधुनिक चिकित्सा पद्धति होती जा रही है। अव्वल तो संकट के समय ऐसा कोई विवाद होना ही नहीं चाहिए। कोई भी पद्धति न तो पूर्ण हो सकती है और न ही सटीक। लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं होना चाहिए कि किसी पद्धति को अवैज्ञानिक कह कर खारिज कर दिया जाए। अगर आयुर्वेद या पारंपरिक चिकित्सा पद्धति इतनी ही अवैज्ञानिक थी तो विज्ञानी होने का दावा करने वाली पश्चिमी सभ्यता के तमाम लोग इसके मुरीद क्यों होते चले गए? कोरोना महामारी काल में निश्चित तौर पर सभी चिकित्सा पद्धतियों के डॉक्टरों ने मेहनत की है।

आधुनिक दौर में भारत जैसे विशाल देश में किसी एक पद्धति के सहारे पूरी जनसंख्या की सेहत की रखवाली कर पाना आसान नहीं है। इसलिए होना तो यह चाहिए कि जिस पद्धति में जो कमी है, उसे स्वीकार करे और दूसरी पद्धति की अच्छाई को स्वीकार करे। लेकिन बात यहीं पर आकर अटक जाती है। आयुर्वेद, यूनानी, प्राकृतिक चिकित्सा और होमियोपैथ आधुनिक चिकित्सा पद्धति में विकसित सर्जरी की तकनीक को न सिर्फ स्वीकार करते हैं, बल्कि इस मोर्चे पर अपने हाथ खड़े कर देते हैं। पर आधुनिक चिकित्सा पद्धति इस मामले में पूरी तरह असहिष्णु है। वह रिकॉर्ड पर दूसरी चिकित्सा पद्धतियों की श्रेष्ठता को स्वीकार नहीं करती। यह बात और है कि पेट, हड्डी, नींद और रक्तचाप के विकार के संदर्भ में ऐसे अनेक लोगों के अनुभव आपके समक्ष प्रस्तुत हो सकते हैं कि बड़े आधुनिक अस्पतालों के डॉक्टरों ने जो दवाएं सुझाईं, वे अंग्रेजी नाम में ज्यादातर आयुर्वेदिक दवाएं ही थीं।

पारंपरिक बनाम आधुनिक चिकित्सा पद्धति की कथित श्रेष्ठता पर जारी विवाद के संदर्भ में याद दिलाना जरूरी है कि ब्रिटेन के पड़ोसी देश आयरलैंड में कोरोना की पहली लहर के दौरान विवाद हुआ था। आयरलैंड में फूलों और जड़ी-बूटियों से इलाज की परंपरा है। कोरोना के इलाज में जब आयरलैंड के डॉक्टरों ने इस पारंपरिक पद्धति का सहारा लिया तो वहां भी इसे अवैज्ञानिक और खतरनाक बताकर खारिज किया गया। यह बात और है कि इलाज के कथित प्रोटोकाल को आयरलैंड ने खारिज कर दिया और वह अपनी पारंपरिक पद्धति से भी इलाज करता रहा। नार्वे ने भी ऐसा किया और एलोपैथी के वर्चस्व वाले कथित प्रोटोकॉल तक को मानने से इन्कार कर दिया। कुछ अफ्रीकी देशों में तो फार्मा लॉबी के दबाव में पारंपरिक पद्धति से इलाज करने वालों को जेल तक में डाला गया। यह बात और है कि विरोध बढ़ने के बाद फार्मा लॉबी को हथियार डालने पड़े।कथित वैज्ञानिकता की जब भी दुहाई दी जाती है, हमारे पास ब्रिटेन और अमेरिका के ही उदाहरण होते हैं।

हमारे यहां के आधुनिक विद्वान उन्हीं का आधार लेकर अपनी पारंपरिक ज्ञान परंपरा को खारिज करते हैं। ऐसे लोगों को याद दिलाना जरूरी है कि पिछली सदी के सातवें दशक में अमेरिकी शुगर लॉबी ने खाने के तेल को फर्जी शोध के नाम पर धीरे-धीरे खाने की आदत से न सिर्फ दूर करा दिया था, बल्कि चीनी को उसके मुकाबले अच्छा ठहरा दिया था। वर्ष 2016 में अमेरिका के जेएएमए इंटरनल मेडिसिन में छपे एक लेख के मुताबिक उस समय अमेरिकी शुगर लॉबी ने चीनी से होने वाले रोगों मसलन मधुमेह, हृदय रोग आदि को गलत साबित करने और उसकी ओर से लोगों का ध्यान बंटाने के लिए फर्जी शोध करा दिया था। इस आग्रही अध्ययन में विशेषज्ञों को तैयार किया गया कि वे दिल के रोगों के लिए सैचुरेटेड फैट यानी सांद्र वसा को जिम्मेदार ठहराएं। सैनफ्रांसिस्को की कैलिफोर्नीया यूनिवर्सिटी के स्टैंटन ग्लैंट्ज ने चीनी उद्योग के गोपनीय दस्तावेजों के हवाले से यह पर्दाफाश किया था। हार्वर्ड के विज्ञानियों के इस अध्ययन में रोगों के लिए चीनी को कम और सैचुरेटेड फैट को ज्यादा जिम्मेदार ठहराया गया। यह शोधपत्र उन दिनों एक प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ था। स्टैंटन ग्लैंट्ज के दावे के अनुसार इसके बाद ही दुनियाभर के विज्ञानियों ने वसा को अलग रखने वाली खाद्य आदतें विकसित करने की दिशा में काम करना शुरू किया। वर्ष 2016 में ही न्यूयॉर्क टाइम्स में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक शीतल पेय बनाने वाली एक कंपनी ने लाखों डॉलर का भुगतान शोधकर्ताओं को प्रायोजित करने में खर्च किया था, ताकि मोटापे और अवसाद जैसे रोगों के शीतल पेय पीने की आदत से जुड़े रिश्ते का खंडन किया जा सके। कथित वैज्ञानिकता में कैसे-कैसे खेल होते हैं, इस पर जून 2016 में समाचार एजेंसी 'एपी' ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसके मुताबिक कैंडी निर्माताओं ने एक ऐसे अध्ययन को प्रायोजित किया था जो साबित करे कि जो बच्चे कैंडी नहीं खाते उनके मुकाबले कैंडी खाने वाले बच्चों में मोटापा कम होता है। आयुर्वेद बनाम एलोपैथी का विवाद कोरोना के इलाज के संदर्भ में बढ़ा है। लेकिन हमें एलोपैथी की सीमाओं को भी देखना चाहिए। कोरोना की पहली लहर के दौरान मलेरिया के इलाज में इस्तेमाल होने वाली हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्वीन के इस्तेमाल की 23 मई 2020 को स्वास्थ्य मंत्रालय ने अनुमति दी।

ऑनलाइन एजुकेशन को एक स्थायी हिस्सा बनाने पर दिया जाए जोर, सीखने के नए तरीकों पर भी हो शोध

कोरोना के इस नए युग ने हमारे जीने और सोचने के तरीके को बहुत बदल दिया है। जहां आज हम सिर्फ बचने के उपायों से जूझ रहे हैं, वहीं अपने रोजमर्रा के कार्यों को करने के तरीके में भी परिवर्तन ला रहे हैं। इन सबमें सीखने-सिखाने का तरीका सबसे प्रभावी रूप से बदला है। लगभग सवा साल से सभी शिक्षण संस्थान बंद होने से हर शैक्षिक संस्थान के पास ऑनलाइन शिक्षण को अपनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं। यहां सिर्फ विद्यार्थी ही नहीं, अध्यापक भी कुछ नया सीखता नजर आया। यह एक आसान विकल्प बनता गया, क्योंकि इसमें इंटरनेट और लैपटॉप या स्मार्टफोन की ही जरूरत होती है। इसी के साथ महामारी के बाद के एक नए शैक्षिक युग की भी शुरुआत हो रही है जहां ऑनलाइन एजुकेशन को एक स्थायी हिस्सा बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का 40 प्रतिशत से ज्यादा कोर्स ऑनलाइन पढ़ाने का प्रविधान इसकी एक शुरुआत है। वैसे तो इस विषय में सुझाव मांगे गए हैं और शिक्षा जगत से प्रतिक्रिया आनी भी शुरू हो गई है, परंतु क्या हम ये मान चुके हैं कि अब साल के आधे समय इलेक्ट्रॉनिक क्लासरूम में बिताने वाले हैं। वैसे तो कुछ तर्कों के अनुसार ये ही शिक्षा का भविष्य है, परंतु किसी भी शिक्षा प्रणाली की सफलता इस पर निर्भर करती है कि उसको इस्तेमाल करने वाले लोगों को इससे क्या फायदा हुआ है। तो क्या हमें शिक्षा की इस नई प्रणाली का समग्र आकलन नहीं करना चाहिए? हमें सबसे पहले यह सोचना चाहिए कि सीखना आखिर है क्या और सही मायने में इसका मतलब क्या है? वर्षों से हुए शोध में सीखने की प्रक्रिया में समग्रता की महत्ता को बताया गया है।

हर शिक्षा नीति ने कक्षा के परिवेशन, प्रयोगशालाओं, परियोजना कार्य, व्यक्तिगत बातचीत कर के सीखने जैसे माध्यमों पर ही जोर दिया है। वास्तव में ये सभी माध्यम उन कौशलों को आकार देने में मदद करते हैं जो वास्तविक दुनिया में कार्य करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। साथ ही शोध के माध्यम से ये भी स्थापित किया गया है कि ऑनलाइन शिक्षा का मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है। अमेरिकन साइकोलोजिकल एसोसिएशन द्वारा 2020 में प्रकाशित एक लेख में जिक्र है कि भौतिक परिसर में नहीं जा पाने के कारण दोस्तों, शिक्षकों और एक तय दिनचर्या के अभाव से बच्चो में मानसिक दिक्कतें आती हैं। छात्रों में शैक्षिक प्रेरणा और सामाजिक विकास में शैक्षिक परिसर का महत्वपूर्ण योगदान होता है। मिशिगन यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर ने अपने शोध में यह पाया कि जब बच्चे यह महसूस करते हैं कि उनके आसपास मित्र और शिक्षक हैं और वह उनकी परवाह करते हैं तब बच्चों ने अपने कार्य को अधिक दिलचस्पी से किया। शिक्षक की गैर मौजूदगी से सीखने वाली प्रक्रिया पर होने वाले दुष्प्रभावों की पहचान और चर्चा वर्षों से होती आ रही है।

वर्ष 2013 में एल्सेवियर के मशहूर जर्नल में छपे शोध में यह साबित हुआ कि ऑफलाइन के बजाय ऑनलाइन पढ़ने के दौरान छात्रों में अंत तक पाठ्यक्रम से जुड़े रहने की दृढ़ता कुछ प्रतिशत अंकों से कम हो जाती है। शिक्षक की भौतिक अनुपस्थिति, शिक्षक द्वारा दिए जाने वाले फीडबैक की कमी, वेब पर अस्पष्ट निर्देश और तकनीकी समस्याएं एक डिजिटल क्लासरूम के छात्रों में विफलता एवं निराशा का कारण बनती है और अंत में इन विफलताओं से पूरा शैक्षिक माहौल बाधित होता है। तो क्या हम ये मान लें कि हम एक ज्ञान-केंद्रित प्रणाली हैं और कल्याण केंद्रित बनना ही नहीं चाहते? अगर नहीं तो यकीनन हमें इस नई प्रणाली को अपनाने से पहले अपनी तैयारी मजबूत करनी होगी। सीखने के नए तरीकों पर नए ढंग से शोध करना होगा। पुराने शोधों के परिणामों के मद्देनजर छात्रों के समग्र विकास को अपना लक्ष्य बनाना होगा।

लोकतंत्र और राजद्रोह

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर यह साफ कर दिया है कि बात-बात पर राजद्रोह की संगीन धाराओं में मुकदमा करने की प्रवृत्ति गलत है और इस पर रोक लगनी चाहिए। पत्रकार विनोद दुआ के खिलाफ हिमाचल प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज किए गए राजद्रोह के मामले में फैसला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हरेक पत्रकार इस मामले में संरक्षण का हकदार है। कोर्ट ने इस मामले में केदारनाथ सिंह बनाम बिहार सरकार केस में 1962 में दिए अपने फैसले का भी हवाला दिया। उस फैसले में ही सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया था कि राजद्रोह की धाराएं सिर्फ उन्हीं मामलों में लगाई जानी चाहिए, जिनमें हिंसा भड़काने या सार्वजनिक शांति को भंग करने की मंशा हो। इससे यह बात रेखांकित होती है कि शीर्ष अदालत ने आजाद भारत में इस कानून के इस्तेमाल पर कोई रोक भले न लगाई हो, छह दशक पहले ही इसके प्रयोग की सीमाएं पूरी सख्ती से निर्धारित कर दी थीं।

बावजूद इसके, बाद की सरकारों ने इस कानून का मनमाना इस्तेमाल जारी रखा। दिलचस्प बात है कि इस मामले में सरकारें पार्टी लाइन से ऊपर उठी रहीं। हाल के वर्षों की बात करें तो भी यूपीए की मनमोहन सिंह सरकार के कार्यकाल में हमें यह प्रवृत्ति दिखती है तो नरेंद्र मोदी की अगुआई में एनडीए सरकार आने के बाद भी यह न केवल जारी रहती है बल्कि और तेज हो जाती है। बीते दशक के आंकड़े बताते हैं कि यूपीए सरकार के आखिरी चार वर्षों में यानी 2010 से 2014 के बीच राजद्रोह के 279 मामले दर्ज हुए थे, जबकि एनडीए सरकार के छह वर्षों में यानी 2014 से 2020 के बीच 519 मामले दर्ज हुए। प्रति वर्ष औसत यूपीए काल में 62 था, जो एनडीए काल में 79.8 हो गया। शीर्ष अदालत द्वारा खींची गई मर्यादा रेखा से वाकिफ होते हुए भी अगर पुलिस प्रशासन धड़ल्ले से इस कानून को लागू कर रहा है तो साफ है कि उसके पीछे मंशा

अदालत में अपराध साबित करने से ज्यादा आरोपी को परेशान करने की है। खासकर जो पत्रकार या जागरूक नागरिक, सरकार की कमियों की ओर ध्यान खींचता है उस पर राजद्रोह का मुकदमा उसे जनता की नजरों में देशद्रोही बनाने या दूसरे शब्दों में उसकी विश्वसनीयता कम करने में मदद करता है। वक्त आ गया है, जब इस कानून का दुरुपयोग रोकने के उपायों पर बहस करने के बजाय इस कानून को ही खत्म करने पर विचार किया जाए। तमाम गंभीर अपराधों, यहां तक कि आतंकवाद पर भी अंकुश लगाने के लिए जरूरी कानून देश में मौजूद हैं। औपनिवेशिक दौर में बने इस कानून की आज कोई जरूरत नहीं है।

कोरोना वायरस से निपटने में एक बड़ी बाधा समाज में टीके के प्रति फैली भ्रामक जानकारियां

इसलिए टीके के संबंध में उपजे हुए भ्रम को दूर करने के लिए सरकारों को भरसक प्रयास करने होंगे। ऐसी खबरें निराश करती हैं कि ग्रामीणों ने टीकाकरण टीम को भगा दिया या खुद ही भाग गए। इस संबंध में निर्णायक भूमिका धर्मगुरुओं, स्थानीय नेताओं एवं उन लोगों की हो सकती है, जिन्हें सामान्य जन अपना आदर्श मानते हैं। इसके अलावा बिना किसी वैज्ञानिक आधार के कोरोना वैक्सीन को लेकर हुए किसी भी प्रकार के दुष्प्रचार को रोकने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों को सख्त कदम उठाने होंगे, क्योंकि प्रश्न मानव जीवन की सुरक्षा का है।

कोरोना महामारी से लड़ते भारत की एक बड़ी चुनौती पूर्वाग्रहों से लड़ने की भी है। वे पूर्वाग्रह जो भारतीय ज्ञान-विज्ञान को सदैव से ही तुच्छ मानते आए हैं। इन्हीं पूर्वाग्रहों ने निर्माण किया है उस भ्रम, संशय और हिचक का, जिसके परिणाम किसी के भी हित में नहीं होंगे। ध्यान रहे भ्रम उत्पन्न नहीं होते, अपितु उन्हें सप्रयास निर्मित किया जाता है। यकीनन उसके पीछे कोई न कोई मंतव्य अवश्य होता है। विश्व का ऐसा कोई भी राष्ट्र नहीं है, जहां परस्पर विरोधी विचारधाराएं स्वार्थहित के लिए अफवाहें न फैलाती हों, परंतु बात जब मानव जीवन के संरक्षण की हो तो स्वार्थ, प्रतिष्ठा और लालसा का लबादा उतार फेंकना ही राष्ट्र और मानव हित में है।

वर्तमान परिस्थितियों में सबसे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि मानव जीवन सुरक्षित रहे, परंतु यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे समय में भी गैर जिम्मेदाराना बयान एवं भ्रमपूर्ण वक्तव्य निरंतर प्रवाहित हो रहे हैं। चूंकि कोरोना की दूसरी लहर से सबसे अधिक प्रभावित देशों में भारत भी है, इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि यहां के प्रबुद्धजन संवेदनशीलता से मानव जीवन की सुरक्षा के लिए सकारात्मकता का वातावरण निर्मित करें, परंतु क्या ऐसा हो रहा है? इसमें किंचित संदेह नहीं कि कोरोना वायरस से निपटने में एक बड़ी बाधा समाज और खासकर ग्रामीण समाज में फैली भ्रामक जानकारियां हैं। ऐसी जानकारियां दुनिया के दूसरे देशों में भी फैलाई गईं, लेकिन अपने देश में तो उन नेताओं ने यह काम किया, जिनका दायित्व था लोगों को सही राह दिखाना। मीडिया के एक तबके ने भी यही

काम किया। इस तबके ने जनवरी माह में टीकाकरण शुरू होते ही टीके को लेकर न केवल शंका जाहिर की, अपितु ऐसी टिप्पणियां भी कीं, जिनसे देश के एक वर्ग में भ्रम और डर की स्थिति उत्पन्न हुई। यह परोक्ष रूप से भारतीय वैज्ञानिकों के अथक परिश्रम और प्रतिभा को कठघरे में खड़ा करने जैसा था।

उल्लेखनीय है कि इसके नकारात्मक परिणाम त्वरित गति से सामने आए। 'मूड ऑफ द नेशन पोल मार्केट रिसर्च एजेंसी कार्वी इनसाइट' के जनवरी माह में 19 राज्यों में 37 संसदीय क्षेत्रों में किए गए एक सर्वेक्षण के मुताबिक 21 प्रतिशत लोग टीका नहीं लगवाना चाहते थे। देश के कई ग्रामीण क्षेत्रों में यह तर्क दिया जा रहा कि वैक्सीन लगवाने के बाद पुरुष नपुंसक हो जाएंगे या उनकी संतान विकलांग होगी। वहीं कइयों का यह मानना है कि उन्हें वैक्सीन की आवश्यकता है ही नहीं, क्योंकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत अच्छी है और वैक्सीन तो उन लोगों के लिए जरूरी है जो बीमार रहते हैं। हैरानी की बात तो यह है कि वैक्सीन को लेकर संशय और भ्रम की स्थिति ब्रिटेन के भारतीय समुदाय में भी व्याप्त है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी समेत कई संस्थानों ने मिलकर हाल ही में किए एक सर्वे में बताया कि वहां के केवल 56 प्रतिशत भारतीयों ने वैक्सीन लगवाने में दिलचस्पी दिखाई है, जबकि 44 प्रतिशत ने वैक्सीन न लेने या फिर असमंजस में होने की बात कही। जो वजह गिनाई गई उसमें वैक्सीन पर जानकारी के अभाव को जिम्मेदार ठहराया गया।

टीकाकरण के खिलाफ विरोध का इतिहास इसके विकास और इसके प्रयोग जितना ही पुराना है। 18वीं सदी के मध्य से लेकर अंत तक इंग्लैंड और अमेरिका में स्मॉल पॉक्स टीके का विरोध हुआ था। वहां एक टीकाकरण विरोधी लीग भी बनी। इस विरोध का आधार धार्मिक एवं राजनीतिक आपत्तियां थीं। 1885 का लिसेस्टर डेमोंट्रेशन मार्च सर्वाधिक प्रसिद्ध टीकाकरण विरोधी प्रदर्शनों में से एक है। न्यूयॉर्क में 1879 में एक एंटी वैक्सीनेशन सोसाइटी ऑफ अमेरिका का गठन हुआ तो ब्राजील में 1904 में वैक्सीन के खिलाफ विद्रोह भड़का। मालूम हो कि दुनिया भर में फैले ये संगठित समूह किसी भी तरह के टीकाकरण का विरोध करते हैं। वे अनिवार्य टीकाकरण को नागरिक अधिकारों, वैयक्तिक स्वतंत्रता और स्वायत्तता का उल्लंघन मानते हैं। अनेक शोध बताते हैं कि टीकाकरण के कारण दुनिया भर में हर साल 20 से 30 लाख जानें बचाई जा रही हैं। यह संख्या 45 लाख तक हो सकती थी, अगर शेष बचे हुए लोग भी टीका लगवाते। हालांकि वैक्सीन विरोधियों की संख्या बहुत कम है, लेकिन वे बहुत मुखर और सक्रिय हैं। वैक्सीन को लेकर उनके द्वारा नकारात्मक खबरों ने भारत समेत कई देशों में टीकाकरण को प्रभावित किया है।

उल्लेखनीय है कि 2016 में केरल में डिप्थीरिया के खिलाफ चलाए गए टीकाकरण कार्यक्रम को भ्रामक जानकारियों ने प्रभावित किया। इतना ही नहीं कर्नाटक और तमिलनाडु में चेचक और रूबेला वायरस के खिलाफ चलाए गए टीकाकरण अभियान को भारी नुकसान तब उठाना पड़ा था, जब इसके विरुद्ध यह गलत दावा किया गया कि इसमें पशुओं का मांस मिलाया गया है। इसी वजह से 2019 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने टीकाकरण विरोधी समूह और उनके कुप्रचार के कारण वैक्सीन को लेकर पैदा होने वाली हिचक की पहचान वैश्विक स्वास्थ्य के लिए दस सबसे बड़े खतरों के रूप में की थी।

यह तय है कि कोरोना वैक्सीन का पूर्व में जो दुष्प्रचार हुआ, उसका नकारात्मक प्रभाव सहजता से नहीं जाने वाला, इसलिए टीके के संबंध में उपजे हुए भ्रम को दूर करने के लिए सरकारों को भरसक प्रयास करने होंगे। ऐसी खबरें निराश करती हैं कि ग्रामीणों ने टीकाकरण टीम को भगा दिया या खुद ही भाग गए। इस संबंध में निर्णायक भूमिका धर्मगुरुओं, स्थानीय नेताओं एवं उन लोगों की हो सकती है, जिन्हें सामान्य जन अपना आदर्श मानते हैं। इसके अलावा बिना किसी वैज्ञानिक आधार के कोरोना वैक्सीन को लेकर हुए किसी भी प्रकार के दुष्प्रचार को रोकने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों को सख्त कदम उठाने होंगे, क्योंकि प्रश्न मानव जीवन की सुरक्षा का है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

यूपी में बिजली आपूर्ति की शिकायतों पर ऊर्जा मंत्री सख्त, कहा-अफसर तत्काल करें समस्या का निस्तारण

लखनऊ । बिजली कटौती की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने अफसरों को निर्देश दिए हैं कि बिजली आपूर्ति संबंधी समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उपभोक्ताओं को कटौती की सही जानकारी देने के लिए इंटरनेट मीडिया का भी सहारा लें। मंत्री ने पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि गांवों में सूर्यास्त से सूर्योदय तक बिजली आपूर्ति बनी रहे।

बुधवार को शक्ति भवन में विभागीय कार्यकलापों की समीक्षा करत हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आंशिक कोरोना कर्फ्यू हटने से सभी तरह की गतिविधियां धीरे-धीरे शुरू होंगी। ऐसे में भी हमें संवेदनशीलता से काम करते रहना है ताकि प्रदेशवासियों को निर्बाध बिजली मिलती रहे। उन्होंने कहा कि सिंचाई के लिए किसानों को बिजली आपूर्ति की समस्या नहीं होनी चाहिए। जहां ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायतें आ रही हैं वहां प्राथमिकता पर उसे बदलकर आपूर्ति बहाल की जाए। मंत्री ने अध्यक्ष से देखने को कहा कि सभी उपभोक्ताओं को सही बिल समय पर मिले। इसमें लापरवाही करने वाले डिस्काम की जवाबदेही तय करें। सभी अधिकारी इंटरनेट मीडिया, 1912 पर आने वाली शिकायतों और टेलीफोन से मिलने वाली शिकायतों का भी तेजी से निस्तारित करें। शर्मा ने कहा कि इस संकट के समय में सभी अपनी सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखें। अध्यक्ष को निर्देश दिया कि वह सुरक्षा मानकों के प्रबंध की नियमित निगरानी करें। स्वयं भी उपकेंद्रों और बिलिंग काउंटर्स का निरीक्षण करें। किसी भी प्रकार की कोई परेशानी हो तो वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क कर उसका निस्तारण कराएं।

बिहार में बड़ी लूट: हाजीपुर में एचडीएफसी बैंक से 4 मिनट के अंदर 1 करोड़ 19 लाख बोरे में भर ले गए अपराधी

वैशाली । बिहार के वैशाली में बड़ी वारदात हुई है। हाजीपुर के जढुआ में एचडीएफसी बैंक की शाखा से गुरुवार की सुबह एक करोड़ 19 लाख रुपये की लूट हो गई। बाइक से आए आठ से दस अपराधियों ने चार मिनट के अंदर वारदात को अंजाम दिया। लूट के बाद बदमाश हथियार लहराते हुए बोरे में पैसा भरकर चलते बने। सूचना मिलने पर हाजीपुर सदर के एसडीपीओ राघव दयाल समेत कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है। घटना के बाद इलाके में सनसनी का माहौल है। बताया जाता है कि गुरुवार की सुबह हाजीपुर के जढुआ में एचडीएफसी बैंक की शाखा खुलते ही नकाबपोश आठ से दस की संख्या में अपराधी पहुंच गए। इसके पहले कि कोई कुछ समझ पाता बदमाशों ने गार्ड समेत हथियार दिखाकर ग्राहक और बैंक कर्मचारियों को अपने कब्जे में ले लिया। इस दौरान चार मिनट के अंदर बैंक से करीब एक करोड़ 19 लाख रुपये लूट लिए। जानकारी के अनुसार अपराधी बाइक पर सवार होकर आए थे। वारदात को अंजाम देने के बाद हथियार लहराते हुए बोरे में पैसा भरकर फरार हो गए। घटना के बाद बैंक कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने बैंक के अंदर लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाली।

सफेद बोरे में भर ले गए पैसे- सीसीटीवी फुटेज में आठ से दस अपराधी लूट के बाद बैंक से निकलते दिख रहे हैं। वहीं एक बदमाश सफेद बोरी में पैसे लेकर बैंक से बाहर निकल रहा है। वारदात के बाद जिले के सभी थाने की नाकाबंदी कर पुलिस ने वाहन चेकिंग शुरू कर दी है। बता दें कि चार महीने पहले हाजीपुर महनार मुख्य मार्ग पर ही बाइक सवार आधा दर्जन अपराधियों ने एक्सिस बैंक की शाखा से करीब 43 लाख रुपये लूट लिए थे। आज जहां लूट की घटना हुई है उससे महज तीन किलोमीटर की दूरी पर एक्सिस बैंक में लूट की घटना हुई थी। गुरुवार की वारदात के बाद अपराधियों ने पुलिस को खुली चुनौती दी है। हालांकि पुलिस का कहना है कि लुटेरों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दिवंगत पूर्व बाहुबली सांसद शहाबुद्दीन के 40वें में तेजस्वी यादव पर फूटा आक्रोश, नेताओं ने कहा- राजद ने उन्हें वोट बैंक के लिए यूज किया

सिवान । हुसैनगंज प्रखंड के प्रतापपुर स्थित पैतृक निवास पर दिवंगत पूर्व सांसद मो. शहाबुद्दीन के चालीसवां का आयोजन किया गया। इस दौरान बिहार विधान परिषद के पूर्व उपसभापति सलीम परवेज समेत कई नेता कार्यक्रम में शरीक हुए। दिवंगत सांसद मो. शहाबुदीन के चालीसवां के फातेहा में शामिल होने के बाद सलीम परवेज और समाजवादी जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जुल्फिकार अली भुट्टों का मीडिया में दुख और आक्रोश मिश्रित बयान दिए। सलीम ने कहा कि जब दिल्ली में मो. शहाबुदीन का निधन हुआ, उस समय सदन में विपक्ष के नेता सह पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव मात्र पांच किलोमीटर की दूरी पर मौजूद थे। जब वे वहां मिट्टी देने नहीं पहुंचें तो वे सिवान क्या पहुंचेंगे। यह बात अकलियत के लोगों को समझना चाहिए।

1995 और 2001 में अपने दम पर राजद की सरकार बनवाई

उन्होंने कहा कि मो. शहाबुदीन ने 1995 और 2001 में अपने दम पर प्रदेश में राजद की सरकार बनवा दी थी। इससे ज्यादा पार्टी के लिए और क्या कोई कर सकता। कहा कि मो. शहाबुद्दीन के निधन के बाद मेरे दिल पर चोट लगी और मैनें क्रिक डिसीजन लेते हुए उसी दिन राजद पार्टी से इस्तीफा दे दिया। कहा कि पार्टी ने उनका उपयोग सिर्फ वोट बैंक के लिए किया है। कार्यक्रम के दौरान मदरसा के बच्चों को भोजन कराया गया। मौके पर पूर्व मंत्री सह सदर विधायक अवध बिहारी चौधरी, रघुनाथपुर विधायक हरिशंकर यादव, राजद जिलाध्यक्ष परमात्मा राम, पूर्व जिप अध्यक्ष लीलावती गिरि समेत अन्य वरीय नेता मौजूद थे। सभी ने शहाबुद्दीन के पुत्र ओसामा को सांत्वना दी।

पूर्व सांसद सह समाजवादी नेता मो. शहाबुद्दीन का बुधवार (9 जून) को चालीसवां था। लोगों को उम्मीद थी कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सिवान आएंगे, लेकिन उन्होंने फिर से लोगों को ठगने का काम किया और लोगों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। यह बातें समाजवादी जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जुल्फिकार अली भुट्टों ने कही। उन्होंने तेजस्वी यादव सहित लालू परिवार पर आरोप लगाया कि मो. शहाबुद्दीन का इस्तेमाल इस परिवार ने अपनी राजनीति के लिए किया। जब पूर्व सांसद से काम निकल गया तो उनकी पूछ करने के लिए कोई नहीं आया। लालू सरकार में ही मो.शहाबुद्दीन पर 36 मुकदमें दर्ज हुए। इनमें कई फर्जी थे, लेकिन लालू यादव ने कुछ नहीं किया। मैं तो यह भी कहता हूं कि शहाबुद्दीन साहेब की मौत के मामले में तेजस्वी की भूमिका की जांच होनी चाहिए। जल्द ही सिवान सहित पूरे बिहार की जनता हिसाब बराबर करेगी।

मैट्रिक व इंटर की परीक्षा हो सकती है रद, रिजल्ट के लिए मूल्यांकन का बनेगा यह आधार...

रांची । कोरोना वायरस संक्रमण के कारण सीबीएसई, सीआइएससीई सहित कई राज्यों की 10वीं व 12वीं की परीक्षा रद होने के बाद झारखंड एकेडमिक काउंसिल की बोर्ड परीक्षा के भी रद होने की पूरी संभावना है। छात्रों व शिक्षकों की लगातार परीक्षा रद करने की मांग को देखते हुए झारखंड सरकार भी परीक्षा रद करने का मन बना रही है। जैक ने भी इस तरह के संकेत दिए हैं। सूत्रों की मानें तो रिजल्ट जारी करने का क्या आधार होगा, जैक इसकी तैयारी में भी लग गया है। सभी पहलुओं पर विचार हो रहा है। झारखंड एकेडमिक काउंसिल की इस साल 10वीं व 12वीं की परीक्षा में 7.63 लाख छात्र-छात्राओं को शामिल होना है। इसमें 10वीं के 4.32 लाख व 12वीं के 3.31 लाख परीक्षार्थी हैं। परीक्षा नहीं होने की स्थिति में शिक्षक संघ रिजल्ट जारी करने के ठोस और तर्कयुक्त तरीके सुझा रहा है। इस पर जैक की सहमति मिल सकती है। झारखंड माध्यमिक संघ के महासचिव रवींद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि जैक बोर्ड कक्षा 10वीं का रिजल्ट आठवीं व नौवीं की परीक्षा के रिजल्ट के आधार पर जारी कर सकता है। अभी जो विद्यार्थी कक्षा 10वीं की परीक्षा में शामिल होंगे, उनकी कक्षा आठवीं व नौंवी की परीक्षा जैक ने ले ली है। दोनों ही परीक्षा में बोर्ड परीक्षा की तरह प्रवेशपत्र जारी हुआ था। परीक्षा के लिए सेंटर बने थे। परीक्षा ओएमआर शीट पर हुई थी। इसका मूल्यांकन जैक ने किया था। इसी तरह कक्षा 12वीं का रिजल्ट कक्षा 10वीं व 11वीं के रिजल्ट के आधार पर जारी किया जा सकता है। ये परीक्षाएं भी जैक ने ओएमआर शीट पर ही लिया था। इसके लिए भी प्रवेशपत्र जारी हुआ था। दूसरे स्कूलों में सेंटर भी बनाए गए थे, बिल्कुल बोर्ड परीक्षा की तरह। ऐसा करने से पारदर्शिता बनी रहेगी। देशभर में केवल बिहार ही ऐसा राज्य है जिसने परीक्षा आयोजित कर रिजल्ट भी जारी कर दिया है। बिहार में 10वीं की परीक्षा 17 से 24 फरवरी तक हुई थी।

बादलों की आगोश में पूर्वी व मध्य उत्तर प्रदेश, लखनऊ और पास के जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश

लखनऊ । बंगाल की खाड़ी में बनने वाले कम दबाव के क्षेत्र का असर उत्तर प्रदेश में गुरुवार को दिख रहा है। इसके कारण उत्तर प्रदेश का पूर्वी भाग तेज हवाओं के साथ बादलों की आगोश में है। लखनऊ के साथ ही सीतापुर, हरदोई तथा बाराबंकी में तेज हवाओं के साथ हो रही बारिश ने लोगों को उमस भरी चिपचिपी गर्मी से बड़ी राहत भी दी है। उत्तर प्रदेश में तो इस बार मॉनसून से पहले ही बारिश हो रही है।

लखनऊ में सुबह करीब आठ बजे से तेज हवाओं के साथ बारिश ने लोगों को गर्मी से बड़ी राहत दी है। आसमान में घने बादलों के कारण दिन में ही अंधेरा छाया है और यहां पर कई जगह बिजली भी गुल हो गई है। सीतापुर में भी मौसम ने बड़ी करवट ली है। यहां पर भी मौसम बदला है और तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। जिससे शहर तथा गांव में जलभराव की स्थिति है। यहां पर बुधवार को झुलसाने वाली गर्मी के बाद गुरुवार सुबह आसमान में काले बादल छा गए। इसके बाद तेज हवा के साथ मूसलाधार बारिश हो रही है। बारिश से मौसम सुहावना हो गया है लेकिन कई इलाकों की बिजली भी गुल हो गई है। करीब दो घंटे से लगातार हो रही बरसात ने कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा कर दी है।

हरदोई में सुबह से बादल छाने के बाद आठ बजे से बरसात शुरू हो गई। बादलों की गड़गड़ाहट और हवा के साथ पानी बरस रहा है। बहराइच के साथ ही श्रावस्ती तथा रायबरेली में भी आसमान पर घने बादल हैं। कानपुर, वाराणसी, भदोही तथा

प्रयागराज में भी आसमान पर घने बादल हैं। यहां पर बारिश तो नहीं हो रही है, लेकिन मौसम काफी सुहावना हो गया है। कानपुर में घने बादल हैं, ठंडी हवा चल रही है। बारिश के आसार हैं। सहारनपुर में तड़के ही जमकर बारिश हुई है।

प्रयागराज व आसपास बारिश, मौसम सुहावना- संगमनगरी प्रयागराज और उसके आसपास 12 बजे के आसपास काली घटाएं झूम कर बरसीं। इससे मौसम सुहावना हो गया। इससे पहले सुबह जबर्दस्त उमस थी। इस बरसात को प्री मानसून के सक्रिय होने का आगाज माना जा रहा है। अगले 24 घंटों के दौरान भी बारिश अथवा बूंदाबांदी के आसार हैं।

तीन दिनों तक मौसम का मिजाज कुछ ऐसा ही- मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक अगले तीन दिनों तक मौसम का मिजाज कुछ ऐसा ही रहने वाला है। लगभग 15 जिलों में अगले कुछ घंटों में बारिश होने की संभावना है। इन जिलों में लगभग 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा के तेज झोंके भी चलने का अनुमान है। कहीं-कहीं आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है।

पूर्वांचल और तराई के इलाके में हल्की बारिश से और बादलों के छाए होने से बढ़ते तापमान से तो राहत मिलेगी, लेकिन बुंदेलखंड और पश्चिमी यूपी के जिले को फिलहाल कोई राहत मिलती दिखाई नहीं दे रही है। अभी तक के अनुमान के मुताबिक, 12 जून से पहले पश्चिमी यूपी और बुंदेलखंड के जिले में बारिश की कोई संभावना नहीं है। दक्षिण पश्चिम मानसून 11 जून को पूर्वांचल के रास्ते प्रदेश में दाखिल होगा। उसके पश्चिमी यूपी और बुंदेलखंड पहुंचने में 24 घंटे का समय लगेगा। इन जिलों को तभी राहत मिल पाएगी। लखनऊ में मौसम विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि वैसे तो हर वर्ष 20 जून के आसपास मानसून दस्तक देता है, लेकिन इस बार बदले हालात में इसका आगमन पहले हो रहा है।

यूपी में कोरोना के 98 फीसद संक्रमित स्वस्थ, अब 12,959 सक्रिय केस

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कोरोना से संक्रमित 98 फीसद रोगी अब तक स्वस्थ हो चुके हैं। 24 घंटों के दौरान प्रदेश में 709 मरीज मिले और इसी के साथ अब तक संक्रमित हो चुके लोगों का आंकड़ा 17 लाख के पार पहुंच गया। अब तक 16.66 लाख रोगी ठीक हो चुके हैं। बीते 24 घंटे में 2.89 लाख लोगों की कोरोना जांच की गई और अब तक कुल 5.21 करोड़ लोगों का कोरोना टेस्ट किया जा चुका है।

अपर मुख्य सचिव (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि बीते करीब 40 दिनों से लगातार मरीजों की संख्या घट रही है। अब सक्रिय केस घटकर 12,959 रह गए हैं। कोरोना के इन रोगियों में से 7,499 मरीज होम आइसोलेशन

यानी घर पर रहकर अपना इलाज करा रहे हैं। बाकी मरीज कोविड-19 के सरकारी व निजी अस्पतालों में भर्ती हैं। मेडिकल टीमों के द्वारा लोगों की घर-घर जाकर लोगों की तबीयत का हाल लेने का काम तेजी से चल रहा है। अब तक 17.19 करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

अब 24 जिलों में कोरोना के 100 से कम रोगी - यूपी में कोरोना वायरस के संक्रमण की रफ्तार अब काफी धीमी हो गई है। प्रदेश में 24 जिले ऐसे हैं, जहां कोरोना के 100 से भी कम मरीज हैं। वहीं 10 जिलों में अब 50 से भी कम मरीज रह गए हैं। संक्रमण कम होने के बावजूद अभी भी कोरोना से बचाव के लिए सभी उपाय सख्ती से करने होंगे। दो गज की शारीरिक दूरी व मास्क अनिवार्य रूप से लगाना होगा।

जिन जिलों में कोरोना के 100 से कम मरीज हैं, उनमें बलिया में 51, बदायूं में 58, चंदौली में 63, फर्रुखाबाद में 64, हाथरस में 66, ललितपुर में 69, औरैया में 72, फिरोजाबाद में 74, मीरजापुर में 77, भदोही में 78, बलरामपुर में 79, सीतापुर में 79, अंबेडकरनगर में 81, जालौन में 97, रामपुर में 99, कौशांबी में 10, महोबा में 13, हमीरपुर में 13, कानपुर देहात में 23, चित्रकूट में 23, फतेहपुर में 31, बांदा में 36, श्रावस्ती में 37, कन्नौज में 39 और कासगंज में 45 रोगी हैं।

11 जिलों में लोगों को बरतनी होगी सावधानी - उत्तर प्रदेश में अब सभी जिले अनलाक हो चुके हैं। 600 से कम रोगी होने पर आंशिक कर्फ्यू हटा दिया गया है। ऐसे में 600 के नीचे मरीज रहें, इसके लिए 11 जिलों में रहने वाले लोगों को विशेष सतर्कता बरतनी होगी। गोरखपुर में 542, लखनऊ में 533, मेरठ में 491, गाजियाबाद में 441, बरेली में 435, वाराणसी में 392, आजमगढ़ में 392, कुशीनगर में 382, मुजफ्फरनगर में 380, सहारनपुर में 374 व प्रयागराज में 373 मरीज हैं।

आगरा में हाईवे पर खड़े कैंटर से टकराई रोडवेज बस, 4 की मौत

आगरा । कानपुर से आगरा आ रही रोडवेज बस छलेसर फ्लाईओवर पर खड़े कैंटर से टकराकर डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 12 यात्री घायल हो गए। सभी को एसएन इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है।

हादसा गुरुवार तड़के चार बजे हुआ। नेशनल हाईवे 19 के छलेसर फ्लाईओवर पर तरबूज से भरा कैंटर रात को खराब हो गया था। कैंटर चालक ने उसे डिवाइडर की साइड में ही खड़ा कर दिया था। तड़के कानपुर से आगरा आ रही फोर्ट डिपो की रोडवेज बस के चालक को कैंटर दूर से दिखाई नहीं दिया। पास आने पर कैंटर दिखा तो उसने बचाने की कोशिश की। तब तक चालक की साइड से रोडवेज बस कैंटर से टकरा गई। इसके बाद बस डिवाइडर पर चढ़कर रुक गई। बस में सवार अधिकतर यात्री सो रहे थे। टक्कर के बाद चीख पुकार मच गई। बस में सकुशल बचे यात्री किसी तरह बाहर आ गए।

हादसे की जानकारी होने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बस में फंसे घायलों को बाहर निकाला गया। इनमें से चार की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। 12 घायलों को पुलिस ने एंबुलेंस से एसएन इमरजेंसी भेज दिया। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों में दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं।

एसटीएफ ने एक वर्ष तक की जांच, अब फर्जी तरीके से पुलिस में भर्ती हुए तीन सिपाही ढूंढ़ निकाले

आगरा तीन वर्ष पहले हुई पुलिस भर्ती परीक्षा में साल्वर गैंग ने सेंध लगा ली थी। तीन अभ्यर्थी इस साल्वर गैंग की मदद से पास होकर पुलिस में नौकरी कर रहे हैं। एक वर्ष से एसटीएफ की टीम जांच कर रही थी। अब गैंग के तीन सदस्यों को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर पर्दाफाश कर दिया। गिरफ्तार आरोपित अलीगढ़ में गोंडा के रहने वाले हैं। इनमें से एक साल्वर और दो पुलिस भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थी थे। साल्वर गैंग की मदद से पुलिस में भर्ती हुए तीन सिपाही भी अब एसटीएफ और पुलिस के रडार पर आ गए हैं।

एसटीएफ को पुलिस भर्ती परीक्षा में साल्वर गैंग के सेंध लगाने की शिकायत एक वर्ष पहले मिली थी। एएसपी राकेश कुमार ने मामले की जांच की। पुलिस में भर्ती हुए और फेल हुए अभ्यर्थियों के भर्ती बोर्ड से दस्तावेज निकलवाए। जांच के बाद आगे की कार्रवाई को आगरा यूनिट को फील्ड आपरेशन के

निर्देश दिए गए। एसटीएफ के इंस्पेक्टर हुकुम सिंह ने मंगलवार रात को टेढ़ी बगिया तिराहा से तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें अलीगढ़ में गोंडा के माती गांव निवासी अभिषेक कुमार, पंकज कुमार और रामप्रकाश शर्मा शामिल हैं। आरोपितों से दो बाइक, तीन मोबाइल, दो आधार कार्ड, पैन कार्ड, तीन प्रवेश पत्र और 1200 रुपये बरामद हुए। इंस्पेक्टर हुकुम सिंह ने बताया कि अभिषेक साल्वर गैंग का सरगना है। उसने बताया है कि बुलंदशहर निवासी प्रिंस कुमार उसके साथ दिल्ली के मुखर्जी नगर में स्थित कोडी कैंपस कोचिंग सेंटर में वर्ष 2018 में पढ़ रहा था।प्रिंस को अभिषेक वर्ष 2018 में हुई पुलिस भर्ती परीक्षा में साल्वर के रूप में लाया था। प्रिंस ने अलीगढ़ के गोंडा निवासी जितेंद्र, रजत और अमित कुमार की लिखित परीक्षा दी थी। इसमें रजत और अमित कुमार पास होकर पुलिस कांस्टेबल पद पर भर्ती हो गए। अभी ट्रेनिंग करने के बाद अमित को मुजफ्फर नगर जनपद में और रजत को फतेहपुर में तैनाती मिली है। रामप्रकाश, पंकज और रवि कुमार की जगह खुद अभिषेक ने लिखित परीक्षा दी थी। तीनों लिखित परीक्षा में पास हो गए। दौड़ के समय पंकज और रामप्रकाश का बायो मैट्रिक मिलान नहीं हो सका। इसलिए वे भर्ती नहीं हुए। रवि भर्ती हो गया और वर्तमान में इटावा में पुलिस कांस्टेबल की नौकरी कर रहा है। गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ एत्माद्दौला थाने में धोखाधड़ी, कूट रचित दस्तावेज तैयार करने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।मुकदमे में तीन सिपाहियों समेत छह आरोपित वांछित हैं। उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

तीनों सिपाहियों की होगी गिरफ्तारी- एसटीएफ की पूछताछ में मामला सामने आने के बाद पुलिस में भर्ती हुए तीनों सिपाहियों को मुकदमे में नामजद किया गया है। अब शासन से अनुमति मिलने के बाद तीनों की गिरफ्तारी होगी।

2.5 लाख से चार लाख तक वसूले - अभिषेक ने बताया कि इस काम में प्रिंस के अलावा हाथरस के सहपऊ निवासी राहुल गोस्वामी भी उसके साथ काम करता है। वर्ष 2018- 19 में हुई पुलिस भर्ती की लिखित परीक्षा में उन्होंने अपना बायोमैट्रिक लगाकर परीक्षा दी थी। इसके लिए अभ्यर्थियों ढाई से चार लाख रुपये तक लिए थे।अभिषेक भर्ती के दौरान ताजगंज थाने से गिरफ्तार कर जेल भेजा था। तब ये मामले नहीं खुल सके थे।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा का आरोप- सरकार व शराब माफिया के गठजोड़ से हुआ अलीगढ़ कांड

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले को कांग्रेस बड़ा मुद्दा बनाना चाहती है। लगातार सरकार को इस मामले पर घेरने का प्रयास कर रही कांग्रेस ने प्रदेश भर में धरना-प्रदर्शन कर आबकारी मंत्री को बर्खास्त करने की मांग उठाई। वहीं, राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा ने भी ट्वीट कर भाजपा सरकार पर निशाना साधा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को सभी जिला मुख्यालयों पर अलीगढ़ के शराब कांड के विरोध में धरना प्रदर्शन कर पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदेश प्रभारी प्रियंका वाड्रा ने ट्वीट किया कि अलीगढ़ में जहरीली शराब से हुई सौ से अधिक मौतें सरकार और शराब माफिया के गठजोड़ का नतीजा हैं। पूरे प्रदेश में आक्सीजन नहीं मिल रही थी, दवाई नहीं मिल रही थी, अस्पताल में बेड नहीं मिल रहे थे। व्यापारियों के काम-धंधे बंद थे, लेकिन प्रशासन और शराब माफिया के गठजोड़ से शराब का धंधा खूब फल-फूल रहा था।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में धरने को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि योगी सरकार के कार्यकाल में अवैध जहरीली शराब कारोबारियों का सिंडीकेट दिन-प्रतिदिन मजबूत हुआ है। इसके चलते जहरीली शराब के सेवन से अब तक 500 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई। अंबेडकर नगर व आजमगढ़ की घटना के बाद अलीगढ़ कांड से साबित होता है कि सरकार शराब माफिया पर नकेल कसने में नाकाम हुई है। इतनी मौतों की जिम्मेदारी लेते हुए आबकारी मंत्री को बर्खास्त किया जाना चाहिए।

दरभंगा में दस महीनों से कागज की नाव पर सवार है एम्स की स्थापना की प्रक्रिया

दरभंगा । दरभंगा में बिहार के दूसरे बड़े चिकित्सा संस्थान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना को लेकर चली रही सरकारी कवायद पिछले दस महीनों से कागज की नाव पर सवार है। एम्स की स्थापना को लेकर पहले से जारी नियमों के अनुरूप इसका निर्माण कार्य कैबिनेट की मंजूरी की तिथि से लेकर 48 महीने में पूरी कर ली जानी है। लेकिन, दरभंगा एम्स की स्थापना से जुड़े कार्य अबतक कागज और निरीक्षण के चक्कर में घूम रहे हैं।

बावजूद इसके कि जमीन चिह्नित कर ली गई। उसे एम्स के मानकों पर तैयार कर संबंधित विभाग को सौंप दिया जाना है। स्थानीय स्तर पर कई कार्य किए जाने हैं, जिसे राज्य सरकार को पूरा कराना है।लेकिन, अबतक हुए कार्यों की बात करें तो प्रारंभिक तौर पर की जानेवाली कागजी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इससे संबंधित रिपोर्ट जिला प्रशासन की ओर से भेजा जा चुका है। अब राज्य सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय को इस मामले में फैसला लेना है।

निर्माण कार्य के लिए प्रारंभिक तौर पर आधारभूत संरचना उपलब्ध कराने की बाबत भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव को पत्र भेजा है। पत्र में कहा है कि 15 सितंबर 2020 को केंद्रीय कैबिनेट ने 1264 करोड़ की लागत से बननेवाले दरभंगा एम्स को मंजूरी दी थी। इसके निर्माण कार्य को कैबिनेट की मंजूरी मिलने की तिथि से 48 महीने में पूरा कर लिया जाना है। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से एम्स के लिए चयनित भूमि पर पहले से कुछ प्रारंभिक कार्य कराकर केंद्र को जमीन सौंपना है।

इसमें संबंधित भूखंड को अतिक्रमणमुक्त कराना है, पेयजल, बिजली, सड़क संपर्क जैसे कार्यों के अलावा संबंधित भूखंड पर मिट्टी भराई का काम पूरा किया जाना है। इसके लिए मंत्रालय की ओर से 8 जनवरी 2020 व 15 अक्टूबर 2020 को पत्र भेजा गया। केंद्रीय सचिव ने राज्य सरकार से मुख्य सचिव को कहा है कि इससे पहले सरकार के पूर्व मुख्य सचिव से भी संवाद हुआ था। उन्होंने संवाद से संबंधित तमाम पत्र भी 31 मई 2021 को भेजे गए नए पत्र के साथ संलग्न किए हैं। कहा है कि इस मामले की समीक्षा करें और जितनी जल्दी हो सके स्थानीय स्तर पर कराए जानेवाले कार्य शीघ्र पूरे कर लिए जाएं ताकि एम्स का लाभ शीघ्र राज्य व संबंधित इलाके की जनता को दिया जा सके।

दिसंबर 2020 में स्वास्थ्य राज्य मंत्री व तकनीकी टीम कर चुकी है दौरा- केंद्रीय सचिव ने अपने पत्र में 24 दिसंबर 2020 को केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी चौबे के निरीक्षण और समीक्षा बैठक के साथ-साथ 13 मार्च 2021 को तकनीकी टीम द्वारा किए गए निरीक्षण के बाद 14 अप्रैल 2021 को हुए पत्राचार का भी हवाला दिया है।

बता दें कि दरभंगा मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल परिसर में एम्स के लिए जमीन चयनित है। संबंधित भूखंड के निरीक्षण में केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी चौबे व तकनीकी टीम के साथ स्थानीय सांसद गोपालजी ठाकुर व जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ राज्य स्तर के भी अधिकारी शामिल थे।

बिहार में लालू प्रसाद यादव को नजरअंदाज करना मुश्किल, तीन दशक से उनके आसपास घूम रही सियासत

पटना । राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव शुक्रवार को उम्र के 74वें साल में प्रवेश कर रहे हैं। करीब 31 सालों के उनके राजनीतिक जीवन में कई झंझावात आए, लेकिन बिहार की सियायत में उनकी अहमियत बरकरार रही। चारा घोटाला में लंबे समय तक जेल में रहने के बावजूद विपक्ष की राजनीति उनके आसपास ही घूमती दिखी। अब उनके जमानत पर रिहा होने के बाद बिहार की सियासत फिर नए सिरे से गरमाएगी, यह तय है।

बिहार की राजनीति में लालू अहम किरदार

बिहार की राजनीति पर गौर करें तो आज भी यह लालू विरोध के नाम पर रही है। सत्ता पक्ष के विकास, रोजगार या कानून-व्यवस्था के मुद्दे भी लालू पर आकर ठहर जाते हैं। सत्ता पक्ष लालू-राबड़ी के राज की याद दिला कर अपने काल की तुलना उस दौर से करता है। बीते विधानसभा चुनाव के दौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के तमाम नेताओं के निशाने पर लालू प्रसाद

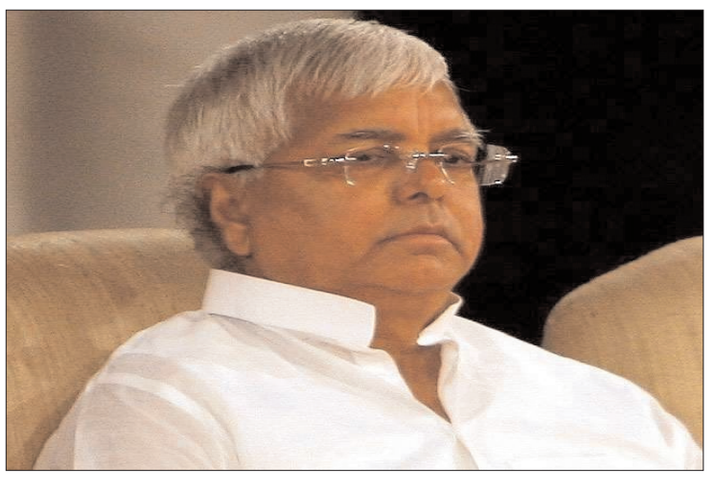

यादव ही रहे। समर्थन हो या विरोध, बिहार की राजनीति में लालू अहम किरदार रहे हैं।

बीते विधानसभा चुनाव ने भी दी मजबूती- बीते लोकसभा चुनाव में आरजेडी की करारी हार के बाद लगा था कि लालू राजनीति के हाशिए पर जा रहे हैं। साथ ही उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव के नेतृत्व पर भी सवाल खड़े हो गए थे। विपक्षी महागठबंधन के अन्य दलों की भी हालत भी कुछ ऐसी ही रही। लेकिन लालू बिहार की राजनीति में बने रहे। बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। इससे न केवल तेजस्वी का कद बढ़ा, बल्कि लालू को भी को मजबूती मिली।

अपने वोटों पर रखते मजबूत पकड़- आखिर लालू का इतना विरोध क्यों इसे जानने के लिए बिहार की सामाजिक संरचना को जानना-समझना होगा। दरअसल, बिहार में आज भी जातिवाद एक जमीनी सच्चाई है। लालू ने अपनी सोशल इंजीनियरिंग में यादवों के साथ मुसलमानों को जोड़कर जो एम-वाई समीकरण बनाया, उसे कोई भी दल नजरअंदाज नहीं कर सकता है। विपक्षी भी मानते हैं कि लालू का जनता से, खासकर ग्रामीण इलाकों में कनेक्ट करने की काबिलियत उन्हें अलग स्थान देती है।

आरजेडी के एम-वाई समीकरण में अन्य राजनीतिक दलों ने सेंध लगा दी है, बदले में दलित-मुस्लिम व दलित आदि जैसे कई वोट बैंक भी बन गए हैं, लेकिन आज भी लालू की अपने वोट बैंक पर पकड़ को नजरअंदाज करना मुश्किल है। ऐसे में लालू अपने विरोध के कारण भी चर्चा में रहते आए हैं।

लालू के बिहार आने पर फिर गरमाएगी सियासत -सवाल उठता है कि अब आगे क्या लालू जमानत पर रिहा होकर अभी दिल्ली में बेटी मीसा भारती के पास हैं। वही मीसा, जिनका जन्म तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लागू आपातकाल के दौर में लालू के मीसा (कानून) के अंतर्गत जेल में रहने के दौरान हुआ था।

खैर, आपातकाल व लालू द्वारा बेटी का नाम मीसा रखने का किस्सा फिर कभी, फिलहाल राजनीति का चक्का घूम गया है। लालू आज महागठबंधन में कांग्रेस के साथ हैं। कोरोना की वर्तमान लहर के खत्म होने के बाद उनके बिहार आने की उम्मीद है। बिहार में उनकी मौजूदगी क्या राजनीतिक गुल खिलाएगी, यह देखना शेष है। फिलहाल, लालू अगर एनडीए से जीतन राम मांझी व मुकेश सहनी का मांह भंग करने में कामयाब हुए तो बिहार में सियायत बड़ी करवट ले सकती है। वैसे मांझी व सहनी ने ऐसी संभावना से इनकार किया है।

गुवाहाटी के इंदिरा गांधी स्टेडियम में राज्य सरकार और DRDO द्वारा स्थापित 300-बेड वाले कोविड अस्पताल का दृश्य।

कोलकाता में ईस्ट बंगाल क्लब के पास एक दवा एक लाभार्थी को कोविड -19 वैक्सीन की एक खुराक देती है।

तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सांसद माला रॉय ने कोलकाता में कोविड -19 प्रेरित लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंद और वंचित बच्चों को मुफ्त भोजन प्रदान किया।

एक नजर

छोटे भाई ने दागी गोली, बड़े भाई की मौत व भाभी की हालत गंभीर, पिता की बंदूक को लेकर हुआ था विवाद

गगल । पुलिस थाना गगल के तहत गांव केटलू में बड़ी वारदात सामने आई है। केटलु गांव में छोटे भाई ने अपने बड़े भाई और भाभी पर गोली दाग दी। इस वारदात में आरोपित के भाई की मौत हो गई है व भाभी को टांडा मेडिकल कॉलेज में उपचाराधीन किया गया है, जिसकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस वारदात के बाद क्षेत्र में सनसनी का माहौल है। गगल पुलिस थाना की टीम मामले की जांच में जुट गई है। यह वारदात रात को पेश आई है। पवन कुमार चौधरी पुत्र पाला राम निबासी गाव केटलु ने अपने बड़े भाई 58 वर्षीय रूमी कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी। भाभी पुष्पा देवी गोली के छर्रे लगने से घायल है। गगल पुलिस थाना के प्रभारी मेहर दीन ने बताया उपरोक्त दोनों सगे भाइयों में अकसर झगड़ा होता रहता था। बीती रात भी आरोपित पवन कुमार अपने भाई रूमी के घर आया और किसी बात को लेकर गाली गलौज करने लगा। दोनों में पिता द्वारा ली गई बंदूक को लेकर खूब बहस हुई। पिता की मृत्यु के बाद उपरोक्त बंदूक रूमी कुमार के नाम पर है। आरोपित ने कहा पिता की बंदूक पर उसका भी हक है। काफी बहस के बाद वो उनके घर से चला गया। थोड़ी देर बाद चुपके से बंदूक को घर से उठाकर ले गया। रात को जब उसका भाई रूमी व उसकी पत्नी पुष्पा लघु शंका के लिए बाहर आये थे और आंगन में चले थे तो पवन कुमार ने उसी बंदूक से आंगन में खड़े होकर उन पर फायर कर दिया। जिस पर उपरोक्त दोनों को घायल अवस्था में टांडा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने रूमी कुमार को मृत घोषित कर दिया व उसकी पत्नी को उपचार के लिए टांडा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कर लिया गया है, जिसकी अभी हालत स्थिर है।

दोहरानाला के डाबरी गांव में मकान में भड़की आग, दमकल टीम ने बचाई लाखों की संपत्ति

कुल्लू । जिला कुल्लू मुख्यालय से 13 किलोमीटर दूर दोहरानाला के डाबरी गांव में सुबह सवेरे अचानक एक मकान में आग भड़क उठी। तीन कमरे के पक्के मकान में अचानक आग लगने से आसपास लोगों में दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत आग लगने की सूचना अग्निशमन विभाग को दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग के कर्मचारी फायर टेंडर लेकर घटनास्थल पर पहुंचे व आग बुझाने में जुट गए। अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस आग लगने की घटना में 2 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने 1000000 रुपये की संपत्ति राख होने बचा ली है। अग्निशमन विभाग के अधिकारी दुर्गा सिंह ने बताया कि डाबरी गांव में सुबह आग लगने की घटना घटित हुई है, जिसमें स्थानीय निवासी कृष्णा देवी को 2 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की जानकारी नहीं मिल पाई है। दमकल विभाग की टीम ने समय रहते पहुंच कर लाखों रुपये की संपदा को आग की चपेट में आने से बचा लिया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से प्रभावित परिवार की आर्थिक मदद करने की अपील की है।

घट्टा के जंगल में भड़की आग- जोगेंद्रनगर। वन मंडल जोगेंद्रनगर में फिर आग से जंगल दहक उठे हैं। घट्टा सिथत जंगल में भड़की आग से बहुमूल्य वनसंपदा को नुकसान पंहुचा है। आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग ने अहम भूमिका निभाई, जिस कारण करीब तीन हजार पौधे जलने के बच गए। यहां आग मंडी-पठानकोट हाईवे पर आ पंहुची थी, जिस कारण वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई। आग से हाईवे पर धुआं फैल जाने से सफर मुश्किल हो गया था। जोगेंद्रनगर रेंज के वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेंद्र डोगरा ने बताया शहर से करीब 15 किलोमीटर दूर मंडी-पठानकोट हाईवे से सटे घटटा के जंगलों में अचानक आग भड़क उठी।

18 साल से कम उम्र के बच्चों में ब्लैक फंगस को लेकर केंद्र की गाइडलाइंस, जानें क्या है हिदायतें

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने बुधवार को 18 साल से कम उम्र के किशोरों व बच्चों में ब्लैक फंगस या म्यूकरमाइकोसिस के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, म्यूकरमाइकोसिस गंभीर फंगस संक्रमण है जो स्टेरॉयड के गलत या अधिक मात्रा में इस्तेमाल, कैंसर, अंग या स्टेम सेल के प्रत्यारोपण, डायबीटिज को उपयुक्त तरीके से नियंत्रित न करने या फिर लंबे समय तक आइसीयू में इलाज की वजह से होता है। छत्त।ष्ट ने अपने गाइडलाइन में कहा, म्यूकरमाइकोसिस का इलाज शुरू करने के लिए टेस्ट के नतीजों का इंतजार न करें क्योंकि यह एक इमरजेंसी है।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के नाम पर नौकरी दिलाने के बहाने ठगी, 27000 बेरोजगार फंसे इस जाल में

अहमदाबाद । पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के नाम पर नौकरी दिलाने के बहाने ठगी का मामला सामने आया है। इस फर्जी नेटवर्क के जाल में गुजरात के हजारों युवक फंसकर लाखों रुपए गंवा चुके हैं। भारतीय जन स्वास्थ्य ग्रामीण कल्याण संस्थान के नाम से इंटरनेट मीडिया में मैसेज वायरल कर बेरोजगार युवकों को ढकने वाले एक गिरोह का पता चला है। इंटरनेट मीडिया में भर्ती की पोस्ट वायरल करके बेरोजगार युवकों को स्वास्थ्य विभाग में मेडिकल ऑफिसर कंप्यूटर ऑपरेटर ड्राइवर आदि पदों पर नौकरी का झांसा देकर ढाई से तीन हजार रुपए पंजीकरण शुल्क के नाम पर ऑनलाइन ठग लेते हैं। मैसेज के साथ दी गई लिंक पर जाने पर वहां भारतीय जन स्वास्थ्य ग्रामीण कल्याण संस्थान का पेज खुलता है जिसमें 2005 में किसी योजना का उद्घाटन डॉ मनमोहन सिंह के द्वारा किया गया बताया गया जबकि डॉ मनमोहन सिंह अथवा किसी भी केंद्र सरकार ने इस तरह की योजना की कभी शुरुआत ही नहीं की। वेबसाइट भी सरकारी ग्रुप जीओवी के बजाय ओआरजी के डोमेन के साथ घूमती है। गुजरात पुलिस ने इस पोस्ट की जांच की तो इसका डोमेन व रजिस्ट्रेशन 12 दिन पहले का ही बताता है। इसका आईपी लोकेशन हरियाणा का फरीदाबाद क्या बताता है इसमें दिए गए ईमेल आईडी भी निजी है तथा उनका सरकार से कोई लेना देना नहीं है। गुजरात के करीब 27000 बेरोजगार इस जाल में फंस चुके हैं और लाखों रुपए पंजीकरण शुल्क तथा यूनिफॉर्म आदि के नाम पर ठगे जा चुके हैं। पुलिस ने आशंका यह भी जताई है कि इसके जरिए बड़ी संख्या में गुजरात के लोगों के आधार व पान कार्ड नंबर के डेटा भी चुरा लिए गए। गुजरात सरकार में भर्ती के नाम पर 260 युवकों से ठगी। गांधीनगर पुलिस ने गुजरात सरकार की गौण सेवा पसंदगी मंडल संस्था के नाम से युवकों को डिप्टी कलेक्टर क्लर्क ग्राम सेवक तथा तहसीलदार के पदों पर भर्ती कराने का झांसा देकर 40 से 50 हजार रुपए एक एक बेरोजगार से ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर गांधीनगर की स्लीप इन होटल के कमरों पर छापा मारकर वलसाड की उप जिलाधीश बनकर बैठी हेतवी पटेल तथा उसके 4 साथी संजय पटेल प्रणव पटेल कुणाल मेहता तथा नीरज गरासिया को धर दबोचा।

बारिश से बेहाल मुंबई, कई रूट्स पर लोकल सेवाएं ठप; अगले 4 दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी

मुंबई । मुंबई में मानसून ने तगड़ी दस्तक दे दी है। पहले ही दिन की भारी बारिश से देश की आर्थिक राजधानी तथा उसके उपनगरों में कई स्थानों पर पानी भर गया। इससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ और सड़क यातायात के साथ ही लोकल ट्रेन सेवाएं भी बाधित हुईं। बुधवार सुबह शुरू हुई जोरदार बारिश के कारण महानगर के कई इलाके जलभराव से जूझते रहे। स्थानीय एवं बाहर से आनेवाली ट्रेनों पर असर पड़ा है। बसों के मार्ग बदलने पड़े हैं। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक तेज बारिश की चेतावनी दी है। इस बीच मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मुंबई महानगरपालिका के आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुंबई में सुबह से ही तेज बारिश शुरू हो गई थी। उपनगरों में रफ्तार ज्यादा तेज रही।

मुंबई के ईस्टर्न एवं वेस्टर्न हाईवे पर लंबा जाम- मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के आयुक्त इकबाल सिंह चहल के मुताबिक सायन एवं चूनाभट्टी क्षेत्र में सुबह नौ से 10 बजे के बीच सिर्फ एक घंटे में 60 मिलीमीटर (मिमी) से अधिक बारिश हुई। मौसम विभाग के सांताक्रूज केंद्र ने खबर लिखे जाने तक करीब 165 मिमी एवं कुलाबा केंद्र ने करीब 32 मिमी बारिश रिकार्ड की है। कई जगह जलभराव से मुंबई के ईस्टर्न एवं वेस्टर्न हाईवे पर लंबा जाम लग गया। अंधेरी, मिलन, खार एवं मालाड सबवे से आवागमन बंद करना पड़ा। महानगर के बीच से बहनेवाली मीठी नदी का पानी कुर्ला उपनगर की कई बस्तियों में जा घुसा।

यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा

रेलवे ट्रैक पर पानी भरने से कुर्ला एवं छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के बीच कुछ समय तक ट्रेनें रुकी रहीं। बाहर से आनेवाली लंबी दूरी की कुछ ट्रेनों को ठाणे में ही स्थगित करना पड़ा। इसके कारण गंतव्य तक पहुंचने के लिए यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। भारी बारिश के कारण मुंबई के विभिन्न हिस्सों में पानी भर गया और इसके कारण यातायात पुलिस को चार सबवे बंद करने पड़े, वहीं कई चालकों को अपने वाहन सड़कों पर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। लोकल ट्रेन सेवाएं भी बाधित हुईं जो केवल स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं में लगे कर्मियों के लिए चल रही हैं।

पुलिस उपायुक्त (यातायात) पश्चिमी उपनगर सोमनाथ घरगे ने कहा कि हमने कुछ स्थानों पर दो फुट तक पानी भर जाने के कारण चार सबवे बंद कर दिए हैं। हालांकि, एसवी रोड, लिंकिंग रोड और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर यातायात सुचारू है। अधिकारी ने कहा कि भारी बारिश के कारण दृश्यता कम हो गई और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। इसलिए यातायात पुलिस कर्मी ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सड़कों पर तैनात किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सड़कों पर फंसे वाहनों को हटाने के लिए क्रेन का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस बीच पुलिस ने मुंबई वासियों से अपने घरों से अनावश्यक बाहर नहीं निकलने की अपील की है।

मुंबई में अगले 4 दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट- मॉनसून की दस्तक के साथ ही मुंबई में अगले 4 दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मुंबई में मौसम विभाग ने आज के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि अगले 4 दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मुंबई में भारी बारिश के बीच मौसम विभाग ने कोंकण किन्नरपट्टी (तटीय पट्टी) के कुछ जिलों के लिए येलो और रेड अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी मुंबई की साइंटिस्ट शुभांगी भूटे ने कहा कि आज मुंबई के लिए रेड अलर्ट और अगले 4 दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मुंबई सहित कोंकण किन्नरपट्टी में अगले 4 दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। मुंबई के समंदर में आज सुबह 11:43 बजे 4.16 मीटर ऊंची हाई टाइड आएगी। मुंबई के कोलाबा में अभी तक 77 मिलीमीटर बारिश दर्ज की जा चुकी है। वहीं, सांताक्रूज में 60 एमएम बारिश दर्ज की जा चुकी है।

बैंक का चपरासी एटीएम कार्ड का क्लोन बनाकर दूसरों के खातों से निकाल लेता पैसा

उदयपुर । गुजरात क्राइम ब्रांच की टीम ने एटीएम कार्ड के क्लोन बनाकर दूसरों के खातों से रकम निकालने के मामले में बांसवाड़ा से बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा के एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (चपरासी) को गिरफ्तार किया है। उसके यहां से एक लग्जरी कार (स्कोडा), 94 एटीएम कार्ड, लैपटॉप सहित कई ऐसी चीजें बरामद की, जिसके जरिए वह एटीएम कार्ड के क्लोन बनाता था। पुलिस ने उसके यहां से एक बाइक तथा 38 हजार 300 रुपए भी बरामद किए।

मिली जानकारी के अनुसार आरोपी हरियाणा के सांसी-रोहतक निवासी अमित पुत्र राजकुमार महाला है, जो बैंक ऑफ बड़ौदा की बांसवाड़ा जिले की गांगड़तलाई शाखा में सेवारत है। गुजरात क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में आने के बाद उसने बताया कि एटीएम कार्ड के क्लोन तैयार करने में उनकी पूरी गैंग काम करती है। वह लोगों की मदद के बहाने या लोगों के एटीएम से पैसा निकालते समय उन पर निगाह रखकर किसी तरह उनका पिन जान लेता। जिसके बाद वह और उसके साथी दूसरों के एटीएम कार्ड के क्लोन तैयार कर लेते और बाद में उनके बैंक खाते से रुपए निकाल लेते। अब तक उन्होंने सैकड़ों लोगों के खातों से रुपए निकाले लेकिन यह राशि कितनी होगी, उन्हें पता नहीं।

अमित ने गुजरात क्राइम ब्रांच की टीम को बताया कि वह क्लोन एटीएम कार्ड का उपयोग अकसर गुजरात में ही लेते। वहां दाहोद शहर के अलावा लिमडी और झालोद, पंचमहल जिले के मोरवा, हड़क और गोधरा शहर, अरवल्ली जिले के मोडासा और मालपुर के अलावा महीसागर जिले के लुनावाड़ा के एटीएम सेन्टर पर सबसे ज्यादा क्लोन के एटीएम कार्ड उपयोग में लिए। इसी दौरान उन्होंने गुजरात के एक पुलिसकर्मी के खाते से भी रुपए चुरा लिए और उसके मामला दर्ज कराए जाने के बाद दूसरे लोगों ने भी उनके खातों से रुपए निकालने की शिकायत विभिन्न थानों में की थी।

गुजरात क्राइम ब्रांच ने सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपी अमित की पहचान की और गुजरात क्राइम ब्रांच के निरीक्षक भाविक शाह के नेतृत्व में आई टीम ने उसे बांसवाड़ा से धर दबोचा। बैंक के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की लग्जरी लाइफ देखकर गुजरात क्राइम ब्रांच की टीम भी ठगी से रह गई।

आरोपी सज्जनगढ़ बस स्टैण्ड पर वर्धमान कॉम्पलेक्स के पास किराए का मकान लेकर रहा था। जिस तरह की लग्जरी लाइफ वह जी रहा था, उससे नहीं लगता कि वह चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी होगा। उसके पास स्कोडा लग्जरी कार, एक बाइक, लैपटॉप, स्कैनर मशीन, विभिन्न लोगों के नाम से बने 94 एटीएम कार्ड, कई ब्लैंक एटीएम कार्ड बरामद हुए। गुजरात क्राइम ब्रांच की टीम उसे अपने साथ दाहोद ले गई।

मलाड में इमारत गिरने से 11 लोगों की मौत, मकान मालिक व ठेकेदार पर दर्ज होगा केस

मुंबई । मुंबई के मलाड वेस्ट में बुधवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। यहां न्यू कलेक्टर कंपाउंड में एक चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई , जबकि 7 लोग घायल हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में आठ बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा कम से कम 18 लोगों को बचा लिया गया है। बृहन्मुंबई नगर निगम ने इसकी जानकारी दी है। इस बीच जानकारी सामने आई है कि मकान मालिक और ठेकेदार के खिलाफ मुंबई पुलिस आईपीसी की धारा 304 (2) (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज करेगी। उन्होंने हाल ही में चक्रवात टाक्टे के बाद कुछ संरचनात्मक परिवर्तन किए थे। संयुक्त सीपी (कानून और व्यवस्था) विश्वास नांगरे पाटिल ने इसकी जानकारी दी है।

बीएमसी के अनुसार आसपास की इमारतों को भी खाली करवा लिया गया है, क्योंकि इनकी हालत खराब है। फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने और बचाव कार्य जारी है। घायलों को बीडीबीए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मलाड पश्चिम के अतिरिक्त सीपी दिलीप सावंत ने कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। यह एक जी+2 बिल्डिंग थी जो दूसरी बिल्डिंग पर गिरी। 11 की मौत हो गई। पुलिस उचित जांच करेगी और आगे की कार्रवाई करेगी। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में मानसून के दौरान इमारत गिरने की काफ घटनाएं सामने आती हैं। बता दें कि बुधवार मानसून ने दस्तक दी। जोरदार बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक तेज बारिश की चेतावनी दी है।

इमारतों के मलबे को हटाया जा रहा

घटना स्थल पर पहुंचे महाराष्ट्र के मंत्री असलम शेख ने कहा कि बारिश के कारण इमारतें गिर गई हैं। बचाव अभियान जारी है। घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। इमारतों के मलबे को हटाया जा रहा है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि और कहीं लोग फंसे हैं या नहीं। मौके पर मौजूद एक स्थानीय व्यक्ति सिद्दीकी ने कहा कि यह घटना रात करीब 10 बजे हुई। घटना रात करीब 10:15 बजे हुई। दो लोगों द्वारा हमें इमारत छोड़ने के लिए कहने के बाद वे बाहर आए। जैसे ही वो बाहर निकले उन्होंने देखा कि उनकी इमारत के पास एक डेयरी सहित तीन इमारत ध्वस्त हो गए हैं।

कोरोना में फेफड़ों के जांच के लिए प्रभावशाली है एक्सरे-सेतु

नई दिल्ली । कोरोना के खिलाफ लड़ाई में रोजाना नए आविष्कार किए जा रहे हैं। पर सबसे प्रभावी इनोवेशन वहीं है जो कोरोना का जल्द से जल्द प्रभावशाली समाधान दें। इसी क्रम में कोविड-19 के खिलाफ फौरन कार्रवाई करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लेटफार्म एक्सरेसेतु एक कारगर और सशक्त उपाय के तौर पर सामने आया है। भारत के ग्रामीण इलाकों में कोविड ने कहर बरपा कर रखा है, जिसे मद्देनजर रखते हुए, तेज गति से जांच करना, यह जानना कि किस मरीज का किन-किन लोगों से संपर्क हुआ और कंटेनमेंट जोन बनाना बहुत जरूरी हो गया है। कुछ शहरों में कोविड जांच में एक सप्ताह से भी ज्यादा समय लग जाता है, ऐसी स्थिति में ग्रामीण इलाकों में चुनौती बहुत कठिन है। आसान वैकल्पिक जांच की जरूरत है, क्योंकि आरटी-पीसीआर जांच से भी कभी-कभी कुछ वैरियंट्स के मामले में 'फाल्स निगेटिव' रिपोर्ट आ जाती है। इसका मतलब है कि जांच में वेरिएंट विशेष का पता नहीं लग पाता।

ये है एक्सरे-सेतु- इसके तहत छाती का एक्स-रे करके उसे डॉक्टरों के पास व्हाट्सएप के जरिये भेज दिया जायेगा। डॉक्टर उसे एक्स-रे मशीन पर देख सकते हैं। इस प्रक्रिया का नाम एक्स-रे सेतु रखा गया है। इसमें कम रेजोल्यूशन वाली फोटो को मोबाइल के जरिए भेजा जा सकता है। ग्रामीण इलाकों में कोविड की जांच और कार्रवाई के लिए इससे आसानी और तेजी से काम हो सकता है। भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के नॉन फॉर प्रॉफिट फाउंडेशन आर्टपार्क को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की सहायता से स्थापित किया गया है। बेंगलुरू स्थित हेल्थ-टेक स्टार्टअप निरामय और भारतीय विज्ञान संस्थान ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के साथ मिलकर एक्स-रे सेतु का विकास किया है। इसे कोविड पॉजिटिव मरीजों की पहचान करने और व्हाट्सएप के जरिए उनकी छाती के एक्स-रे को कम रेजोल्यूशन पर डॉक्टर तक भेजने की सुविधा के लिये तैयार किया गया है। इसमें प्रभावित इलाकों का विश्लेषण और उसे रंगों के जरिए मानचित्र (हीट मैप) द्वारा समीक्षा भी की जायेगी। यह समीक्षा डॉक्टरों के लिए उपलब्ध रहेगी, ताकि वे आसानी से हालात के बारे में जान सकें।

ऐसे करेगा काम

स्वास्थ्य की जांच करने के लिये किसी भी डॉक्टर को सिर्फ www.xraysetu.com पर जाकर 'ट्राई दी फ्री एक्स-रे सेतु बीटा' बटन को क्लिक करना है। उसके बाद यह प्लेटफार्म उन्हें सीधे दूसरे पेज पर ले जाएगा, जहां उक्त डॉक्टर वेब या स्मार्टफोन एप्लीकेशन के जरिए व्हॉट्सएप आधारित चैट-बॉट से जुड़ जाएंगे। इसके अलावा डॉक्टर लोग एक्स-रे सेतु सेवा शुरू करने के लिये +91 8046163838 पर व्हॉट्सएप संदेश भेज सकते हैं। उन्हें बस मरीज के एक्स-रे इमेज को क्लिक करना है और चंद मिनटों में ही सम्बंधित तस्वीरें और निदान की पूरी व्याख्या वाले दो पेज निकल आएंगे। कोविड-19 का किसी विशेष स्थान पर ज्यादा प्रभाव डालने की संभावना को ध्यान में रखते हुये, रिपोर्ट में डॉक्टरों की सुविधा के लिये हीट-मैप का भी उल्लेख रहेगा।

कोरोना से मौतों ने तोड़ा रिकॉर्ड, सिर्फ एक दिन में दर्ज हुए 6148 केस, जानें- कैसे अचानक हुआ इजाफा

नई दिल्ली । कोरोना के नए केसों की रफ्तार भले ही बीते तीन दिनों से थमी हुई है, लेकिन मौतों के आंकड़े ने डरा दिया है। बीते 24 घंटे में कोरोना के चलते 6148 लोगों की मौत दर्ज की गई है। यह आंकड़ा एक रिकॉर्ड। भारत में कोरोना संक्रमण की शुरुआत से अब तक किसी भी दिन इतनी मौतों का आंकड़ा सामने नहीं आया था। हालांकि, इसमें 3900 पुरानी मौतें हैं।

पिछले एक दिन में कोरोना के 94,052 नए केस मिले हैं। इसके अलावा 1,51,367 लोग डिस्चार्ज हुए हैं। इस तरह से देखें तो नए केस के मुकाबले रिकवरी रेट डेढ़ गुना है।

कोरोना से एक दिन में मौतों का यह आंकड़ा इसलिए बढ़ा है क्योंकि बिहार ने अपना डेटा रिवाइज किया है। बिहार में कोरोना से मौतों के 3900 पुराने मामलों को भी बीते एक दिन में गई जानों में जोड़ दिया गया है। इसके चलते यह आंकड़ा काफी बड़ा दिख रहा है। यदि बिहार के 3,900 केसों को हटा दें तो पिछले एक दिन में 2248 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा देश में कुल एक्टिव केसों की संख्या में भी तेजी से कमी आ रही है। भारत में फिलहाल अब एक्टिव केसों की संख्या 12 लाख से भी कम होते हुए 11,67,952 ही रह गई है। 60 दिन बाद एक्टिव केसों की संख्या में इतनी कमी आई है। पिछले 24 घंटों में ही एक्टिव केसों की संख्या में 63,463 की कमी आई है। इसके अलावा ऐसा लगातार तीसरे दिन है, जब नए केसों की संख्या 1 लाख से कम दर्ज की गई है। यही नहीं नए केसों के मुकाबले रिकवरी ज्यादा होने का भी यह 28वां दिन है।

कोरोना वैक्सीन की दो डोज लेने के बाद बूस्टर डोज कितना है जरूरी?

नई दिल्ली । वैक्सीन बूस्टर डोज दिसंबर, 2020 में ब्रिटेन की 90 वर्षीय मार्गरेट कीनन को फाइजर के कोरोनारोधी टीके की पहली डोज लगी थी। क्लीनिकल अप्रूवल के बाद टीका लगवाने वाली वह दुनिया की पहली व्यक्ति बनी थीं। तब से दुनियाभर में पौने दो अरब के करीब टीके लगाए जा चुके हैं। इस बीच एक नया सवाल यह सामने आ रहा है कि कोई टीका कितने समय तक किसी को बचाने में कारगर है। साथ ही बूस्टर डोज की जरूरत को लेकर भी बातें होने लगी हैं। बूस्टर डोज की जरूरत है या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि लंबी अवधि में कोरोना वायरस के खिलाफ हमारा इम्यून सिस्टम किस तरह काम करेगा और किस तरह से वायरस अपना रूप बदलेगा यानी उसके वैरिएंट सामने आएंगे। बहरहाल जिस तेजी से कोरोना वायरस के वैरिएंट सामने आ रहे हैं, उससे बूस्टर डोज की जरूरत को लेकर आवाज उठने लगी है।

वायरस के खिलाफ हमारा इम्यून सिस्टम काम कैसे करता है : हमारे इम्यून सिस्टम की बी-सेल्स और टी-सेल्स मिलकर किसी वायरस का सामना करती हैं। इसी प्रक्रिया में शरीर में एंटीबॉडी बनती है। वैक्सीन इसी के जरिये शरीर में एंटीबॉडी के निर्माण में मदद करती है। इस दौरान शरीर में उस वायरस से संबंधित यादें संरक्षित हो जाती हैं। दोबारा उस तरह का वायरस आते ही इम्यून सिस्टम फिर सक्रिय हो जाता है और उसे खत्म कर देता है।

कुछ मामलों में यह याद बहुत लंबे समय तक बनी रहती है और वायरस आते ही इम्यून सिस्टम फिर सक्रिय हो

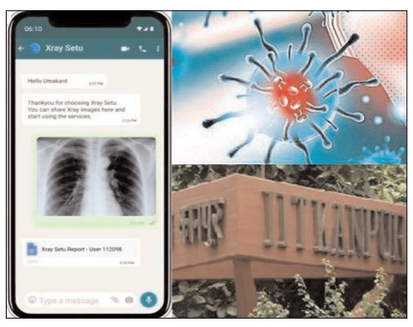

उठता है। वहीं कुछ मामलों में यह याद ज्यादा लंबे समय तक नहीं बनी रह पाती है। ऐसी स्थिति में वैक्सीन की बूस्टर डोज कारगर हो सकती है।

विज्ञानियों का कहना है कि वायरस के वैरिएंट आना नई बात नहीं है। सवाल यह है कि वैरिएंट कितना असर करते हैं। कोरोना के नए-नए वैरिएंट को देखते हुए यह प्रश्न भी उठने लगा है कि मौजूदा टीके इन पर कितने कारगर हैं। फिलहाल फाइजर-बायोएनटेक और ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका के टीकों को नए व ज्यादा संक्रामक विभिन्न वैरिएंट पर भी कारगर पाया गया है। हालांकि अगर दिखता है कि नए वैरिएंट पर वैक्सीन का असर कुछ कम है, तो बूस्टर डोज की जरूरत पड़ सकती है।

बूस्टर की हो रही तैयारी: बूस्टर डोज को लेकर धीरे-धीरे कदम बढ़ रहे हैं। पिछले महीने फाइजर के सीईओ अल्बर्ट बॉरला ने कहा था कि टीके की दोनों डोज के 12 महीने के भीतर लोगों को तीसरी डोज की जरूरत पड़ सकती है। इससे कुछ वक्त पहले ही भारत बायोटेक को भारत सरकार ने कोवैक्सीन की तीसरी डोज का ट्रायल करने की अनुमति दी है। हालांकि अभी कोविड-19 का कारण बने सार्स-कोव-2 वायरस को लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता है, क्योंकि महामारी बमुश्किल डेढ़ साल पुरानी है। अभी यह कहना मुश्किल है कि हमें हर साल टीके की डोज लेनी पड़ेगी या पहले साल एक बूस्टर डोज से काम चल जाएगा। बूस्टर डोज लेनी पड़ेगी या नहीं, अभी यह भी पूरी तरह तय नहीं है।

इम्यून बूस्ट के लिए कैसे काम करेगी तीसरी डोज : जानकार बताते हैं कि विभिन्न वैरिएंट वैक्सीन के असर को निष्क्रिय करते हुए आगे नहीं बढ़ते हैं, बल्कि इनकी अत्यधिक संक्रामक क्षमता इन्हें आगे बढ़ाती है। यही कारण है कि इनके खिलाफ नया टीका विकसित करने की जरूरत नहीं महसूस की जा रही है।

तीसरी यानी बूस्टर डोज ही शरीर को अतिरिक्त इम्यून रेस्पांस देने में सक्षम हो सकती है, जिससे नए वैरिएंट का सामना करना भी आसान हो जाएगा। अभी दुनियाभर में किसी व्यक्ति को अलग-अलग टीके लगाने के असर पर भी शोध चल रहा है। इसके सकारात्मक नतीजे आए, तो भविष्य में बूस्टर डोज के तौर पर पहले लग चुके टीके से इतर कोई टीका लगाने का रास्ता भी अपनाया जा सकता है। इससे भी महामारी के संकट को खत्म करने में मदद मिलेगी।

सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल के फैन्स के लिए गुड न्यूज

इस शो में साथ आ सकते हैं नजर

बिग बॉस 13 के बाद से ही सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल की जोड़ी दर्शकों के दिल में बसती है। चाहें बात ऑनस्क्रीन की हो या फिर ऑफस्क्रीन की, फैन्स इन दोनों सितारों को एक साथ देखना चाहते हैं। ऐसे में फैन्स को एक गुड न्यूज मिल सकती है।

एक साथ नजर आ सकते हैं सिडनाज

फैन्स सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल की जोड़ी को सिडनाज कहते हैं। वहीं सिडनाज के फैन्स के लिए एक गुड न्यूज ये है कि दोनों जल्दी एक साथ ऑनस्क्रीन नजर आ सकते हैं। कहा जा रहा है कि सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल जल्द ही सीरियल 'कुमकुम भाग्य' के अभि और प्रज्ञा बनने वाले हैं।

शदमन खान की है इच्छा

बता दें कि सीरियल 'कुमकुम भाग्य' के कास्टिंग डायरेक्टर शदमन खान 'कहां हम कहां तुम', 'हॉफ मैरिज', 'लाल इश्क' और 'ये हैं चाहतें' जैसे कई शोज की कास्टिंग कर चुके हैं। ऐसे में अब टेलीचक्कर के साथ बातचीत में शदमन ने कहा, 'अगर सीरियल कुमकुम भाग्य का रीबूट शो बनता है तो मैं सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल को कास्ट करना चाहूंगा। सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल की पर्सनैलिटी अभि और प्रज्ञा के किरदार से काफी मिलती जुलती हैं।'

सही कास्टिंग है मुश्किल

इंटरव्यू में शदमन ने इस बात का भी जिक्र किया है कि किसी भी शो के लिए कास्टिंग काफी मुश्किल काम होता है। अगर शो के सितारे किरदारों के हिसाब से सटीक नहीं हैं तो फिर सब कुछ अधूरा रह जाता है। वहीं शदमन ने आगे कहा कि वेब सीरीज के लिए कास्टिंग करना टीवी और फिल्म से ज्यादा कठिन होता है। गौरतलब है कि सिडनाज के फैन्स हमेशा उन्हें एक साथ देखना चाहते हैं।

ख्वाबों के परिंदे का टीजर रिलीज, तीन दोस्त और एक अजनबी की है कहानी

3 दोस्त, 1 अजनबी और अनगिनत यादों के साथ जीवन की यात्रा – ख्वाबों के परिंदे, वूट की एक बिल्कुल नई पेशकश, जिसमें आशा नेगी, मृणाल दत्त, मानसी मोघे और तुषार शर्मा ने अभिनय किया है। तपस्वी मेहता द्वारा निर्देशित, यह शो दोस्ती, आशा, यात्रा और स्वयं और जीवन की फिर से खोज का जश्न मनाता है।

क्या है टीजर

बहुप्रतीक्षित श्रृंखला में एक आवेगी जंगली बच्चा, एक व्यावहारिक लड़का, सरल और चुलबुली अच्छी लड़की और एक विचित्र ऊबड़-खाबड़ सहयात्री मेलबर्न से पर्थ के सुंदर परिदृश्य की यात्रा करते हुए दिखाई देंगे, जो उन्हें एक यात्रा पर गिरने का मौका देता है। प्यार करो, डर से लड़ो और घावों को ठीक करो। टीजर में चार युवाओं द्वारा खुद का एक बिल्कुल नया संस्करण खोजने के इस महाकाव्य साहसिक कार्य की केवल एक झलक दिखाई गई है।

14 जून को होगा रिलीज

बिंदिया, दीक्षित, मेघा और तुषार के जीवन की यात्रा में रहने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि वे मस्ती करते हुए और अप्रत्याशित संबंधों का निर्माण करते हुए अपनी गहरी समस्याओं को उजागर करते हैं। यह शो केवल वूट पर 14 जून से स्ट्रीम होगा।

मैंने स्टार बनने के बारे में सोचकर कभी भी फिल्में नहीं चुनी

अभिनेत्री मृनाल ठाकुर आने वाले समय में 'तूफान', 'जर्सी' और 'आंख मिचोली' जैसी फिल्मों में नजर आने वाली हैं। उनका कहना है कि उन्होंने हमेशा ऐसी परियोजनाओं का चयन किया है, जिनसे उन्हें इंडस्ट्री में लंबे समय तक बने रहने में मदद मिले। मृनाल का कहना है कि उनका ध्यान हमेशा अपने हर किरदारों में खरा उतरना रहा है। उन्होंने बताया, ''मुझे इस बात की खुशी है कि फिल्में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच रही हैं। ऐसे कुछ लोग और फिल्ममेकर्स रहे हैं, जिन्होंने मुझे कुछेक ऐसी फिल्मों को करने का सुझाव दिया है, जिससे कि मैं फेमस हो जाऊं, लेकिन मैंने कभी भी स्टार बनने के लिए फिल्में नहीं चुनी हैं। मैं यहां अधिक समय तक बने रहना चाहती हूं। आपकी प्रतिभा और आपका परफॉर्मेंस भी टिका रहता है।'' वह आगे कहती हैं, ''चाहे कोई भी फिल्म मेरे रास्ते आए, उसकी कहानी बेहतर होनी चाहिए। अगर आप मुझसे व्यक्तिगत तौर पर पूछेंगे तो मेरा काम बस फिल्म का हिस्सा बनना है। यही मेरा सपना रहा है। शुक्र है ओटीटी का, जिसने महामारी के समय में साथ दिया है। एक कलाकार होने के नाते अगर मैं ओटीटी के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन कर पा रही हूं, तो इससे भला और क्या हो सकता है।''

लीग से हटकर कुछ अलग करती दिखीं कीर्ति कुल्हारी

2 जून को फिल्म 'शादीस्थान' का फर्स्ट लुक रिवील होने के बाद अब फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। कीर्ति कुल्हारी स्टारर 'शादीस्थान' का तीन मिनट का ट्रेलर समाज को लेकर कई सारे सवाल आपने जेहन में छोड़ जाता है। फिल्म का प्रीमियर 11 जून को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर होगा।

कैसा है ट्रेलर

बता दें कि शादीस्थान के ट्रेलर में कीर्ति का अंदाज अभी तक के उनके सभी किरदारों से एक दम अलग है। एक ओर जहां कीर्ति का लुक काफी कूल है तो वहीं दूसरी ओर उनका म्यूजिकल अवतार भी फैन्स को पसंद आ रहा है। इसके साथ ही ट्रेलर में कुछ डायलॉग्स काफी सटीक हैं, जो सीधे आपको छू जाते हैं। फिल्म का निर्देशन राज सिंह चौधरी ने किया है, जिन्होंने कार्तिक चौधरी और निशंक वर्मा के साथ पटकथा और संवादों का सह-लेखन भी किया है।

कीर्ति का करियर

गौरतलब है कि कीर्ति को आखिरी बार परिणीति चोपड़ा स्टारर 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' फिल्म में देखा गया था वहीं इसके पहले वो क्रिमिनल जस्टिस : बिहाइंड क्लोज्ड डोर्स, उरी, इंदु सरकार, फोर मोर शॉट्स और मिशन मंगल जैसी फिल्मों में अपना दम दिखा चुकी हैं।

मैं अपनी पत्नी का फेवरेट एक्टर नहीं हूं

अभिनेता अभिषेक बनर्जी का कहना है कि उनकी पत्नी टीना नोरोन्हा की खुशी का उस वक्त कोई ठिकाना नहीं था, जब उन्हें फिल्म 'भेड़िया' के लिए चुना गया था। लेकिन ऐसा इसलिए था क्योंकि उन्हें फिल्म के हीरो वरुण धवन से मिलने का मौका मिलता। अभिषेक ने बताया, ''मैं अपनी पत्नी का फेवरेट एक्टर नहीं हूं। उनके पसंदीदा कलाकारों में कोई और है। वह वरुण धवन की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं। जब उन्हें पता चला कि मैं वरुण के साथ काम कर रहा हूं, तो वह बहुत खुश हुई, लेकिन मेरे लिए नहीं, बल्कि इसलिए क्योंकि उन्हें वरुण संग मिलने का मौका मिलता।'' वह आगे कहते हैं, ''वह इसलिए भी खुश थीं कि क्योंकि फिल्म के लिए वरुण के साथ मुझे ट्रेनिंग लेना था। टीना ने मुझसे कहा कि जो मैं 10 साल में नहीं कर पाई, वरुण ने उसे दो महीने में कर दिखाया। वह इस बात से खुश थीं कि कोई मुझे फिटनेस के लिए मोटिवेट कर सकता है और मुझे भी इस हेल्दी लाइफ को जीने में मजा आ रहा है। वरुण को इसके लिए शुक्रिया।'' अपने करियर ग्राफ में आ रहे बदलाव को लेकर अभिषेक कहते हैं, ''मेरे लिए कहानी मायने रखती है और मैं सिर्फ हिंदी फिल्म तक ही सीमित नहीं रहना चाहता। मैं तमिल और बंगाली में भी सहज हूं। मुझे मलयालम और तेलुगू फिल्मों की भी जानकारी है। मैं जल्द ही एक तेलुगू फिल्म की शूटिंग शुरू करूंगा। अच्छी कहानियां ही हमेशा मेरी प्राथमिकता रही हैं, ये किस इंडस्ट्री से है यह मायने नहीं रखता है। मैंने पिछले एक साल में एक भी ओटीटी प्रोजेक्ट्स के लिए हांमी नहीं भरी है क्योंकि मुझे कहानी पसंद नहीं आई है।''

आलिया भट्ट के साथ फिर रोमांस करेंगे रणवीर सिंह

फिल्म 'गली बॉय' में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। वहीं अब खबर आ रही है कि यह जोड़ी एकबार फिर पर्दे पर रोमांस करती नजर आएंगी। दोनों करण जौहर की एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म का टाइटल 'प्रेम कहानी' रखा गया है। निर्माता एक अलग लेकिन रिलेटेड टाइटल की तलाश में थे और तभी उनको प्रेम कहानी नाम पसंद आया है। खबरों के अनुसार फिल्म मई के महीने में फ्लोर पर जाने के लिए तैयार थी, लेकिन कोरोना ने निर्देशक की योजनाओं पर पानी फेर दिया। फिल्म पूरी तरह से दो अपोजिट किरदारों की लव स्टोरी है। मेकर्स ने फिल्म की शूटिंग की तैयारियां शुरू करने से पहले क्रू मेंबर्स को वैक्सीन लगवाने का प्रॉसेस शुरू किया है। सेट डिजाइनिंग से लेकर सभी चीज वर्क इन प्रोग्रेस में है। बताया जा रहा है कि फिल्म की टीम ने कहानी और डायलॉग को लिख कर पूरा कर लिया है।

बादशाह की फिल्म 'पानी पानी' के टीजर में नजर आईं जैकलीन फर्नांडीज

बादशाह और आस्था गिल के नए गाने 'पानी पानी' का टीजर रिलीज हो गया है, जिसमें जैकलीन फर्नांडीज हैं। यह गाना 9 जून को लॉन्च होने वाला है। जैकलीन ने आने वाले गाने का पोस्टर इंस्टाग्राम पर साझा किया और इसे कैप्शन दिया : 'सेटिंग (फायर इमोजी) दिस समर।' गीत को बादशाह ने आस्था के साथ लिखा, कंपोज और गाया है, और वीडियो में जैकलीन को दिखाया गया है, जिसे जैसलमेर में शूट किया गया है। यह दूसरी बार है जब बादशाह और जैकलीन एक साथ काम करेंगे। दोनों को आखिरी बार पिछले साल 'गेंदा फूल' गाने पर थिरकते हुए देखा गया था।

इंसान की आवाज उसकी सबसे बड़ी ताकत

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने शनिवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कहा कि अपनी बात रखना बहुत जरूरी है, हालांकि कई बार इस पर कई प्रतिक्रियाएं भी आती हैं। पर्यावरण के प्रति सजग रहने वालीं और इस पर काम करने वालीं भूमि कहती हैं, ''जागने का मतलब समाज की भलाई के लिए अपनी राय रखना और उसके साथ खड़े होना है। मुझे लगता है कि यह एक दोधारी तलवार है क्योंकि कभी-कभी इसके लिए आपको कई आलोचनाएं भी सहनी पड़ सकती है।'' वह आगे कहती हैं, ''अक्सर मुझे लगता है कि आपको आगे आकर अपने विचारों को लोगों के सामने रखने के लिए एक निश्चित मात्रा में आत्मविश्वास की आवश्यकता है, हालांकि इसका उद्भव जिम्मेदारी और जानकारी से ही संभव है।'' भूमि कहती हैं कि जिस इंसान में दूसरों को प्रभावित करने की क्षमता है, वह अपनी आवाज को व्यर्थ जाने नहीं दे सकता है क्योंकि यही उसका सबसे बड़ा हथियार है।

मुझे कभी स्टीरियोटाइप होने का डर नहीं रहा

अभिनेत्री एली अवराम का कहना है कि उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में स्टीरियोटाइप होने का डर कभी नहीं सताया है, हालांकि लोगों को अकसर इसकी चिंता सताती रहती है। एली ने बताया, मेरे दिल में कभी इस बात का डर नहीं रहा क्योंकि मेरे दिल को पता है कि मेरा जुनून क्या है, मेरी प्रतिभा क्या है और कला की दुनिया में मुझे क्या देना है और इसकी कोई सीमा नहीं है। अभिनेत्री का कहना है कि वह किसी प्रोजेक्ट को करने से तभी मना करती हैं, जब वह उनसे जुड़ाव महसूस नहीं करती हैं। एली कहती हैं, मैंने कई गानों को मना किया है क्योंकि मैं सिर्फ एक सिम्पल रूल का पालन करती हूं - अगर मेरे दिल में किसी चीज को लेकर उत्साह पैदा होता है, तो मैं उसे झट से कर लेती हूं और अगर ऐसा नहीं होता है, तो साफ है कि मैं उस गीत या प्रोजेक्ट के साथ न्याय नहीं कर पाउंगी, क्योंकि बेमन से आप किसी काम को अंजाम तक नहीं पहुंचा सकते हैं और अगर मैं ऐसा करती भी हूं, तो यह फिल्मकारों के हित में नहीं होगा। एली पिछले साल आई फिल्म मलंग में नजर आई थीं। इसके अलावा, इस साल वह फिल्म कोई जाने ना में आमिर खान के साथ डांस नंबर हरफन मौला में भी नजर आईं।

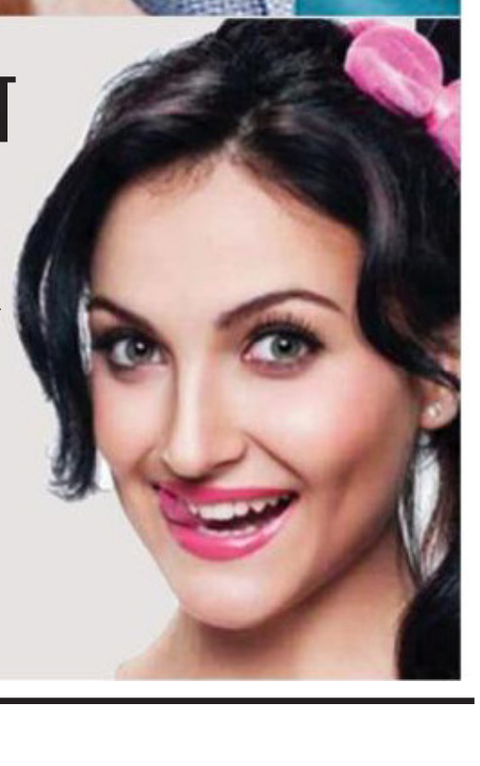

पेरिस में फ्रैंच ओपन टेनिस में पोलैंड की इगा स्वाटेक के खिलाफ मैच के दौरान यूनान की मारिया सकारी किसी बात पर नाराज दिखीं।

धोनी के फार्म हाऊस में मस्ती करते दिखे शेटलैंड पोनी नस्ल का घोड़ा और पालतू कुत्ते

रांची। आईपीएल 2021 के स्थगित होने के बाद इन दिनों महेंद्र सिंह धोनी अपने घर पर समय बिता रहे हैं। धोनी अपने फार्म हाउस पर आर्गेनिक खेती के अलावा अपने प्यारे पालतू जानवरों के साथ समय बिता रहे हैं। समय-समय पर उनकी पत्नी साक्षी धोनी घर और फार्म हाउस की तस्वीरें साझा करती रहती हैं। हाल में ही जोड़ी ने स्कॉटलैंड से शेटलैंड पोनी नस्ल का यह घोड़ा खरीदा है। साक्षी ने वीडियो शेयर किया है, जिसमें घोड़ा घर के पालतू कुत्तों के साथ दौड़ लगा रहा है। धोनी बाइक के अलावा पालतू जानवरों से भी बेहद प्यार करते हैं। कुछ दिनों पहले ही शेटलैंड पोनी नस्ल का घोड़ा विदेश से मंगवाया था। करीब 2 साल की उम्र का यह घोड़ा दुनिया के सबसे छोटे नस्लों में से एक है। इसकी ऊंचाई महज 3 फीट के करीब होती है। उनके पास पहले ही चेतक नाम का घोड़ा है, जो 11 महीने का है। कुछ दिनों पहले ही साक्षी ने एक वीडियो शेयर किया था जिसमें धोनी चेतक की मालिश करते हुए नजर आ रहे थे।

युवी का मानना, डब्ल्यूटीसी मुकाबले में रोहित के साथ शुभमन करे ओपनिंग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में अब 7 दिन का वक्त बचा है। दोनों टीमें महामुकाबले की तैयारियों में जी-जान से जुटी हुई हैं। इंग्लैंड के वातावरण में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों के सामने मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। इसकारण टीम इंडिया का प्लेइंग-11 तय करना भी किसी चुनौती से कम नहीं है। रोहित शर्मा का बतौर ओपनर खेलना लगभग तय है। लेकिन उनके जोड़ीदार के रूप में किसे मौका दें। ये सवाल टीम मैनेजमेंट के सामने खड़ा है। क्या मयंक अग्रवाल या फिर शुभमन गिल को ये मौका दिया जाए। इस लेकर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने अपनी राय जाहिर की है।

युवी को लगता है कि रोहित शर्मा के साथ शुभमन गिल से पारी का आगाज कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि रोहित टेस्ट क्रिकेट में काफी अनुभवी हो चुके हैं। वहां बतौर ओपनर 7 शतक लगा चुके हैं। उन्हें इंग्लैंड में इस अनुभव का इस्तेमाल करना चाहिए। हालांकि, रोहित ने इंग्लैंड में कभी भी पारी की शुरूआत नहीं की। वहीं, शुभमन का ये पहला इंग्लैंड दौरा होगा, इसकारण दोनों के सामने चुनौती होगी।

पूर्व ऑलराउंडर ने कहा कि दोनों को इस चुनौती के बारे में पता है। ड्यूक बॉल शुरूआत में काफी स्विंग होती है इसकारण दोनों को कंडीशंस से जल्दी तालमेल बैठाना होगा। इंग्लैंड में किसी भी खिलाड़ी के लिए ये जरूरी है कि वहां एक-एक सेशन को ध्यान में रखकर ही बल्लेबाजी करे। सुबह गेंद स्विंग और सीम होगी. हालांकि, जैसे-जैसे दिन गुजरेगा बल्लेबाजी करना थोड़ा आसान होगा। इस दौरान आप रन बना सकते हैं। हालांकि, टी ब्रेक के बाद फिर गेंद स्विंग होने लगती है। इसके बाद बतौर बल्लेबाज इन हालातों से तालमेल बैठा लिया,तब आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है।

इस बीच, युवराज भी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल के लिए बनाए गए नियमों से खुश नहीं है। उनसे पहले भारतीय कोच रवि शास्त्री ने भी इस पर आपत्ति जाहिर की थी। युवराज के मुताबिक, डब्ल्यूटीसी के विजेता को तय करने के लिए बेस्ट ऑफ थ्री फाइनल होने चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि ऐसी स्थिति में बेस्ट ऑफ थ्री टेस्ट की सीरीज ही होनी चाहिए। क्योंकि अगर आप पहला मैच गंवा दें,तबअगले दो मैचों में वापसी कर सकते हो। भारत थोड़े नुकसान की स्थिति में है। क्योंकि न्यूजीलैंड की टीम पहले ही इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज खेल रही है और मैच खेलने से बेहतर तैयारी कुछ नहीं हो सकती है। भारतीय टीम को सिर्फ कुछ दिन अभ्यास के लिए मिलने वाले हैं, इसकारण कीवी टीम का पलड़ा थोड़ा भारी जरूर रहेगा।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुकाबला आसान नहीं होगा : हीथर

लंदन, (एजेंसी)। इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हीथर नाइट ने भारतीय महिला टीम की सराहना करते हुए कहा है कि इस टीम को हराना आसान नहीं हैं। हीथर ने कहा कि भारतीय टीम खेल हर क्षेत्र में अच्छी है और ऐसे में हमें जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। साथ ही कहा कि दोनो टीमें के बीच रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा। भारतीय महिला टीम इस दौरे में मेजबान टीम इंग्लैंड साथ एकमात्र टेस्ट मैच 16 से 19 जून तक खेलेगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच वनडे और टी-20 सीरीज खेली जाएगी।

नाइट ने कहा, हम ऐसी सीरीज खेलना चाहते थे क्योंकि लंबे समय से हमारे दर्शकों ने मैच नहीं देखे। भारत बेहद ताकतवर टीम है और स्वाभाविक है कि इससे दर्शकों को कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। नाइट ने कहा, भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ शुरूआत करना, एक ऐसी टीम जो पिछले कुछ सालों में काफी सफल रही है और उसका सामना करना हमारे लिए वास्तव में बड़ी परीक्षा होगी।

महिला क्रिकेटरों को टेस्ट क्रिकेट खेलने का कम ही अवसर मिलता है। दोनों टीमों के लिए यह काफी हद तक नया फॉर्मेट जैसा है विशेषकर भारत के लिए जिसने अपना आखिरी टेस्ट मैच 2014 में खेला था। नाइट ने कहा, यह बहु प्रारूप अंक प्रणाली का पहला मैच होगा। हम इसे जीतने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। जब आप बहुत कम टेस्ट क्रिकेट खेलते हैं तो कभी कभी यह मुश्किल हो जाता है क्योंकि आपको पता नहीं होता कि इन हालातों में क्या करना है।

भारतीय टीम के खिलाफ उतरने के साथ ही नाइट की टीम महत्वपूर्ण सत्र की शुरूआत करेगी जिसमें उसे एशेज श्रृंखला के अलावा न्यूजीलैंड में होने वाले विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने के लिए उतरना है।

पांच युगों के दो-दो महान खिलाड़ियों को हाल आफ फेम में शामिल किया जाएगा : अलारडाइस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी ज्योफ अलारडाइस ने कहा है कि पांच युगों के दो-दो खिलाड़ियों कुल मिला 10 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को आईसीसी हाल आफ फेम में शामिल किया जाएगा। इससे इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने वाले क्रिकेटरों की संख्या बढ़कर 103 हो जाएगी।

आईसीसी ने गुरुवार को आईसीसी हाल आफ फेम के विशेष संस्करण की भी घोषणा की। आईसीसी ने यह फैसला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले लिया है। डब्ल्यूटीसी फाइनल भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 जून से साउथम्पटन में खेला जाएगा।

टेस्ट क्रिकेट में अहम योगदान देने वाले दस दिग्गजों को इस सूची में शामिल किया जाएगा। अभी इस सूची में कुल 93 क्रिकेटर ही शामिल हैं। इन दस खिलाड़ियों में प्रत्येक युग के दो-दो खिलाड़ी शामिल होंगे। आईसीसी के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी ज्योफ अलारडाइस ने कहा, साउथम्पटन में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले दस दिग्गज क्रिकेटरों को आईसीसी हाल आफ फेम में शामिल करने की घोषणा करना हमारे लिये सम्मान की बात है।

इस विशेष संस्करण में पांच युगों के दो-दो खिलाड़ियों को हाल आफ फेम में शामिल किया जाएगा. इन युगों में शुरूआती क्रिकेट युग (1918 से पहले), दो विश्व युद्ध के दौरान का युग (1918-1945), युद्ध के बाद का युग (1946-1970), वनडे युग (1971-1995) और आधुनिक युग (1996-2016) शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के नामों की घोषणा आईसीसी डिजिटल मीडिया चैनल पर 13 जून को की जाएगी। आईसीसी हाल आफ फेम की शुरूआत साल 2009 में हुई थी। इसकी पहली सूची में बिशन सिंह बेदी, कपिल देव और सुनील गावस्कर को शामिल किया गया था। वहीं 2015 में अनिल कुंबले, 2018 में राहुल द्रविड़ और 2019 में सचिन तेंदुलकर को शामिल किया गया था। अब अगर आधुनिक युग की बात की जाए तो महेंद्र सिंह धोनी भारत की तरफ से इस बार लिस्ट में शामिल हो सकते हैं।

नस्लवाद विरोधी आंदोलन को नई दिशा देने की जरूरत : होल्डर

जमैका, (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिनसन के निलंबन के बाद एक बार फिर नस्लभेद और रंगभेद का मामला क्रिकेट में गरमा गया है। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान जैसन होल्डर के अनुसार क्रिकेट में नस्लवाद विरोधी आंदोलन को केवल मैचों से पहले घुटने के बल पर बैठकर सांकेतिक विरोध तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि इसे एक दिशा दी जानी चाहिये जिसे समस्या का समाधान हो सके। इस स्टार ऑलराउंडर ने अपनी टीम से कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले नस्लवाद विरोधी आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए और अधिक प्रभावी प्रयास करने होंगे।

गौरतलब है कि अमरीका में पिछले साल अफ्रीकी मूल के जार्ज फ्लायड की एक श्वेत पुलिस अधिकारी के हाथों मौत के बाद ब्लैक लाइव्स मैटर (अश्वेतों का जीवन भी मायने रखता है) आंदोलन शुरू हुआ था। वहीं वेस्टइंडीज उन पहली दो अंतरराष्ट्रीय टीमों में शामिल था जिसके खिलाड़ियों ने एक घुटने के बल पर बैठकर इसका समर्थन किया था। इसपर होल्डर ने कहा, मैंने इसको लेकर कुछ चर्चा की थी और मुझे लगता है कि मैचों से पहले किया जाने वाला यह सांकेतिक विरोध अप्रभावी रहा है। मैं इस आंदोलन में नई जान डालने के लिए कुछ नई पहल देखना चाहता हूं।

उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहता था कि लोग केवल यह सोचें कि वे ब्लैक लाइव्स मैटर के लिए घुटने टेक रहे हैं क्योंकि यही परंपरा है, यही चलन है। इसका कुछ तो मतलब निकलना चाहिए।

गेंदबाज दीपक चाहर का गजनी लुक, साक्षी धोनी को आया पंसद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज दीपक चाहर का नया लुक सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।चेन्नई सुपर किंग्स में धोनी की कप्तानी में खेलने वाले चाहर अपने नए लुक में फिल्म गजनी के आमिर खान की तरह दिख रहे हैं। दीपक चाहर के इस लुक पर धोनी की पत्नी साक्षी धोनी ने भी कमेंट किया जो वायरल हो गया है।

दीपक चाहर ने अपनी नया लुक शेयर कर लिखा, नया लुक, आपको ज्यादा पसंद कौन सी फोटो आई मैं एक सिलेक्ट नहीं कर सका, इसकारण दोनों फोटो शेयर कर रहा हूं। यह फोटो उनकी बहन मालती चाहर खींची है। इस फोटो के लिए दीपक ने उन्हें शुक्रिया भी कहा है। दीपक की फोटो पर कमेंट करते हुए साक्षी ने लिखा,खतरनाक लुक दीपक। साक्षी के अलावा लाखों फैंस ने दीपक ने नए फोटो को पसंद किया है।

बता दें कि आईपीएल 2021 के पहले चरण में पावरप्ले में चाहर सीएसके के सबसे खतरनाक गेंदबाज बनकर उभरे। इस सीजन में केकेआर और पंजाब किंग्स के खिलाफ चाहर ने शुरूआती स्पैल में विपक्षी टीम को हरा दिया। चाहर ने पंजाब के खिलाफ 13 रन देकर 4 विकेट लिए, जो आईपीएल के इतिहास में उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी है। 28 साल के चाहर भारत की तरफ से वनडे और टी20 में डेब्यू कर चुके हैं। उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में नहीं चुना गया है। हालांकि चाहर को श्रीलंका दौरे पर चुने जाने की उम्मीद है। भारतीय टीम को जुलाई में श्रीलंका दौरे पर तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। चाहर भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई कर सकते हैं। इसके अलावा इस दौरे पर उनके भाई राहुल चाहर भी चुने जा सकते हैं। चाहर ने हाल में ही एक इंटरव्यू में कहा था कि आईपीएल में उनका प्रदर्शन धोनी के बिना असंभव था। चाहर ने कहा था, माही भाई ने मुझे पावरप्ले गेंदबाज बनाया है।

सुशील को झटका , अदालत ने हाई प्रोटीन डाइट दिलाए जाने की मांग ठुकराई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पहलवान सुशील कुमार को झटका लगा है। दिल्ली की एक अदालत ने सुशील कुमार की जेल के अंदर सप्लिमेंट्स और हाई प्रोटीन डाइट दिलाए जाने की मांग को खारिज कर दिया है। अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए समानता के अधिकार को संविधान का मूल तत्व बताया और कहा कि आवेदन में मांग के लिए कोई ठोस वैधानिक आधार नहीं दिया गया है। मुख्य मेट्रोपोलिटन मैजिस्ट्रेट सतवीर सिंह लांबा ने अपने आदेश में कहा कि आवेदक की ओर से दायर अर्जी में कहा गया कि वह अपने करियर को आगे भी जारी रखना चाहता है। साथ ही दावा किया कि सप्लिमेंट और हाई प्रोटीन डाइट उसकी शारीरिक मजबूती और फिजिक के लिए जरूरी है। सुशील का आवेदन ठुकराए जाने के पीछे अदालत ने और भी कई तर्क दिए। जैसे-वह यह तो कह रहे हैं कि उन्हें कुश्ती में अपने करियर को आगे बढ़ाना है पर यह नहीं बताया कि ऐसी कौन सी प्रतियोगिताएं हैं जिसके लिए उनका चयन हुआ है। वहीं जेल प्रशासन के अनुसार सभी आरोपियों को जेल के नियमों के मुताबिक ही भोजन दिया जाता है और इसमें बिना किसी भेदभाव के सुशील को भी संतुलित और हेल्दी डाइट दी जा रहीं है।

इसके साथ ही कहा कि दिल्ली प्रीजन रूल्स, 2018 के तहत एक व्यक्ति के लिए रोजाना जरूरी पोषक तत्वों, उसकी मात्रा और प्रोटीन के समान स्त्रोतों का ख्याल रखा गया है। अदालत ने पाया कि पहलवान ने आहार में किसी तरह की कमी का भी कोई दावा नहीं किया है, जिसका मतलब है कि उसे संतुलित और स्वास्थ्यवर्धक भोजन दिया जा रहा है। मेडिकल रिपोर्ट को भी ध्यान में रखा, जिसके मुताबिक कुमार को ऐसी कोई बीमारी भी नहीं जिसके लिए उन्हें फूड सप्लिमेंट और खास भोजन की जरूरत पड़े। वहीं सुशील के वकील ने अपनी अपनी याचिका में तर्क दिया था कि पहलवान मल्टीविटामिन आदि सप्लिमेंट लेते हैं। इन जरूरी चीजों को नहीं देने से खिलाड़ी के करियर पर बुरा असर पड़ेगा, क्योंकि खास पोषण आहार और सप्लिमेंट उनकी सेहत और प्रदर्शन को बनाए रखने के लिहाज से बेहद जरूरी है।

विलियमसन के बाद वाटलिंग भी हुए बाहर

लंदन, (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियमसन के बाद अब विकेटकीपर-बल्लेबाज बीजे वाटलिंग भी घायल होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के पहले इन दोनो अहम खिलाड़ियों का घायल होना कीवी टीम के लिए एक बड़ा झटका है। वाटलिंग की जगह अब टॉम ब्लेंडल इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। वाटलिंग और विलियसमन के अलावा मिशेल सैंटनर भी फिट नहीं हैं और वह भी दूसरे टेस्ट के लिए टीम में शामिल नहीं हैं।

विलियसमन की जगह बल्लेबाज टॉम लाथम 10 जून से शुरू हो रहे टेस्ट में विलियमसन की जगह कप्तानी संभालेंगे। अंतिम ग्यारह में विलियमसन की जगह विल यंग को जगह दी गयी है। कोच गैरी स्टीड ने कहा कि कुछ समय से विलियमसन चोट से परेशान थे, इसलिए उन्हें विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप को देखते हुए आराम दिया गया है ताकि वह पूरी तरह से ठीक हो सकें। उन्होंने कहा, विलियसमन के लिए यह आसान फैसला नहीं था लेकिन यही सही फैसला है. उन्होंने कहा, यह फैसला आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप को ध्यान में रखकर लिया गया है. हमें यकीन है कि वह 18 जून से होने वाले मैच तक फिट हो जाएगा। वहीं लाथम ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले कहा, मुझे भरोसा है कि वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेलेंगे। हमने एहतियातन उन्हें आराम दिया है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप से पहले उसका पूरा फिट होना जरूरी है।

14वीं बार सेमीफाइनल में पहुंचने नडाल, जोकोविच से होगा सामना

पेरिस, (एजेंसी)। टेनिस स्टार राफेल नडाल ने फ्रेंच ओपन में पहला सेट गंवाने के बाद भी रिकॉर्ड 14वीं बार सेमीफाइनल में पहुंचने में कामयाब रहे। 13 बार के फ्रेंच ओपन चैम्पियन नडाल ने 10वीं वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के डिएगो श्वार्त्जमैन को हराया। नडाल तीसरे सेट में 4-3 से पीछे थे, लेकिन लगातार 9 गेम जीतकर मैच अपने नाम करने में कामयाब रहे। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच से होगा। जोकोविच ने नौवीं वरीयता प्राप्त माटेओ बेरेतिनी को हराया। दूसरा सेमीफाइनल दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी स्टेफानोस सिटसिपास और छठी रैंकिंग वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच होगा। अगले सप्ताह 35 वर्ष के होने जा रहे नडाल का रोलां गैरो पर रिकॉर्ड 105- 2 का है। नडाल फ्रेंच ओपन में 14वीं बार, जबकि जोकोविच 11वीं बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में जोकोविच 40वीं और नडाल 35वीं बार अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे। नडाल और रोजर फेडरर ने 20, जबकि जोकोविच ने 18 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। ये दोनों खिलाड़ी 58वीं बार एक-दूसरे का सामना करने वाले हैं। जोकोविच अभी 29-28 से बढ़त पर हैं, लेकिन ग्रैंड स्लैम में नडाल 10-6, जबकि फ्रेंच ओपन में 7-1 से बढ़त पर हैं। इससे पहले महिला वर्ग में मारिया सक्कारी ने गत चैम्पियन इगा स्वियातेक के फ्रेंच ओपन में 11 मैचों और 22 सेट के विजय अभियान को तोड़कर पहली बार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में प्रवेश किया। 17वीं वरीयता प्राप्त सक्कारी ने स्वियातेक को मात दी।उनके अंतिम चार में पहुंचने से सुनिश्चित हो गया कि इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में कोई नया ग्रैंड स्लैम चैम्पियन बनेगा।

पुराने सोशल मीडिया पोस्ट से दिक्कत में ऑयन मॉर्गन और हेड कोच ब्रैंडन मैक्कलम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पुराने सोशल मीडिया पोस्ट आईपीएल के कुछ दिग्गज विदेशी खिलाड़ियों को दिक्कत में डाल सकती हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान ऑयन मॉर्गन और हेड कोच ब्रैंडन मैक्कलम के खिलाफ केकेआर फ्रेंचाइजी कड़े कदम उठा सकती है। यह सामने आया है कि मॉर्गन, जोस बटलर और मैक्कलम भारतीय लहजे का मजाक उड़ा रहे थे।साल 2018 में इंग्लैंड के वनडे-टी20 कप्तान मॉर्गन और विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने भारतीय प्रशंसकों का मजाक उड़ाने के लिए सर शब्द का इस्तेमाल किया था। बाद में दोनों की बातचीत में मैक्कलम जुड़े। इसमें शामिल कुछ लोगों ने जाहिर तौर पर पोस्ट को हटा दिया है, लेकिन उनके बातचीत का स्क्रीनशॉट पहले ही सामने आ चुका है।

रिपोर्ट के अनुसार, केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा, इस समय टिप्पणी करने के लिए इसके बारे में हम ज्यादा नहीं जानते। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों को जानने की प्रक्रिया को पूरा करें। केकेआर किसी भी भेदभाव के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएगा।

एक रिपोर्ट में इंग्लैंड के खिलाड़ियों की ट्विटर टिप्पणियों पर कहा गया,इन ट्वीट के सटीक संदर्भ पर हालांकि सवालिया निशान लगा है, लेकिन ये उस समय में लिखे गए जबकि बटलर और मॉर्गन इंग्लैंड के स्थापित खिलाड़ी बन चुके थे और सोशल मीडिया पर अपराध किया है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं। हाल में ही इंग्लैंड बोर्ड ने ओली रॉबिन्सन को आपत्तिजनक ट्वीट के चलते इंटरनेशनल क्रिकेट से निलंबित कर दिया है। दो दिन पहले ही ईसीबी ने मामले में एक बयान जारी कर कहा था कि हम ओली रॉबिन्सन के मामले के बाद सतर्क हो गए हैं।इसकारण अतीत में कई और खिलाड़ियों द्वारा किए गए विवादित पोस्ट जिस पर सार्वनजिक रूप से सवाल खड़े किए गए हैं, उस पर भी हमारी नजर है।

हमारे खेल में भेदभाव की कोई जगह नहीं है। हम जरूरी कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ये सिर्फ एक केस से जुड़ा मामला नहीं है। हर केस को अलग तरीके से देखा जाएगा। सभी तथ्यों के आंकलन के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

कतर में फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग के दौरान दक्षिण कोरिया के किम शिन पैनाल्टी शॉट लगाते हुए।